Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/48369
वर्ष 13 । अंक 233
नई दिल्ली, मंगलवार, 1 जुलाई 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10
भाजपा ने वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना की

करुणा और ईमानदारी को चिकित्सा का हिस्सा बनाएं चिकित्सक : राष्ट्रपति

भाषा । गोरखपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिकित्सकों को करुणा और ईमानदारी को अपनी चिकित्सा का हिस्सा बनाने की नसीहत देते हुए सोमवार को कहा कि एक संवेदनशील चिकित्सक न सिर्फ दवा से बल्कि अपने व्यवहार से भी मरीज को जल्द ठीक होने में मदद कर सकता है। राष्ट्रपति ने गोरखपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने में एम्स जैसे संस्थानों की निर्णायक भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भारत में इलाज का खर्च दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में बहुत ही कम है और इस वजह से विदेश से भी लोग यहां इलाज के लिए आते हैं, जो भारत की एक गौरव गाथा है। मुर्मू ने दीक्षांत समारोह में पदक और उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से कहा, अपने करियर और जीवन में यह बात हमेशा याद रखें कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। आप जहां भी काम करें, करुणा और ईमानदारी को अपनी चिकित्सा का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा, मैं अपेक्षा करती हूं कि आप अपने ज्ञान का उपयोग केवल अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए ही ना करें, बल्कि समाज के उन वर्गों के लिए भी कार्य करें जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सर्वाधिक आवश्यकता है।

मुर्मू ने कहा, एक चिकित्सक का व्यवहार भी मरीज की मानसिक और शारीरिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालता है। आज आप चिकित्सक बन गए हैं। एक संवेदनशील चिकित्सक न केवल दवा से बल्कि अपने व्यवहार से भी मरीज को जल्द ठीक होने में मदद करता है। साक्ष्य दर्शाते हैं कि सहानुभूतिपूर्ण देखभाल से मरीज की हालत में तेजी से सुधार होता है। उन्होंने अपील करते हुए कहा, मैं चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी हितधारकों से भी अपील करूंगी की भावी चिकित्सकों को शुरुआत से ही एक ऐसा एक तंत्र प्रदान करें, जिससे वे अपने कौशल के साथ-साथ मरीजों से संवाद और रोगियों में विश्वास बढ़ाने जैसे विषयों के बारे में भी जानें और उन्हें अपनी कार्यशैली में अपनाएं। राष्ट्रपति ने कहा, इस अवसर पर मैं सभी चिकित्सकों से कहना चाहूंगी कि चिकित्सा लोगों की सेवा करने के साथ-साथ देश की सेवा का माध्यम भी है।

गोरखपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रथम दीक्षांत समारोह में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल

चिकित्सक, देश के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे केवल रोग का इलाज नहीं करते बल्कि एक स्वस्थ समाज की नींव भी रखते हैं। उन्होंने कहा, जब देश के नागरिक स्वस्थ होते हैं तो उनके कार्य करने की क्षमता भी बढ़ती है और वे एक राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि चिकित्सकों की सेवाएं ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी उपलब्ध हों। मुर्मू ने कहा, आज देश में अनेक एम्स हैं, जिनके द्वारा स्थानीय लोगों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। साथ ही स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में रोजगार और शिक्षा के अवसर भी बढ़े हैं। विदेश से भी मरीज भारत में इलाज के लिए आते हैं उनके यहां न केवल सुलभ इलाज है बल्कि गुणवत्तापूर्ण इलाज भी है। उन्होंने कहा, एम्स की पारदर्शिता, नैतिकता और अनुसंधान आधारित इलाज प्रणाली ने इसे वैश्विक मंच पर एक एक प्रतिष्ठित संस्थान बनाया है। मुझे विश्वास है कि गोरखपुर स्थित एम्स सहित देश के सभी एम्स संस्थान भारत को एक वैश्विक चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने भी सम्बोधित किया।

आज से महंगी हो जाएगी रेल यात्रा

● साधारण द्वितीय श्रेणी का किराया 500 किमी तक नहीं बढ़ाया गया

भाषा । नई दिल्ली

रेल मंत्रालय ने एक जुलाई से मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में गैर-वातानुकूलित श्रेणी के किराए में एक पैसा प्रति किलोमीटर और सभी वातानुकूलित श्रेणी में दो पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि की है। मंत्रालय ने सोमवार को एक आधिकारिक परिपत्र जारी कर यह जानकारी दी। मंत्रालय के अधिकारियों ने ट्रेन के किराए में प्रस्तावित संशोधन के संबंध में 24 जून को संकेत दिए थे। हालांकि, ट्रेन और श्रेणियों के अनुसार किराया सूची के साथ आधिकारिक परिपत्र सोमवार को जारी किया गया। दैनिक यात्रियों के हित में उपनगरीय ट्रेन और मासिक पास टिकट के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। साधारण द्वितीय श्रेणी का किराया 500 किलोमीटर तक नहीं बढ़ाया गया है और इससे अधिक दूरी के लिए टिकट की कीमत में आधा पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है। साधारण शयनयान श्रेणी और प्रथम श्रेणी के यात्रियों को भी एक जुलाई से रेल यात्रा के लिए प्रति किलोमीटर आधा पैसा अधिक देना होगा।

मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, किराया संशोधन प्रमुख और विशेष ट्रेन सेवाओं, जैसे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और सामान्य गैर-उपनगरीय सेवाओं पर भी लागू होता है। इसमें कहा गया है, संशोधित किराया एक जुलाई 2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा। इस तिथि से पहले जारी किए गए टिकट बिना किसी किराया समायोजन के मौजूदा किराए पर वैध रहेंगे। पीआरएस, यूटीएस और मैनुअल टिकटिंग सिस्टम को तदनुसार अपडेट किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य शुल्क अपरिवर्तित रहेंगे। इसी प्रकार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू नियमों के अनुसार वसूला जाता रहेगा।

रेलवे अब आठ घंटे पहले तैयार करेगा आरक्षण तालिका

नई दिल्ली (भाषा)। रेल मंत्रालय ने दूरदराज के स्थानों से यात्रा करने वाले यात्रियों को यात्रा की बेहतर योजना बनाने में मदद के वास्ते लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए मौजूदा चार घंटे के बजाय आठ घंटे पहले आरक्षण तालिका तैयार करने का फैसला किया है। रेल मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यह निर्णय हाल में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के दौरान लिया गया। वैष्णव के मार्गदर्शन में, अधिकारी मौजूदा चार घंटे के बजाय ट्रेन के प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि अपराह्न दो बजे से पहले रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए चार्ट पिछली रात नौ बजे तैयार किया जाएगा। इसमें कहा गया कि रेल मंत्री ने निर्देश दिया है कि चरणबद्ध तरीके से बदलाव को लागू किया जाए जिससे कोई अवरोध पैदा नहीं हो। इस कदम से प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों के लिए अनिश्चितता कम हो जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि प्रतीक्षा सूची की स्थिति पर पहला अपडेट पहले ही साझा किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, इससे लंबी दूरी की ट्रेनों को पकड़ने के लिए दूरदराज के स्थानों या प्रमुख शहरों के उपनगरों से यात्रा करने वाले यात्रियों को फायदा होगा। यह प्रतीक्षा सूची से आरक्षण नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए अधिक समय भी प्रदान करेगा।

मंत्रालय के अनुसार, नई उन्नत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुकिंग की अनुमति देगी। यह वर्तमान पीआरएस में प्रति मिनट 32,000 टिकट से लगभग पांच गुना अधिक होगा। मंत्रालय ने कहा कि नए पीआरएस में बहुभाषी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बुकिंग और पूछताछ इंटरफेस भी है। नए पीआरएस में, उपयोगकर्ता अपनी पसंद की सीट बता सकेंगे और किराया कैलेंडर देख सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इसमें दिव्यांगजन, छात्रों और मरीजों के लिए एकीकृत सुविधाएं भी हैं। मंत्रालय ने कहा, भारतीय रेलवे। जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और इसके मोबाइल ऐप पर केवल सत्यापित उपयोगकर्ताओं को ही तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति देगा। उसने इस बात पर जोर दिया कि जुलाई के अंत से तत्काल बुकिंग के लिए ओटीपी-आधारित सत्यापन किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल बुकिंग के लिए सत्यापन तंत्र को व्यापक बनाने का निर्देश दिया। बयान में कहा गया है, आधार या उपयोगकर्ता के डिजिलॉकर खाते में उपलब्ध किसी अन्य सत्यापन योग्य सरकारी आईडी का उपयोग करके सत्यापन किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की दिशा में आगे बढ़ी भाजपा

भाषा । नई दिल्ली

भाजपा कुछ राज्यों की इकाइयों के प्रमुखों का चुनाव कर चुकी है और मंगलवार को कुछ और राज्यों में भी प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया पूरी कर लेगी। इसी के साथ केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी सोमवार को नए राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गई। इन प्रदेश अध्यक्षों के निर्वाचन के साथ ही जे पी नड्डा के स्थान पर नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए आवश्यक प्रदेश अध्यक्षों की संख्या पूरी हो जाएगी।

भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने से पहले 37 संगठनात्मक राज्यों में से कम से कम 19 में अध्यक्षों का चुनाव होना आवश्यक है। सत्तारूढ़ पार्टी मंगलवार को यह सीमा पार करने जा रही है। वी पी रामलिंगम और के बेइचुआ सोमवार को क्रमशः पुडुचेरी और मिजोरम के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं, जबकि महाराष्ट्र, उत्तराखंड, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में इस पद के लिए एकल नामांकन दाखिल किया गया, फलस्वरूप मंगलवार को उनका चुनाव महज औपचारिकता रह गया। भाजपा के पास अब 16 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष हैं, जिनमें से कुछ को फिर से इस पद पर चुना गया है। यह आंकड़ा मंगलवार को बढ़ जाएगा। अगले कुछ दिनों में कर्नाटक और मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी प्रदेश भाजपा अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया पूरी हो सकती है। भाजपा ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में क्रमशः रामचंदर राव और पी वी एन माधव जैसे संगठन के अनुभवी नेताओं को अध्यक्ष चुना है। महाराष्ट्र भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष और चार बार के विधायक रवींद्र चव्हाण का भी नया प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना तय है। वह राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री और मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का स्थान लेंगे।

उत्तराखंड के निवर्तमान अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य महेंद्र भट्ट को इसी पर पर नया कार्यकाल मिला है। इस घटनाक्रम से नड्डा की जगह नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की संभावना बढ़ गई है। नड्डा इस समय नरेन्द्र मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। हालांकि, तेलंगाना में राव को चुने जाने पर उग्र हिंदुत्व नेता और विधायक टी राजा सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया। गुटबाजी से ग्रस्त तेलंगाना पार्टी संगठन में राव की पदोन्नति को संतुलन साधने और संगठन के पुराने लोगों को पुरस्कृत करने के रूप में देखा जा रहा है।

भारत के अधिकांश हिस्सों में जुलाई में सामान्य से अधिक वर्षा होने का अनुमान

नई दिल्ली (भाषा)। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को जुलाई में भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान जताया और मध्य भारत,उत्तराखंड और हरियाणा के अधिकारियों तथा लोगों को बाढ़ के संभावित खतरे के कारण सतर्क रहने का सुझाव दिया। इसने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में मानसून के कारण भारी बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश से हुए नुकसान, इमारतें ढहने, भूस्खलन और सड़क जाम ने सोमवार को पहाड़ी राज्य के लोगों की चिंताओं को और बढ़ा दिया। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि उत्तरी ओडिशा में प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण, राज्य सरकार ने निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है और बालासोर और मयूरभंज जिलों में बचाव और राहत अभियान शुरू किया गया है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सोमवार सुबह गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं, जिससे तापमान कई डिग्री नीचे चला गया और हवा साफ हो गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार रात से दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में व्यापक वर्षा दर्ज की।(**शेष पृष्ठ 9**)

पाक सेना प्रमुख ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को वैध संघर्ष बताया

भाषा । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में करारा जवाब देने की चेतावनी भी दी। मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है। उन्होंने दावा किया, जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों के माध्यम से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल

समर्थक है। अतीत में पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस बताया था। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख हमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई। मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान ने दो बार भारतीय सैन्य हमले का करारा जवाब देने के बाद खुद को विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले के रूप में साबित कर दिखाया। वह स्पष्ट रूप से पुलवामा आतंकी हमले(**शेष पृष्ठ 9**)

लखनऊ में व्यापारी, पत्नी और बेटी ने जहर खाकर आत्महत्या की

भाषा । लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कथित तौर पर कर्ज में डूबे एक व्यापारी, उसकी पत्नी और नाबालिग बेटी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विश्वजीत श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा को बताया कि घटना चौक थाना क्षेत्र के अशरफाबाद की है। उन्होंने बताया कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कपड़े के कारोबारी शोभित रस्तोगी (48), उनकी पत्नी शुचिता रस्तोगी (44) और बेटी ख्याति रस्तोगी (16) ने जहर खा लिया। उन्होंने बताया कि सभी किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, बताया जा रहा है कि शोभित बैंक के कर्ज से परेशान थे। उन्होंने बताया कि मौके से सल्फास की शीशी बरामद की गई है। श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना सबसे पहले ख्याति ने अपने चाचा को दी और वह जब तक वहां पहुंचे तब तक स्थिति बिगड़ चुकी थी। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तेलंगाना में दवा उत्पादन संयंत्र में विस्फोट, 12 लोगों की मौत, 34 घायल

दवा उत्पादन संयंत्र में विस्फोट के बाद आग बुझाते अग्निशमन दल के कर्मचारी

भाषा । संगारेड्डी

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा उत्पादन संयंत्र में सोमवार को हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग जख्मी हो गए। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने दी। मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि जब विस्फोट हुआ तब संयंत्र में लगभग 90 लोग काम कर रहे थे। विस्फोट कथित तौर पर संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुआ, जिससे आग भी लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कुछ श्रमिक लगभग 100 मीटर दूर जाकर गिरे।

राज्य के श्रम मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ दुर्घटना स्थल का दौरा करने वाले नरसिम्हा ने संवाददाताओं को बताया कि तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद दुर्घटना का कारण पता चलेगा। वेंकटस्वामी ने बताया कि 34 घायलों में से 12 की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि जलने के कारण इन पीड़ितों की श्वसन प्रणाली पर दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि शेष 22 लोग भी जल्द ही ठीक हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपए और घायलों के लिए 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि वह जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करती है और मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि इकाई का बीमा हुआ था। कंपनी ने प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया।

सिगाची इंडस्ट्रीज ने यह भी कहा कि प्रभावित उपकरणों और संरचनाओं को बहाल करने के लिए उसके हैदराबाद संयंत्र में उत्पादन लगभग 90 दिनों के लिए रोक दिया जाएगा। नियामक को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि श्रमिकों को हुए नुकसान के अतिरिक्त, इस घटना से संयंत्र के भीतर कुछ सहायक उपकरणों और नागरिक संरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। तेलंगाना राज्य आपदा मोचन और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी ने कहा कि संदेह है कि विस्फोट संयंत्र की सुखाने वाली (ड्राइंग) इकाई में हुआ था। हालांकि, पुलिस महानिरीक्षक (मल्टीजोन) वी सत्यनारायण ने संवाददाताओं से कहा कि यह रिएक्टर विस्फोट का मामला था। रेड्डी ने संवाददाताओं को बताया कि औद्योगिक विशेषज्ञों का कहना है कि सुखाने की प्रक्रिया या हैंडलिंग प्रक्रिया के दौरान दबाव बढ़ गया होगा, जिसके बाद (**शेष पृष्ठ 9**)

आतंकी हमले के बावजूद अमरनाथ तीर्थयात्रियों ने पहलगाम मार्ग चुना

● कहा: हम आतंकवादियों से डरते नहीं

जम्मू (भाषा)। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भयावह आतंकवादी हमले का असर इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर पड़ने की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए देश के विभिन्न भागों से सैकड़ों तीर्थयात्री पहले दिन पंजीकरण केन्द्र पर कतारों में खड़े दिखाई दिए। ग्याहरवीं बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे मुंबई निवासी दिवाकर कदम ने कहा, गोली और बम हमें बाबा बर्फानी के दर्शन करने से नहीं रोक सकते। जम्मू रेलवे स्टेशन के निकट सरस्वती धाम पंजीकरण केंद्र पर पंजीकरण के पहले दिन लोगों की भीड़ देखी गई और वहां उपस्थित कई लोगों ने बढ़ती भीड़ को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को करारा जवाब बताया। आतंकियों ने 22अप्रैल को किए गए हमले में विशेष धर्म के लोगों की पहचान करके पहलगाम में 26 लोगों (जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बम बम बोले और जय बाबा बर्फानी के नारों के बीच तीर्थयात्री टोकन पाने की प्रतीक्षा करते दिखाई दिए जिनमें से कई ने कहा कि वे 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहलगाम मार्ग से अमरनाथ की तीर्थयात्रा कर रहे हैं।

कदम ने कहा, हम बहुत उत्साहित हैं। हमारे 26 सदस्यों का

जम्मू में अमरनाथ यात्रा के लिए एकत्र साधु-संत

समूह बेहद खुश है, और हम अमरनाथ जी के दर्शन करने वाले पहले जत्थे का हिस्सा बनना चाहते हैं। हमें कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा, चाहे कुछ भी हो जाए, अमरनाथ यात्रा के लिए देशभर के लोगों का उत्साह कम नहीं हो सकता। हर कोई आएगा और दर्शन करेगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की उंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है। प्राधिकारियों ने यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा। समूह की एक अन्य सदस्य मुमता देशमुख ने बताया कि वह कल देर रात यहां पहुंचे और मौके पर पंजीकरण के लिए टोकन लेने के लिए सुबह से ही कतार में खड़े थे। उन्होंने कहा, इस बार यह सिर्फ बाबा बर्फानी के दर्शन की तीर्थयात्रा नहीं है, बल्कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है। उन्होंने कहा, पहलगाम से यात्रा शुरू करके हम आतंकवादियों को संदेश दे रहे हैं कि हम उनसे डरते नहीं हैं। कदम ने कहा कि यह उनकी 11वीं तीर्थयात्रा है। उन्होंने कहा, हम ऐसे हमलों के आगे न तो रुकेंगे और न ही झुकेंगे। चाहे गोलियां चलें या बम फटें, हम निश्चित रूप से बाबा के दर्शन करेंगे। हम उनसे (आतंकियों) डरते नहीं हैं। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम भविष्य की हर यात्रा के पहले (**शेष पृष्ठ 9**)

मंथन तक पहुंचा गाजियाबाद से एयरपोर्ट तक नमो भारत चलाने का प्रस्ताव

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) से कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी

पायनियर समाचार सेवा

● नमो भारत रेल के प्रस्ताव में गाजियाबाद से एकमूर्ति गोलचक्कर के पास से रूट निकाला गया है। यह रूट मंजूर होता है तो सामान्य मेट्रो चलाना मुश्किल होगा

नोएडा। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) की नमो भारत रेल को गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक चलाने का प्रस्ताव आगे बढ़ा है। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस पर मंथन शुरू कर दिया है। मंत्रालय ने शासन और नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) से कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। शासन से नमो भारत रेल परियोजना के बजट, विभाजन और हिस्सेदारी पर जानकारी मांगी गई है। एनएमआरसी से उसकी प्रस्तावित सेक्टर-51 से नॉलेज पार्क-5 तक ग्रेनो वेस्ट में मेट्रो रूट परियोजना को लेकर सवाल किए गए हैं।

नमो भारत रेल के प्रस्ताव में गाजियाबाद से एकमूर्ति गोलचक्कर के पास से रूट निकाला गया है। यह रूट मंजूर होता है तो सामान्य मेट्रो चलाना मुश्किल होगा। एक ही ट्रैक पर दोनों के संचालन में तकनीकी सामंजस्य नहीं बन पा रहा है। एनएमआरसी से लेकर मंत्रालय स्तर पर इसको लेकर मंथन हुआ। ग्रेनो वेस्ट मेट्रो की परियोजना का प्रस्ताव 8 साल से फाइलों में ही है। पिछले साल नवंबर में यूपी सरकार की कैबिनेट ने सेक्टर-51 से ब्लू लाइन के सेक्टर-61 होते हुए नॉलेज पार्क-5 तक की संशोधित डीपीआर को हरी झंडी दी थी। इसके पहले सेक्टर-51 से सीधे सेक्टर-72 बाबा बालकनाथ मंदिर होते हुए पर्थला गोलचक्कर की तरफ रूट प्रस्तावित था। 2019 में यूपी कैबिनेट की मंजूरी के बाद इस रूट की डीपीआर केंद्र में पहुंची थी। केंद्र में भी कई मंत्रालय स्तर पर मंजूरी मिल गई थी। कैबिनेट नोट बनाए जाने से पहले बदलाव हुआ था। दूसरी तरफ गाजियाबाद से एयरपोर्ट तक नमो भारत रेल चलाने की परियोजना पर चर्चा शुरू हुई और प्रारूप तैयार हुआ। अब ग्रेनो वेस्ट मेट्रो और रैपिड रेल दोनों ही परियोजनाएं मंत्रालय स्तर पर पहुंची हैं।

पार्षदों के विरोध के बाद बोर्ड बैठक में संपत्ति कर हुआ रद्द

पायनियर समाचार सेवा

गाजियाबाद। बढ़े हुए संपत्ति कर को लेकर लगातार विरोध हो रहा है। गाजियाबाद में सोमवार को आयोजित बोर्ड बैठक में बढ़े हुए संपत्ति कर के प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया। इससे पहले कई पार्षद बढ़े हुए संपत्ति कर को लेकर लगातार विरोध कर रहे थे। उन्होंने महापौर से मिलकर संपत्ति कर को लेकर बोर्ड बैठक बुलाने की मांग की थी। सोमवार को बोर्ड बैठक में पार्षदों ने एक सुर में बढ़े हुए संपत्ति कर को नकार दिया। वार्ड 15 की पार्षद पूनम सिंह ने बैठक में विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि शहर में जिनके मकानों में टैक्स नहीं लगा है, पहले उनको कर के दायरे में लाया जाए। महापौर सुनीता दयाल ने सभी पार्षदों का पक्ष सुनने के बाद बढ़े हुए संपत्तिकर के प्रस्ताव को रद्द कर दिया।

दबंग भाजपा नेता ने पड़ोसियों को चप्पलों से पीटा, चीखते रहे बच्चे

पायनियर समाचार सेवा

● भाजपा नेता ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर पड़ोसी महिला और उसके परिवार पर हमला कर दिया

● भाजपा नेता कासना का मंडल मंत्री है, दबंग नेता के डर से पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है।

ग्रेटर नोएडा। दनकौर कोतवाली एरिया के बिलासपुर कस्बे में भाजपा मंडल मंत्री अतीक पठान पर महिला और उसके परिवार को पीटने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद को लेकर दबंग भाजपा नेता ने परिवार को जमकर पीटा। यही नही, बीच बचाव करने आई महिला को भी चप्पलों से जमकर पीटने का वीडियो सामने आया है। सोमवार सुबह पड़ोसियों के साथ किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। भाजपा नेता ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर पड़ोसी महिला और उसके परिवार पर हमला कर दिया। उन्होंने चप्पल और डंडों से पिटाई कर दी। भाजपा नेता कासना का मंडल मंत्री है। दबंग नेता के डर से पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। घटना के समय कई लोग मौके पर मौजूद थे। किसी ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उधर, वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय पुलिस ने संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दो महिलाएं आपस में बिजली की तार को हटाने को लेकर लड़ रही थी। तभी एक व्यक्ति बीच बचाव करने पहुंचा तो उनमें से लड़ाई कर रही एक महिला के बच्चे ने उससे कुछ गलत कह दिया तो उस पर विवाद आगे बढ़ गया और उस व्यक्ति ने मारपीट शुरू कर दी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया और दोनों का समझौता हो गया है। इस मामले में किसी पक्ष की ओर से अब तक कोई शिकायत नही आई है। अगर शिकायत आती है तो मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की हत्या के मामले में पति को आजीवन कारावास

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर के अपर सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय प्रथम की अदालत ने घरेलू हिंसा मामले में जेवर निवासी जितेंद्र उर्फ लाला को अपनी पत्नी रेखा की हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपये के अर्थदंड भी लगाया है। जुमार्ना नहीं भरने पर आरोपी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। घटना 1 अगस्त 2017 को जेवर थाना क्षेत्र के बनी सराय निवासी जितेंद्र उर्फ लाला ने अपनी पत्नी रेखा की गला दबाकर हत्या कर दी थी। मृतका रेखा के भाई चंद्रपाल शर्मा ने 8 अगस्त 2017 को जेवर थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी बहन रेखा की दो साल पूर्व जितेंद्र के साथ कोर्ट मैरिज हुई थी। चंद्रपाल शर्मा के अनुसार जितेंद्र रेखा के साथ मारपीट करता था। 1 अगस्त 2017 की दोपहर चंद्रपाल शर्मा के मामा देवी चरण का फोन आया था कि जितेंद्र और उसकी मां शकुंतला ने रेखा को मार दिया है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार रेखा की मृत्यु गला दबाने से दम घुटने के कारण हुई थी। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी घटना के समय मृतका के साथ था, लेकिन उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि वास्तव में क्या हुआ था। दोषसिद्धि के बाद सजा के मामले में आरोपी के अधिवक्ता ने दलील दी कि यह उसका पहला अपराध है।

सार समाचार

श्रमिक कार्ड बनाने के नाम पर महिला से 65 हजार रुपये ठगे

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की सोनिया नगर कालोनी में रहने वाली युवती से ठगों ने श्रमिक कार्ड बनवाने का झांसा देकर 65 हजार 652 रुपये ठग लिये। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। सोनिया नगर में नेहा रहती है। उन्होंने बताया कि एक अज्ञात नंबर से काल आई। युवक ने उन्हें बताया कि भारत सरकार द्वारा श्रमिक कार्ड बनाया गया है। कार्ड बनने के बाद से उन्हें 62 सौ रुपये प्रति माह सरकार द्वारा दिये जाएगें। कार्ड को अपडेट कराने के लिए 50 रुपये की फीस जमा करानी होगी। उन्होंने युवक द्वारा भेजे गये स्कैनर पर पेमेंट कर दी। जिसके बाद उनके खाते से कई बार में 62 हजार 652 रुपये की पेमेंट कट गई। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामला साइबर सेल को भेजा गया है।

यातायात नियम तोड़ने के खिलाफ चला अभियान, किए 2060 चालान

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर तीनों जोन में यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान विपरीत दिशा में वाहन चालाने, बगैर हेलमेट, तीन सवारी, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और चार पहिया वाहनों पर ब्लैक फिल्म के विरुद्ध दो दिवसीय अभियान चलाया गया। एसीपी जियाउल अहमद ने बताया कि तीनों जोन में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान विपरीत दिशा में वाहन चलाने वाले 317, बगैर हेलमेट 1168, तीन सवारी पर 409 हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट न लगाने पर 311 दुपहिया वाहन चालकों के चालान किए गए। इसके साथ ही चार पहिया वाहनों पर ब्लैक फिल्म लगाने वाले 172 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। कुल 2060 वाहनों के चालान किए गए। बताया कि आगामी दिनों में भी अभियान जारी रहेगा।

बुजुर्ग महिला को बातों में उलझाकर नगदी-गहने ले भागा

नोएडा। सेक्टर-15 में सोमवार को बदमाश ने बुजुर्ग महिला को बातों में उलझाया और उनसे गहने और नगदी लेकर भाग गया। आरोपी ने उनके बेटे के हादसे में घायल होने का झांसा देकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सेक्टर-15 के ई ब्लॉक में रहने वाले विपिन शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी कि घर के सभी सदस्य सोमवार सुबह 11 बजे तक अपने-अपने काम से बाहर चले गए। घर पर केवल विपिन की बुजुर्ग मां थीं। सवा ग्यारह बजे के करीब एक युवक आया और उनकी मां को बेटे का परिचित बताया। युवक ने कहा कि उनका बेटा सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसने घर से रुपये और गहने लाने के लिए कहा है।

महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी

नोएडा। साइबर और महिला सुरक्षा टीम ने सोमवार को गांवों, सोसाइटियों, लेबर कॉलोनियों और बाजारों में महिलाओं और लड़कियों को एकत्र कर उनसे बातचीत की। इस दौरान सभी को साइबर सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण अभियान की जानकारी दी गई। टीम ने महिला हेल्पलाइन नंबर-1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर-1076, साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930, आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098 और वन स्टॉप सेंटर नंबर-181 के बारे में बताया। इसके अलावा महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के संबंध में जानकारी दी। शासन के कार्यक्रमों के बारे में जागरूक किया गया।

तीर्थ नगरी में आरती स्थल के पास जमीन धंसी, मची भगदड़, लोगों के जाने पर लगी रोक

पायनियर समाचार सेवा ।

● करोड़ों रुपये से विकास कार्य कराकर मिनी हरिद्वार बनाने का भरसक प्रयास किया जा रहा है

ब्रजघाट। पिछले तीन दिनों में रुक रुककर हुई वर्षा ने तीर्थ नगरी में विकास कार्यों की पोल उजागर कर दी है। जलभराव, गंगा पुल के पास साइड स्लैब क्षतिग्रस्त होने के बाद सोमवार को तीर्थनगरी ब्रजघाट में आरती स्थल के पास जमीन का काफी बड़ा हिस्सा धंस गया है। इससे यहां भगदड़ मच गई।

तीर्थ नगरी ब्रजघाट में प्रतिदिन हजारों तो वहीं पूर्णिमा, अमावस्या एवं अन्य त्योहार पर लाखों लोग गंगा स्नान के लिए आते है। इसके लिए यहां करोड़ों रुपये से विकास कार्य कराकर मिनी हरिद्वार बनाने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। लेकिन कार्यों में बेहतर गुणवत्ता एवं देखरेख का अभाव यहां के विकास कार्यों पर ग्रहण लगा रहा है। वर्षा से तीर्थ नगरी के अनेक रास्तों पर जलभराव हो गया, जिसमें कई दुकानों एवं मकानों में पानी घुस गया था। इससे लोगों को काफी नुकसान हुआ था। इसी दिन शाम के समय गंगा पुल से पूर्व की साइड दीवार की स्लैब खिसक कर क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे दीवार एवं सड़क को खतरा उत्पन्न हो गया था। पालिका की दुकानों में जलभराव हो गया तो सोमवार को गंगा तट के किनारे बने आरती प्लेटफार्म के पास जमीन धंस गई, जिससे वहां लगा पत्थर टूट गया था कई फिट गहरा तथा चौड़ा गड्ढा बन गया। इस दौरान वहां से गुजर रहे लोगों में अचानक भगदड़ मच गई तथा अन्य लोगों को भी उस तरफ जाने से रोक दिया गया। भगवान का शुक्र रहा कि वर्षा के कारण श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम थी। वरना यहीं घटना आरती के समय अथवा किसी पर्व पर होती तो यहां भगदड़ से नुकसान हो सकता था।

नोएडा स्टेडियम की डायनेमिक एफसी ने जीता अंडर-14 डीडीए यूथ फुटबॉल टूर्नामेंट

पायनियर समाचार सेवा ।

नोएडा। सेक्टर 21ए नोएडा स्टेडियम की डायनेमिक एफसी ने दिल्ली के वसंधरा स्थित डीडीए चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित अंडर-14 डीडीए यूथ फुटबॉल टूनामेंट में शानदार जीत हासिल की।

सोमवार को बारिश के बावजूद डायनेमिक एफसी ने फाइनल मुकाबले में इंडिया लीजेंड एफसी को एकतरफा अंदाज में 4-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। नोएडा स्टेडियम के युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और समर्पण का शानदार प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों और आयोजकों को प्रभावित किया। डायनेमिक एफसी की ओर से गौरव चौधरी, नैतिक सिंह रावत, देव बिष्ट और रुद्र चौहान ने गोल दागे, जिससे टीम ने मुकाबले में पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा। खिलाड़ियों की चुस्ती, रणनीति और आपसी तालमेल ने विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। टूनामेंट में व्यक्तिगत पुरस्कारों में भी डायनेमिक एफसी के खिलाड़ियों ने बाजी मारी। डेविड थांगलियासियन नगैहटे को टूनामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, जबकि नैतिक सिंह रावत को सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर और रुद्र चौहान को सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। टीम के कोच अनादि बरुआ ने खिलाड़ियों की मेहनत और जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा हमारी टीम ने कठिन परिस्थितियों में भी शानदार प्रदर्शन किया। यह जीत खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम और अनुशासन का नतीजा है। कोच ने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस जीत ने नोएडा स्टेडियम की फुटबॉल अकादमी की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। स्थानीय निवासियों ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई और युवा खिलाड़ियों को बधाई दी।

एक लाख का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर

नोएडा। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट और बागपत पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बागपत के थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक बदमाश की पहचान संदीप (35) निवासी भैणी महाराजगंज थाना महम जिला रोहतक हरियाणा के रूप में हुई है। आरोपी इस वर्ष कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र में ट्रक से चार करोड़ रुपए का सामान निकल प्लेट (स्टील की धातु) लूट के मामले वांछित चल रहा था। इस सनसनीखेज वारदात के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

यमुना सिटी में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बनाने का मौका

पायनियर समाचार सेवा

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बनाने का मौका मिलेगा। इसके लिए संस्थागत श्रेणी में छोटे और बड़े 15 भूखंडों की योजना निकाली गई है। योजना के अनुसार 31 जुलाई शाम पांच बजे तक आवेदन का मौका मिलेगा। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सोमवार को संस्थागत भूखंडों की योजना शुरू की गई। शहर में 12वीं तक के स्कूल बनाने के लिए 10 भूखंडों की योजना निकाली गई है। ये भूखंड सेक्टर 17, 18, 20 और 22ई में होंगे। इनमें चार भूखंड 8000 वर्गमीटर, एक भूखंड 8400 वर्गमीटर, एक 9400 वर्गमीटर, तीन 10115 वर्गमीटर और एक 14100 वर्गमीटर का है। इसके अलावा प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, डिग्री कॉलेज, पीजी कॉलेज, मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, इंजीनियरिंग कॉलेज, स्पोर्ट कॉलेज और इंटग्रेटेड रेजिडेंशियल कॉलेज के लिए भी योजना शुरू की है। इस श्रेणी में कुल पांच भूखंड की योजना आई है। सभी भूखंड सेक्टर-17ए, 13, 22ई में हैं। योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया सोमवार एक जुलाई से शुरू हो गई, जो 31 जुलाई तक चलेगी। योजना में क्वालिफाई करने वाले आवंटियों की सूची का प्रकाशन 28 अगस्त को होगा, जबकि योजना के तहत चार सिंतबर को आवंटन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। --- एयरपोर्ट के नजदीक होंगे सभी भूखंड योजना के अनुसार सभी भूखंड नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, फिल्म सिटी, बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, मेडिकल डिवाइस पार्क, ईएमसी समेत अन्य परियोजनाओं के बेहद नजदीक हैं। सेक्टरों की दूरी इन विश्वस्तरीय परियोजनाओं से महज पांच से 10 किलोमीटर के दायरे में है। ऐसे में इन भूखंडों की आवंटन दर भी अलग-अलग निर्धारित की गई है। साथ ही, भूखंड के क्षेत्रफल के आधार पर आरक्षित राशि भी तय की गई है।

चौथी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

नोएडा। नोएडा में सोमवार को एक निमार्णाधीन मकान की चौथी मंजिल से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के छलेरा गांव में उस समय हुई, जब राकेश नाम का मजदूर एक निमार्णाधीन मकान की चौथी मंजिल पर टाइल लगाने का काम कर रहा था और तभी पैर फिसलने के कारण वह नीचे गिर गया। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि राकेश को गंभीर हालत में नोएडा स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि राकेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

जिले में यूपी बोर्ड के 562 विद्यार्थियों की कंपार्टमेंट परीक्षाएं 19 से

पायनियर समाचार सेवा ।

गाजियाबाद। जिले में यूपी बोर्ड की कंपार्टमेंट और इंप्रूवमेंट परीक्षाओं की तैयारी शुरू हो गई है। 19 जुलाई को जिले में इंटरमीडिएट और हाईस्कूल के कुल 562 छात्र-छात्राएं कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा की तरह इन परीक्षाओं में भी कड़ी सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था रहेगी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट परीक्षा 19 जुलाई को होगी। परीक्षा केवल एक ही दिन होगी। कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए हाईस्कूल के 82 और इंटरमीडिएट के 480 छात्र-छात्राओं समेत कुल 562 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में होगा। सुबह 8.30 बजे से 11.45 बजे के बीच हाईस्कूल की परीक्षा होगी। वहीं, दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.15 बजे के बीच इंटरमीडिएट की परीक्षा होगी। परीक्षा के लिए विजय नगर के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज विजय नगर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि केंद्र पर कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बंदोबस्त रहेंगे। सीसीटीवी कैमरे से लेकर वॉयस रिकॉर्डर तक सभी इंतजाम किए जाएंगे। प्रश्न पत्र डबल लॉक अलमारी में रहेंगे जिसकी 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। आंतरिक मूल्यांकन और प्रायोगिक परीक्षा 11 जुलाई से हाईस्कूल सुधार व पूरक परीक्षा के लिए प्रोजेक्ट आधारित प्रायोगिक परीक्षा, आंतरिक मूल्यांकन और इंटरमीडिएट पूरक प्रायोगिक परीक्षा 11 और 12 जुलाई को होगी।

समय पर इलाज नहीं मिलने का लगाया आरोप

बेटे को जन्म देने के बाद महिला की मौत पर हंगामा

पायनियर समाचार सेवा ।

ग्रेटर नोएडा सेक्टर-115 स्थित सोहरखा गांव निवासी एक महिला की प्रसव के बाद संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि महिला की तबीयत बिगड़ने के बावजूद समय पर इलाज नहीं मिला। मौत होने के बाद भी उसे निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस ने हालात को नियंत्रित करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। जांच के लिए डीएम को पत्र लिखा है। परिजन ज्ञानेंद्र ने बताया कि भाई रोहित दिल्ली स्थित एसडीएमसी में हार्टिकल्चर विभाग में नौकरी करते हैं। रोहित ने 28 जून की सुबह करीब 7:20 बजे अपनी पत्नी सपना कुमारी (28) को प्रसव पीड़ा होने पर निजी वाहन से सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद बताया कि डिलिवरी में अभी 15 दिन का समय बाकी है। इसी दौरान एक आशा कार्यकर्ता कुसुम ने उन्हें डिलीवरी जल्दी कराने का भरोसा दिलाया और महिला को ग्रेटर नोएडा के कुलेसरा स्थित नवजीवन अस्पताल ले गई।

अस्पताल ने समय रहते सही उपचार नहीं दिया

ज्ञानेंद्र के अनुसार, उसी रात करीब 11:40 बजे सपना ने एक बेटे को जन्म दिया। यह महिला की दूसरी संतान थी। उसकी पहली बेटी तीन साल की है। डिलीवरी के एक दिन बाद सपना की हालत बिगड़ने लगी, लेकिन अस्पताल ने समय रहते सही उपचार नहीं दिया। 29 जून की रविवार की रात लगभग 10:30 बजे महिला की हालत गंभीर हो गई। आनन-फानन में नवजीवन अस्पताल की ओर से सपना को सेक्टर-71 स्थित एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

मृत अवस्था में ही रेफर किया

परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस में रास्ते में उसे कई इंजेक्शन दिए गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल ने अपनी लापरवाही छिपाने के लिए सपना को मृत अवस्था में ही रेफर किया, जिससे यह दिखाया जा सके कि मौत दूसरे अस्पताल व रास्ते में हुई है। जैसे ही परिजनों को इस बात का शक हुआ, वह नवजीवन अस्पताल पहुंचे और वहां हंगामा किया।

कांवड़ मार्ग पर हर एक किमी में तैनात होगी विद्युत निगम की टीम

पायनियर समाचार सेवा।

● कांवड़ मार्ग पर बिजली के खंभे, खुले में रखे ट्रांसफार्मर रखने के साथ ही तार लटके हुए हैं

साहिबाबाद। गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। सड़क किनारे खड़े पोल पर पॉलीथिन लपेटने व तारों को ऊंचा करने का कार्य तो किया ही जाएगा। कांवड़ मार्ग पर कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए विद्युत निगम हर एक किलोमीटर पर टीम तैनात करेगा। एक किलोमीटर के दायरे में जो भी शिकायत होगी टीम उसका समाधान करेगी। साथ ही फाल्ट होने पर भी तुरंत ठीक किए जाएंगे। कांवड़ मार्ग पर बिजली के खंभे, खुले में रखे ट्रांसफार्मर रखने के साथ ही तार लटके हुए हैं। विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि पोल को पालीथिन से ढकने व ट्रांसफार्मर की कवरिंग का कार्य एक दो दिन में शुरू कर दिया जाएगा, जिसे जुलाई के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद भी वर्षा के कारण करंट उतरने का खतरा रहा है।

page 03:page 03.qxd 6/30/2025 8:41 PM Page 1

सिंचाई विभाग में करोड़ों का घोटाला इंजीनियर और ठेकेदार गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण (आईएंडएफसी) विभाग में 4.6 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के आरोप में एक निलंबित कार्यकारी अभियंता और एक निजी ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दोनों आरोपियों ने धोखाधड़ी करते हुए कथित तौर पर ऐसे निर्माण कार्यों के लिए 4.6 करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान करवाये जो कभी हुए ही नहीं। ये अनियमितताएं उत्तरी दिल्ली के सिरसपुर गांव में जल निकासी और सड़क परियोजनाओं से संबंधित हैं। इन जल निकासी एवं सड़क परियोजनाओं का काम केवल कागजों पर हुआ।

अधिकारी ने कहा, गिरफ्तार किये गये लोगों में आईएंडएफसी विभाग के एक निलंबित कार्यकारी अभियंता और एक निजी ठेकेदार शामिल हैं। उनकी गिरफ्तारी फर्जी परियोजनाओं और प्रक्रियागत

❖ 4.6 करोड़ की धोखाधड़ी में निलंबित चल रहे थे दोनों आरोपी

उल्लंघनों से सरकारी धनराशि के गबन की विस्तृत जांच के बाद की गयी। यह मामला एक आंतरिक जांच के दौरान सामने आया। जांच के दौरान पता चला कि कार्यों के मौके पर सत्यापन किये बिना कुछ ठेकेदारों को भुगतान कर दिया गया। निष्कर्षों के बाद कदम उठाते हुए एसीबी ने व्यापक जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सिरसपुर गांव में सीमेंट कंक्रीट वाली नालियों और सड़कों के निर्माण के लिए 4.6 करोड़ रुपये से अधिक की सार्वजनिक धनराशि जारी की गई थी। हालांकि, जमीनी निरीक्षण और तकनीकी सत्यापन में प्रस्तावित निर्माण कार्यों का कोई नामो-निशान नहीं मिला। जांच में पता चला कि ठेकेदार द्वारा 2.24 करोड़ रुपये की फर्जी प्रदर्शन बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई थी और विभाग द्वारा बिना उचित जांच के उसे स्वीकार कर लिया गया था। एसीबी अधिकारी ने कहा, फर्जी प्रदर्शन गारंटी स्वीकार करना खरीद मानदंडों का गंभीर उल्लंघन है। यह संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत और घोर लापरवाही का स्पष्ट संकेत है। जांच में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की कार्य नियमावली, सामान्य वित्तीय नियम-2005 और केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का भी कई बार उल्लंघन पाया गया। दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया और उन पर भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

आज से हड़ताल पर शाहदरा बार एसोसिएशन

नई दिल्ली। एनआई एक्ट से जुड़ी डिजिटल अदालतों को राउज एवेन्यू कोर्ट परिसर में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में शाहदरा बार एसोसिएशन ने विरोध जताते हुए हड़ताल की घोषणा की है। एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि एक जुलाई से कड़कड़डूमा अदालत में अधिवक्ता पूरी तरह से काम से दूरी बनाए रखेंगे। बार एसोसिएशन ने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे न तो किसी अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश हों और न ही वर्चुअल माध्यम से कार्य करें। साथ ही, चेतावनी दी गई है कि यदि कोई वकील कोर्ट में उपस्थित पाया गया तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले 28 जून को एसोसिएशन की कार्यकारिणी की एक आपात बैठक आयोजित हुई थी। इसमें डिजिटल कोर्ट और एनआई एक्ट से संबंधित मामलों के स्थानांतरण के फैसले पर विस्तार से चर्चा की गई। बदलाव से न केवल अधिवक्ताओं को बल्कि मुवक्किलों को भी असुविधा हुई।

दोषी की समय पूर्व रिहाई पर अदालत आज सुनाएगी फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय 1996 में विधि छात्रा प्रियदर्शिनी मट्टू से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे संतोष कुमार सिंह द्वारा दायर समय पूर्व रिहाई की याचिका पर मंगलवार को फैसला करेगा।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने 14 मई को सिंह की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सिंह ने अपनी 2023 याचिका में दिल्ली के कारागारों के सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) द्वारा 21 अक्टूबर, 2021 को हुई बैठक में की गई उस सिफारिश को रद्द करने का अनुरोध किया है जिसमें उसे समय पूर्व रिहा नहीं करने की बात की गई है। सिंह का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने दलील दी थी कि उनके मुवक्किल को आजीवन कारावास

प्रियदर्शनी मट्टू हत्याकांड

की सजा सुनाई गई थी और वह पहले ही छूट सहित 25 साल की कैद काट चुका है।

माथुर ने कहा कि उनके मुवक्किल का आचरण संतोषजनक है, जो सुधार का संकेत देता है तथा यह भी कि भविष्य में अपराध करने की उसकी सारी आशंका समाप्त हो गई है। अधिवक्ता ने दलील दी कि उनका मुवक्किल समाज का एक उपयोगी सदस्य होगा और पिछले कई वर्षों से वह खुली जेल में भी रहा है। सुनवाई के दौरान अदालत के संज्ञान में आया कि 18 सितंबर, 2024 को एक और एसआरबी बैठक में उसकी समय पूर्व रिहाई की अर्जी को फिर से खारिज कर दिया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की विधि की छात्रा 25 वर्षीय मट्टू की जनवरी 1996 में दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सिंह को तीन दिसंबर 1999 को सुनवाई अदालत ने बरी कर दिया था, लेकिन 27 अक्टूबर 2006 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने सुनवाई अदालत के फैसले को खारिज करते हुए उसे बलात्कार और हत्या का दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई।

भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी के बेटे सिंह ने इस सजा को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय ने अक्टूबर 2010 में सिंह की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, लेकिन उसकी मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया।

चीनी मांझे की बिक्री और भंडारण के खिलाफ पुलिस का अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस प्रतिबंधित चीनी मांझे की राष्ट्रीय राजधानी में बिक्री और भंडारण के खिलाफ सख्त अभियान शुरू करेगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कांच, धातु आदि से लेपित चीनी मांझा अत्यंत खतरनाक होता है।

दिल्ली में चीनी मांझे पर वर्ष 2017 से प्रतिबंध लागू है। उत्तर दिल्ली के बाड़ा हिंदू राव अस्पताल के पास बीते 27 जून को करावल नगर निवासी 22 वर्षीय यश गोस्वामी की चीनी मांझे से गला कटने के कारण मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, यश उस समय घर लौट रहा था जब रास्ते में उसका गला चीनी मांझे से कट गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

बताया कि इस संबंध में राजधानी के सभी जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि चीनी मांझा बेचने और रखने वालों के खिलाफ छापेमारी की जा सके। अधिकारी ने बताया कि विशेष टीमें राजधानी के विभिन्न बाजारों का दौरा करेंगी, जहां चीनी मांझा मिलने पर जब्ती और गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इस अभियान के दौरान चीनी मांझे के 20,000 से अधिक रोल जब्त किए गए थे। दिल्ली में चीनी मांझे से संबंधित घटनाओं में पहले भी कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और यहां तक कि उनकी मृत्यु भी हो गई। जुलाई 2023 में दिल्ली के पश्चिमी विहार इलाके में चीनी मांझे के कारण सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई थी। पिछले साल अगस्त में दिल्ली पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) और एक व्यापारी भी चीनी मांझे की चपेट में आकर घायल हो गए थे।

गैंगेस्टर नीरज बवाना को एक दिन की कस्टडी बेल

नई दिल्ली। चर्चित गैंग्सटर नीरज बवाना को दिल्ली हाई कोर्ट से एक दिन की कस्टडी बेल मिली है। नीरज बवाना ने अपनी बीमार पत्नी की देखभाल के लिए अदालत से अंतरिम जमानत की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि नीरज बवाना को सुरक्षा के साथ एक जुलाई को कस्टडी बेल पर छोड़ा जाएगा, ताकि वह अपनी पत्नी की देखभाल कर सके। कोर्ट ने यह भी साफ निर्देश दिए हैं कि कस्टडी बेल के दौरान नीरज बवाना सिर्फ अपनी पत्नी और डॉक्टर से ही मिल सकेगा, किसी अन्य व्यक्ति से मिलने की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस की निगरानी में ही उसे घर ले जाया जाएगा और वापस जेल लाया जाएगा। इससे पहले जनवरी 2025 में हाई कोर्ट ने नीरज बवाना की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

'आप' ने मंत्री सिरसा के खिलाफ खोला मोर्चा

❖ कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सिरसा को बर्खास्त करने की उठाई मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों और कार्यकताओं ने सोमवार को पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की।

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि सिरसा की टिप्पणी उत्तर प्रदेश (उप्र) और बिहार के झुग्गीवासियों के खिलाफ थी। हालांकि, मंत्री सिरसा या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह विरोध उस बयान के बाद हुआ जिसमें

सिरसा द्वारा पूर्वांचल समाज के लोगों को बांग्लादेशी रोहिंग्या बताने वाले बयान के बाद आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। फोटो : पायनियर

सिरसा ने कहा था, मैं अरविंद केजरीवाल, आतिशी और आम आदमी पार्टी से कहना चाहता हूं कि आप रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के लिए जितना चाहे प्रदर्शन कर लें, लेकिन हम उन्हें इस देश में नहीं रहने देंगे। हम ऐसी राजनीति में शामिल नहीं होंगे जो दिल्लीवासियों की जान को खतरे में डालती हो। उन्होंने यह भी कहा, ₹वे (रोहिंग्या और बांग्लादेशी) हर जगह अपराध करते हैं और उनकी बस्तियां तोड़ी जाएंगी।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आप विधायक संजय झा ने कहा, ₹भाजपा पिछले कई दिनों से झुग्गियों को तोड़ रही है और अब मंत्री सिरसा ने वहां रहने वालों को रोहिंग्या कहकर सीमा पार कर दी है। इनमें से ज्यादातर लोग उप्र और बिहार से हैं। पूर्वांचल के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। हम मांग करते हैं कि सिरसा माफी मांगें या मुख्यमंत्री उन्हें बर्खास्त करें।

प्रदर्शन में शामिल आप नेता विनय मिश्रा ने कहा, ₹चुनाव से पहले यही व्यक्ति झुग्गियों में रहकर प्रचार करते थे और अब आप उन्हीं लोगों का अपमान कर रहे हैं। भाजपा की पूर्वांचलियों के प्रति नफरत कोई नई बात नहीं है। उनके इस बयान का असर दिल्ली ही नहीं, बिहार के चुनावों में भी देखने को मिलेगा।₹ आप ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर विरोध प्रदर्शन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, ₹भाजपा पूर्वांचल के भाइयों-बहनों को बांग्लादेशी रोहिंग्या कहती आई है। अब मंत्री सिरसा ने फिर से पूर्वांचलियों के खिलाफ नफरत फैलाने वाला बयान दिया है। आज 'आप' के नेताओं, कार्यकताओं और पूर्वांचल समाज ने उनके आवास का घेराव किया।

दिल्ली हाट अग्निकांड : शिल्पकारों को पांच-पांच लाख की सहायता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि 30 अप्रैल को दिल्ली हाट में लगी आग में जलकर खाक हुई 24 दुकानों के मालिकों को दिल्ली सरकार पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। मिश्रा ने कहा कि इसके अलावा सभी प्रभावित शिल्पकारों को आईएनए स्थित दिल्ली हाट में छह महीने के लिए एक जुलाई से 31 दिसंबर तक निःशुल्क स्टॉल आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लॉटरी प्रणाली के जरिए आवंटन किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले ही प्रत्येक प्रभावित कारीगर के लिए पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि की

❖ शिल्पकारों को छह महीने के लिए निःशुल्क स्टॉल भी किए जाएंगे आवंटित

घोषणा कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सहायता के लिए स्वीकृति दे दी गई है और कुल 1.20 करोड़ रुपये की राहत राशि जल्द ही वितरित की जाएगी। मिश्रा ने कहा, हमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा करने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गैर-अनुमोदित ऑनलाइन, डिस्टेंस और एग्जीक्यूटिव एलएलएम प्रोग्राम को बंद करें यूनिवर्सिटीः बीसीआई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने कहा है कि एलएलएम या समकक्ष कानूनी पाठ्यक्रम को उसकी मंजूरी के बिना ऑनलाइन या हाइब्रिड (ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों) माध्यम से प्रदान करना अनधिकृत एवं गैर-मान्यता प्राप्त है। बीसीआई ने दूरस्थ या हाइब्रिड माध्यम से ऑनलाइन पेश किए जाने वाले गैर-मान्यता प्राप्त मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) पाठ्यक्रम के खिलाफ एक परामर्श जारी किया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और कानूनी शिक्षा पर बीसीआई की स्थायी समिति के सह-अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राजेंद्र मेनन की ओर से तैयार किया गया यह परामर्श पत्र आवश्यक कार्रवाई के लिए 25 जून को सभी उच्च न्यायालयों को भेजा गया था। पत्र में कहा गया है, यह दोहराया जाता है कि ऑनलाइन, दूरस्थ, मिश्रित या हाइब्रिड माध्यम से या एलएलएम

(व्यावसायिक) और एमएससी (कानून) जैसे भ्रामक नामकरण के तहत बीसीआई की पूर्व मंजूरी के बिना पेश किया गया कोई भी एलएलएम या समकक्ष कानूनी पाठ्यक्रम अनधिकृत है और इसे किसी भी उद्देश्य के लिए मान्यता नहीं दी जाएगी। पत्र में कहा गया है, इन उद्देश्यों में रोजगार, अकादमिक नियुक्तियां, शोध पंजीकरण या न्यायिक सेवा और विभागीय पदोन्नति पात्रता शामिल है। ऐसी शैक्षणिक योग्यता शुरू से ही शून्य एवं अमान्य मानी जाएगी और उम्मीदवारों द्वारा इसका हवाला दिया जाना गलत बयानी समझा जाएगा। पत्र में उच्च न्यायालयों से आग्रह किया गया है कि वे इस नियामक स्थिति का न्यायिक संज्ञान लें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नियुक्ति, पदोन्नति या शैक्षणिक निर्णय ऐसी शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर न किए जाएं, जिन्हें बीसीआई की मंजूरी नहीं मिली है। इसमें कहा गया है, उच्च न्यायालय यह निर्देश जारी कर सकते हैं कि एलएलएम या संबंधित योग्यता के आधार पर नियुक्ति या पदोन्नति चाहने वाले किसी भी उम्मीदवार को बीसीआई की यह पुष्टि पेश करनी होगी कि पाठ्यक्रम कानूनी शिक्षा नियम, 2008 और 2020 के अनुपालन में संचालित किया गया था। प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और निजी केंद्रों सहित कई संस्थानों ने बीसीआई से अनिवार्य अनुमोदन हासिल किए बिना गैर-पारंपरिक प्रारूपों के माध्यम से स्नातकोत्तर कानूनी शिक्षा पाठ्यक्रम पेश किए और इनमें केवल-ऑनलाइन, मिश्रित शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा मॉडल शामिल हैं। इसमें कहा गया है, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने कई संस्थानों को पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है और वह कई संस्थानों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में है।

लापता जेनयू छात्र नजीब अहमद का केस बंद

❖ अदालत ने मामले को बंद करने की सीबीआई को दी अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने सीबीआई को जेएनयू के प्रथम वर्ष के छात्र नजीब अहमद की गुमशुदगी मामले को बंद करने की सोमवार को अनुमति दे दी। वह 15 अक्टूबर 2016 को लापता हो गया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने एजेंसी की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, तथा इस प्रकरण में कोई साक्ष्य सामने आने पर मामले को पुनः खोलने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। सीबीआई ने अक्टूबर 2018 में मामले की जांच बंद कर दी थी, क्योंकि जेएनयू में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्र अहमद का पता

लगाने में एजेंसी को कोई कामयाबी नहीं मिली। दिल्ली उच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद एजेंसी ने मामले में अदालत के समक्ष अपनी क्लोजर रिपोर्ट दायर की। अहमद कथित तौर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े कुछ छात्रों के साथ हुई झड़प के एक दिन बाद 15 अक्टूबर 2016 को जेएनयू के माही-मांडवी छात्रावास से लापता हो गया था। अहमद की मां फातिमा नफीस के वकील ने पहले कहा था कि यह एक राजनीतिक मामला है, जिसमें सीबीआई अपने आकाओं के दबाव के आगे झुक गई है। इस मामले की जांच शुरू में दिल्ली पुलिस ने की थी, लेकिन बाद में इसे सीबीआई को सौंप दिया गया था।

'चेन स्नैचर कपल' गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चोरी की स्कूरी पर झपटमारी करने वाले एक दंपती को रानीबाग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों ने एक महिला से सोने की चेन झपट ली थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच कर आरोपित दंपती को पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद कर ली है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दंपती लूटपाट करने से पहले एक वाहन चोरी करते थे और बाद में इसी का इस्तेमाल कर वारदात अंजाम देते थे। बदमाश ने बताया कि चोरी की स्कूटी से वारदात करने का मकसद पुलिस से बचना था।

जांच में पता चला कि राहुल पर पहले से दस आपराधिक मामले दर्ज हैं, वहीं उसकी पत्नी पर पांच मामले दर्ज हैं। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 25 जून रानीबाग थाना पुलिस को ऋषि नगर में झपटमारी की शिकायत मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को एक महिला मिली। जिसने बताया कि वह रानीबाग की ऋषि नगर की रहने वाली है। वह

❖ चोरी के वाहन का इस्तेमाल झपटमारी एवं डकैती के लिए करते थे, फिर पुलिस से बचने के लिए छोड़ देते थे लावारिस

उत्तम नगर के हस्तसाल में छिपकर रह रहा था दंपती

नांगलोई में मौजूद मुखबिरों से पता चला कि बदमाश का नाम राहुल उर्फ मोटा है, जो अपनी पत्नी के साथ वारदात को अंजाम देता है। जो सुल्तानपुरी के रहने वाले हैं। पुलिस को पता चला कि दंपती उत्तम नगर के हस्तसाल इलाके में छिपकर रह रहे हैं। पुलिस ने तकनीकी जांच के जरिये रविवार को दंपती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल स्कूटी के अलावा दो तोले की सोने की चेन बरामद कर ली।

अपने घर से पास के एरोबिक सेंटर जा रही थी।

एकता बुटीक के पास एक टीवीएस जुपिटर स्कूटी आई। वाहन को एक युवक चला रहा था, जबकि पीछे गुलाबी रंग का सूट पहने एक महिला बैठी थी। पीछे बैठी महिला उसके पास आई और एक झटके से सोने की चेन छीन ली और स्कूटी पर सवार होकर भाग गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी प्रभांशु कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल के आस पास सहित बदमाशों के भागने की दिशा में लगे तीन सौ सीसीटीवी कैमरे की जांच की। कैमरे की जांच करते हुए पुलिस टीम नांगलोई पहुंची। इस बीच फुटेज में कैद स्कूटी नंबर की जांच करने पर पता चला कि स्कूटी निहाल विहार इलाके से चुराई गई थी।

बाइक चोरी करने वाले पांच नाबालिग चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले की मालवीय नगर थाना पुलिस ने पांच नाबालिग वाहन चोरों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की चार बाइक बरामद की है। पकड़े गए एक किशोर ने बताया कि वह अपने पास बाइक की मास्टर की रखता था और कहीं भी सुनसान जगह पर मोटरसाइकिल खड़ी मिलती थी तो उसे चुरा लेता था।

पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 26 जून को एक व्यक्ति ने मालवीय नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई कि वह खिड़की एक्सटेंशन में अपने रिश्तेदारों से मिलने आया था। उसने अपनी बाइक ब्लू डार्ट के पास खड़ी की थी। जब वह वापस आया तो उसकी बाइक वहां नहीं थी। पुलिस ने वाहन चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और तकनीक की मदद से दो संदिग्धों की पहचान की और उन्हें पकड़ लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने तीन और नाबालिगों को भी पकड़ा। पुलिस ने इनसे चोरी की चार बाइकें बरामद की।

साक्षात्कार : पाठ्यक्रम में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर बोलीं अंबेडकर विवि की कुलपति

'इंडिया' एक विदेशी शब्द : अनु सिंह लाठर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली (एयूडी) की कुलपति अनु सिंह लाठर ने कहा कि संस्थान जानबूझकर इंडियन नॉलेज सिस्टम शब्द की जगह भारतीय ज्ञान प्रणाली (बीकेएस) शब्द का इस्तेमाल कर रहा है, क्योंकि इंडिया एक विदेशी शब्द है। साक्षात्कार में लाठर ने एयूडी की सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक स्वायत्तता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की शब्दावली का चयन एक गहन दार्शनिक और ऐतिहासिक चेतना को प्रतिबिंबित करता है। लाठर ने कहा, इंडिया शब्द हम सभी के लिए विदेशी है। उन्होंने कहा कि एयूडी ने हाल ही में 54 अनिवार्य बीकेएस पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी है, जिन्हें इतिहास, कानून, विरासत प्रबंधन और राजनीतिक दर्शन सहित विभिन्न विभागों के विषयों में एकीकृत किया जाएगा। लाठर के मुताबिक, ये केवल मूल्य-संवर्द्धन वाले ऐच्छिक विषय

साक्षात्कार में लाठर ने एयूडी की सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक स्वायत्तता पर दिया जोर

गहन दार्शनिक और ऐतिहासिक चेतना को प्रतिबिंबित करता है विवि की शब्दावली का चयन

नहीं हैं, बल्कि अनिवार्य घटक हैं, जिनका मकसद औपचारिक उच्च शिक्षा में स्वदेशी ज्ञान ढांचे को शामिल करना है।

उन्होंने कहा, हमें इन पाठ्यक्रमों को अंतिम रूप देने में लगभग दो साल लगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम के संदर्भ में मूल स्रोत-उपनिषद, महाभारत या अर्थशास्त्र के अध्याय, श्लोक और पंक्ति तक शामिल हैं। हमने जमीनी स्तर पर गहन अकादमिक कार्य किया है। लाठर के अनुसार, यह पहल शायद किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय में सबसे उपयुक्त बीकेएस मॉडल है। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम में भारतीय आधारभूत राजनीतिक दर्शन, योग एवं आत्मा, भारतीय सौंदर्यशास्त्र, ज्ञान के रूप में भक्ति, पारंपरिक कानून प्रणालियां और प्राचीन भारतीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी जैसे विषय शामिल हैं। लाठर ने कहा कि ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की मदद से तैयार किए गए हैं और विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद से अनुमोदन मिलने से पहले इनकी गहन अकादमिक जांच की गई थी। लाठर ने कहा, हम अन्य संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं। बाबासाहेब आंबेडकर के आदर्शों में निहित हमारा दृष्टिकोण हमारी विशिष्ट शैक्षणिक पहचान का मार्गदर्शन करता है, जिसमें हमारा यह रुख भी शामिल है कि किस ज्ञान को केंद्र में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह साहसिक कदम स्वदेशी बौद्धिक परंपराओं को पुनः प्राप्त करने और औपनिवेशिक युग के बाद के शैक्षणिक विमर्श को नया स्वरूप देने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली विकास प्राधिकरण आवास योजना के कई फ्लैट नागरिकों ने खरीदे

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की अपना घर आवास योजना की बुकिंग प्रक्रिया जारी है। बीते एक महीने के दौरान विभिन्न श्रेणी के कुल 7500 फ्लैट में से लगभग एक हजार फ्लैट को लोगों ने बुक कराया। अधिकारियों के अनुसार, अब तक लगभग 900 लोगों ने विभिन्न श्रेणी के फ्लैटों को खरीद लिया है। इसमें नरेला में ईडब्ल्यूएस और एलआईजी के साथ एमआईजी फ्लैट भी शामिल हैं। इसके अलावा लोकनायकपुरम में एलआईजी और एमआईजी फ्लैटों में भी लोगों की दिलचस्पी नजर आ रही है। सिरसपुर में भी एलआईजी फ्लैटों को बुक कर खरीदा जा रहा है।

पत्नी की हत्या के दोषी को उम्रकैद

नई दिल्ली। साकेत जिला अदालत ने अपनी पत्नी की हत्या के दोषी एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार की अदालत ने यह फैसला साल 2013 में हुई हत्या के मामले में सुनाया, जिसमें आरोपी सतेंद्र पाल सिंह को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी करार दिया गया था। मृतका की पहचान 35 वर्षीय विमलेश के रूप में हुई थी। उसकी मौत सात जून, 2013 को हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने अपनी पत्नी का गला दुपट्टे से घोंटकर उसकी हत्या की थी। अदालत ने फैसले में आरोपी के इस दावे को खारिज कर दिया कि उसकी पत्नी ने मानसिक बीमारी के कारण आत्महत्या कर ली थी। अदालत ने कहा कि घटनास्थल पर टूटे हुए चूड़ियों के टुकड़े और शरीर पर चोट के निशान यह दशार्ते हैं कि मृतका ने बचने के लिए काफी संघर्ष किया था। मृतका की तस्वीरों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि गले पर पड़ा दुपट्टे का निशान आत्महत्या जैसा नहीं बल्कि हत्या जैसा था।

आठवीं मंजिल से गिरकर मकैनिक की मौत

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष प्लेस स्थित बहुमंजिला टावर की आठवीं मंजिल से गिरकर एसी मकैनिक की मौत हो गई। यह घटना रविवार दोपहर की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपकर लापरवाही से मौत की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। अग्रवाल साइबर प्लाजा की आठवीं मंजिल पर स्थित ऑफिस का एसी ठीक से काम नहीं कर रहा था। इसके बाद जगदीश नाम के शख्स को एसी ठीक कराने का ठेका दिया था। जगदीश ने वजीराबाद निवासी 34 वर्षीय रामसेवक को एसी ठीक करने के लिए बुलाया था। दोपहर में रामसेवक ऑफिस के पिछले हिस्से में काम कर रहा था। इसी दौरान पैर फिसल गया और नीचे गिर गया। वहां मौजूद लोगों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मंगोलपुरी थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी अर्जुन उर्फ गंदा सुल्तानपुरी का रहने वाला है। वह पिछले तीन महीने से फरार चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, 14 मार्च, 2025 को शिकायतकर्ता जगदीश सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ गली में होली खेल रहे थे। इस बीच आरोपी अर्जुन अपने साथियों साहिल और वरुण के साथ उनके घर आया और ईंटों-पत्थरों से हमला कर दिया। पीड़ित के पिता पर भी चाकू से वार किया गया। हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए और तभी से आरोपी अर्जुन उर्फ गंदा गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। इस बीच पुलिस को आरोपी अर्जुन उर्फ गंदा के बारे में यह जानकारी मिली कि वह अपनी मां से मिलने के लिए सुल्लानपुरी के ए ब्लॉक स्थित अपने घर आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे धर दबोचा।

चोरी मोबाइल आरोपी की जेब से बरामद

नई दिल्ली। मध्य जिले के थाना जामा मस्जिद पुलिस ने रविवार को एक जेबकतरे को रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपित की पहचान चावड़ी बाजार निवासी मोनिश उर्फ सलमान के रूप में हुई है, जो पहले भी चोरी, स्नैचिंग और अवैध हथियार रखने जैसे मामलों में शामिल रह चुका है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि घटना रविवार को जामा मस्जिद के पास लगने वाले साप्ताहिक बाजार की है। जहां राजस्थान से आए एक युवक का मोबाइल फोन किसी ने जेब से उड़ा लिया। युवक ने तुरंत पुलिस गश्ती दल को सूचित किया। पुलिस टीम ने इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चलाया और कुछ ही देर में संदेह के आधार पर एक युवक को पकड़ा। जांच में पाया गया कि उसके पास से वही मोबाइल फोन मिला, जिसकी शिकायत पीड़ित ने की थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि आरोपित मोनिश के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में कुल 12 मामले दर्ज हैं। जिनमें थाना चांदनी महल, कश्मीरी गेट, दरियागंज, हौज काजी और कोतवाली शामिल हैं। उस पर चोरी, झपटमारी और हथियार रखने जैसे संगीन आरोप भी हैं। पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से तीन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। आरोपित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

सहायिका ने आभूषण और विदेशी मुद्रा चुराई

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जंगपुरा एक्सटेंशन में 37 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने अपने नियोक्ता के घर से कथित तौर पर आभूषण और विदेशी मुद्रा चुरा ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घरेलू सहायिका मीनाक्षी को जौहरी प्रमोद गुप्ता (65) के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गुप्ता ने कथित तौर पर चोरी का सामान प्राप्त किया था। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) ऐश्वर्या शर्मा ने बताया, ₹पूछताछ के दौरान मीनाक्षी ने बताया कि उसने चोरी की, क्योंकि वह जानती थी कि उसकी नौकरी अस्थायी है और उसे बदला जाने वाला है। उसने स्थिति का फायदा उठाकर लॉकर तोड़ दिया और कीमती सामान चुरा लिया।₹ पुलिस ने उनके पास से सोने के आभूषण, विदेशी मुद्रा नोट और 2.52 लाख रुपये नकद बरामद किए। पुलिस को 21 जून को हजरत निजामुद्दीन थाने में इस घटना की शिकायत मिली।

निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी से अभिभावक परेशान : आप

❖ सौरभ भारद्वाज का आरोप, निजी स्कूल मालिकों की भाजपा सरकार से मिलीभगत, सीएम मिलने को तैयार नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि दिल्ली के निजी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के अभिभावक फीस वृद्धि पर लगाम लगाने की मांग को लेकर धक्के खा रहे हैं, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही। सोमवार को फीस वृद्धि पर रोक लगाने की मांग को लेकर अभिभावक मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलने पहुंचे लेकिन पुलिस ने उन्हें गेट पर ही रोक लिया। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सीएम रेखा गुप्ता से मिलने पहुंचे अभिभावक की एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा की। साथ ही आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने मध्यम वर्ग का क्या हाल कर दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा, दिल्ली के निजी स्कूलों के मालिकों और भाजपा सरकार के बीच मिलीभगत साफ है, तभी निजी स्कूल मनमाने तरीके से फीस बढ़ाए जा रहे हैं और सीएम अभिभावक से मिलने को तैयार नहीं हैं। वहीं नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा, निजी स्कूल शैक्षणिक सत्र के बीच में ही फीस बढ़ा रहे हैं। इससे यह साफ है कि भाजपा की सरकार ने निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने की हरी झंडी दे दी है। वरना ऐसे स्कूलों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। आतिशी ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार ने दावा किया था कि दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी नहीं चलने देंगे। अध्यादेश लेकर आएंगे लेकिन दिल्ली की ट्रिपल इंजन की सरकार ने अध्यादेश को दिल्ली वालों से छुपा कर रखा है।

गुरुग्राम में इंटरनेशनल दिल्ली पब्लिक स्कूल को नगर निगम ने किया सील

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने सोमवार को बसई एन्क्लेव स्थित इंटरनेशनल दिल्ली पब्लिक स्कूल (आईडीपीएस) के भवन को सील कर दिया है।

यह कार्रवाई नगर निगम के सहायक अभियंता आरके मोंगिया के नेतृत्व में कनिष्ठ अभियंता वरुण और हरिओम की टीम द्वारा पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। इससे पहले 18 जून को भी इस स्कूल भवन को सील किया गया था, लेकिन भवन मालिकों ने नियमों की अवहेलना करते हुए सील तोड़ दी थी। इसके बाद नगर निगम ने भवन मालिकों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई और फिर से सीलिंग की प्रक्रिया शुरू की। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस भवन का निर्माण नगर निगम से स्वीकृति के बिना किया गया था। बार-बार नोटिस जारी किए जाने के

बावजूद भवन मालिकों ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके अलावा भवन के निर्माण के लिए जरूरी अनुमतियां भी प्राप्त नहीं की गई थीं, जिससे नगर निगम ने सीलिंग की यह कार्रवाई की है।

निगम ने बार-बार भवन मालिकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने अनदेखा किया। अब टीम ने पुलिस के सहयोग से सीलिंग की कार्रवाई की है, और भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं को लेकर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पार्क में खड़े होकर पेश होने पर अधिवक्ता को फटकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पार्क में खड़े होकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत के समक्ष पेश होने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महिला अधिवक्ता को फटकार लगाई। साथ ही दिल्ली के बार एसोसिएशनों से अनुरोध किया है कि वे अपने सदस्यों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए अदालतों में पेश होने के बारे में जागरूक करें। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने कहा कि महामारी के दौरान वीसी की सुविधा शुरू की गई थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वकील अपने कार्यालय में बैठकर अदालतों में पेश हों, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वकील पार्क में खड़े होकर अदालत में पेश होंगे।

अदालत ने उक्त टिप्पणी तब की जब एक महिला अधिवक्ता पार्क में घूमते हुए अपने मोबाइल फोन के जरिए अदालत में पेश हुई। पूछे जाने पर उसने अदालत को बताया कि वह आगरा कोर्ट पार्क में खड़ी है। पीठ ने कहा कि फरवरी माह में बार एसोसिएशनों से इसी तरह का अनुरोध किया था, लेकिन ऐसा लगता है कि ऐसा नहीं किया गया है।

बार-बार निर्देशों के बावजूद

अधिवक्ता मयार्दा नहीं समझ पा रहे: इस पर पीठ ने कहा कि बार-बार निर्देशों के बावजूद कुछ अधिवक्ता अदालत की मयार्दा को समझन नहीं पा रहे हैं। पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता की उपस्थिति दर्ज करने से इन्कार कर दिया, लेकिन याचिका पर विचार करते हुए कहा कि इस तरह की गलती के कारण वादी को परेशानी नहीं उठानी चाहिए।

अदालत ने दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धारा में दर्ज एक वैवाविक विवाद मामले में आरोपित सूरज दास की जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया। अदालत ने मामले पर पुलिस को स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देते हुए आदेश की एक प्रति दिल्ली भर के बार एसोसिएशनों को भेजने का रजिस्ट्री को निर्देश दिया, ताकि वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालतों में उपस्थित होने के बारे में जागरूक किया जा सके। इस पर पीठ ने कहा कि बार-बार निर्देशों के बावजूद कुछ अधिवक्ता अदालत की मयार्दा को समझन नहीं पा रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर झमाझम बारिश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

❖ आईएमडी ने एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में रविवार रात से शुरू हुई झमाझम बारिश रुक-रुक कर सोमवार को भी जारी रही। दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े 8 बजे से लेकर सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे तक औसतन कुल 14 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और बताया है कि आने वाले छह दिनों तक राजधानी में हल्की वर्षा की संभावना है। दिल्ली के कई इलाकों में वर्षा के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। बीते 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम के पास सबसे अधिक 23.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। लोधी रोड पर 17.3 मिलीमीटर, पालम में 16.2 मिलीमीटर और मयूर विहार में 10 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बारिश के चलते दिल्ली में तापमान में गिरावट आई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए वर्षा और तूफानी हवाओं का पूवार्नुमान जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ इलाकों में अत्यंत भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। बिहार, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और विदर्भ में भी भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिम मध्य प्रदेश में भी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, गंगा के मैदानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला पश्चिम बंगाल, आंतरिक कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, ओडिशा, पश्चिम मध्य प्रदेश और पश्चिम राजस्थान में मध्यम बारिश के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में बिजली गिरने और गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है, जिससे उमस बढ़ सकती है। अगले 24 घंटों में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के आसपास के समुद्री इलाकों में भी मौसम खराब बना रहेगा। सोमालिया, ओमान और यमन तटों पर 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है, जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक जा सकती हैं। वहीं, मध्य बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, उत्तरी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर, गुजरात और कोंकण तटों पर भी तूफानी हवाओं के साथ समुद्री गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

बीते 4 महीने तक झुग्गीवासियों पर चुप्पी साधे रहे केजरीवाल : कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के झुग्गी वालों के साथ खड़े होने के दावे पर करारा हमला बोला है।

यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के सत्ता में रहते हुए 11 साल से अधिक समय तक झुग्गीवासियों की दुर्दशा और बदहाली की गई, जिस पर दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया, तब केजरीवाल चार महीनों तक दिल्ली को बेसहारा छोड़ पंजाब चले गए। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा हजारों झुग्गियों को ध्वस्त करने के बाद अचानक केजरीवाल झुग्गी वालों के प्रति सहानूभूति प्रकट

करके गरीब लोगों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं।

यादव ने कहा कि जब रेखा गुप्ता सरकार ने भाजपा की बी टीम आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर झुग्गी झोपड़ी बस्तियों पर बुलडोजर चलाकर उजाड़ना शुरू किया, तब केजरीवाल ने जानबूझकर चुप्पी साधे रखी। जबकि मीडिया के सामने बड़े-बड़े दावे किए और दिल्ली कांग्रेस द्वारा पूछे गए 10 सवालों का जवाब देने से वह भाग रहे हैं। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि केजरीवाल ने न तो 2015 में राजीव रत्न आवास योजना के तहतनिर्मित किए गए 45000 फ्लैट्स के आवंटन की परवाह की और न ही उनकी सरकार ने गरीबों के लिए एक भी फ्लैट का निर्माण किया।

यादव ने कहा कि जब रेखा गुप्ता सरकार ने भाजपा की बी टीम आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर झुग्गी झोपड़ी बस्तियों पर बुलडोजर चलाकर उजाड़ना शुरू किया, तब केजरीवाल ने जानबूझकर चुप्पी साधे रखी। जबकि मीडिया के सामने बड़े-बड़े दावे किए और दिल्ली कांग्रेस द्वारा पूछे गए 10 सवालों का जवाब देने से वह भाग रहे हैं।

पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि

भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के दिवंगत नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा के कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। उनके पुत्र और मंत्री प्रवेश वर्मा ने हवन में आहुति देकर अपने पिता को याद किया। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली में जो नींव अपने कार्यकाल के दौरान रखी थी, उस पर आज हमारी सरकार टिकी हुई है। उन्होंने कहा, आज डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि है। आज उन्हें हर कोई याद कर रहा है।

दिल्ली में हजारों कार्यकताओं ने उनके साथ काम किया और दिल्ली के विकास में अहम योगदान दिया। आज सभी कार्यकर्ता डॉ. साहिब सिंह वर्मा के कार्यों को याद कर रहे हैं। इसी वजह से आज इतनी बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने डॉ. साहिब सिंह वर्मा को अद्वितीय नेता बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने हर पद पर रहते हुए निष्ठापूर्वक काम किया, चाहे नेता हो या कार्यकर्ता। हर पद पर रहते हुए उनका एकमात्र मात्र लक्ष्य दिल्ली का विकास करना रहा और इस दिशा में उन्होंने सर्वोपरि योगदान दिया, जिसे आज भी दिल्ली की जनता याद करती है। दिल्ली की जनता आज भी इतने सालों के बाद इस बात को स्वीकार करती है कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली के विकास की नींव डाली है, जिस पर आज सरकार टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में साहिब सिंह वर्मा जैसे व्यक्तित्व बेहद ही कम मिलते हैं, जो हर पद पर रहते हुए अपनी तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। वहीं, दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली की जनता उनके विकास को याद कर रही है, उनके प्रशासन को याद कर रही है।

भारतीय राजनीति में साहिब सिंह जैसे नेता बहुत कम ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने राजनीति को एक नई दिशा दी थी। उनके जाने के इतने सालों के बाद लोग उन्हें याद करते हैं, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि लोग उनसे कितना प्यार करते थे। उनका समाज से कितना गहरा लगाव था।

हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा, डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने देश की राजनीति को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया। उन्होंने एक गांव से चलकर दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में जिस प्रकार से यहां के स्वरूप को बदलने का प्रयास किया, वो प्रशंसनीय है। इसके अलावा, उन्होंने दिल्ली ग्रामीण के लोगों को यह एहसास दिलाया कि यहां की सरकार उनकी सरकार है। उन्होंने यहां के लोगों को आत्मविश्वास से भरा। उन्होंने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा ने कई बड़े पदों पर काम किया। जब उन्हें भारत के श्रम मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली, तो उन्होंने दिल्ली की अनाधिकृत कॉलोनी को जोड़ने का काम किया। साहिब सिंह वर्मा के नेतृत्व में काम कर चुके सभी कार्यकर्ता आज की तारीख में कई बड़े पदों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने हमेशा ही गरीब, किसान और मजदूरों की बात की।

वंचित तबकों की आवाज थे साहिब सिंह : सीएम रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को भाजपा के दिवंगत नेता और पूर्व सीएम डॉ साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। सीएम रेखा ने कहा कि डॉ साहिब सिंह वर्मा समाज के वंचित तबकों की आवाज थे। उन्होंने कहा, दिल्ली की राजनीति में श्रमिकों, किसानों और वंचित समाज की प्रखर आवाज रहे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक नमन। उन्होंने कहा, सेवा और सिद्धांत उनका संकल्प था। दिल्ली देहात से संसद तक उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, सादगी और सतत संघर्ष का प्रतीक रहा। उनकी राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का तपस्वी जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदा प्रेरणा देता रहेगा। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्व सीएम डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें सरल व्यक्तित्व का धनी बताते हुए कहा, आज दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

फैसला : एम्स के चिकित्सा अधीक्षक को 26 सप्ताह से अधिक के गर्भ को समाप्त कराने का निर्देश

हाईकोर्ट ने नाबालिग यौन उत्पीड़न पीड़िता को गर्भपात की दी अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक नाबालिग यौन उत्पीड़न पीड़िता को 26 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की सोमवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति मनोज जैन ने एम्स के चिकित्सा अधीक्षक को लड़की के 26 सप्ताह से अधिक के गर्भ को समाप्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लड़की के साथ दो बार यौन उत्पीड़न किया गया था।

पीड़िता 16 साल की है और उसकी मां ने गंभीर मानसिक आघात का हवाला देते हुए गर्भपात के लिए अदालत में याचिका दायर की। अदालत ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और उसके डॉक्टरों की टीम को निर्देश दिया कि वे एक जुलाई को गर्भ का चिकित्सकीय समापन (एमटीपी) अधिनियम के तहत पीड़िता का गर्भपात करें। यह बात रिकॉर्ड में आई कि मेडिकल बोर्ड गर्भावस्था की समाप्ति की अनुमति देने के पक्ष में नहीं था, क्योंकि गर्भावधि उम्र अधिक होने के कारण संभवतः सिजेरियन सेक्शन प्रक्रिया की आवश्यकता

होती, जिससे लड़की के भविष्य के प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था। मेडिकल बोर्ड ने कहा कि लड़की शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ है। हालांकि, लड़की और उसकी मां ने गर्भावस्था जारी न रखने पर जोर दिया। डॉक्टरों ने एमटीपी अधिनियम के तहत प्रदत्त वैधानिक प्रतिबंधों के कारण गर्भपात करने में असमर्थता व्यक्त की थी जिसके बाद उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस कानून के तहत सामान्य मामलों में गर्भपात कराने की प्रक्रिया को 20 सप्ताह तक तथा बलात्कार पीड़िता जैसी कुछ श्रेणियों में 24 सप्ताह तक सीमित कर दिया गया है। लड़की के वकील के अनुसार, 2024 में दिवाली पर एक व्यक्ति ने नाबालिग का यौन उत्पीड़न किया था, लेकिन उसने इस घटना के बारे में किसी को नहीं बताया। दूसरी घटना मार्च में हुई जब एक अन्य व्यक्ति ने उसका यौन उत्पीड़न किया और इस घटना के कारण वह गर्भवती हो गई। उसे गर्भावस्था के बारे में तब पता चला जब वह बहन के साथ डॉक्टर के पास गई और जब उसके परिवार के सदस्यों को यह पता चला, तो उसने यौन उत्पीड़न के बारे में उन्हें बताया, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जून में प्राथमिकी दर्ज कराने के समय, गर्भ की उम्र निर्धारित 24 सप्ताह की सीमा से अधिक हो गयी थी। अदालत को बताया गया कि पुलिस ने मार्च में हुई यौन उत्पीड़न की घटना के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पिछले साल उसके साथ यौन उत्पीड़न करने वाले व्यक्ति को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में उच्चतम न्यायालय सहित अन्य निर्णयों को दर्ज किया है, जिनमें 27 सप्ताह से अधिक और यहां तक कि 33 सप्ताह की गर्भावधि वाले मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा, इस मामले में स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है।

डीटीयू ने नए सत्र के लिए शैक्षणिक कैलेंडर किया जारी

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसको लेकर डीटीयू ने अधिसूचना जारी की है। विषम सेमेस्टर के कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण सात जुलाई से शुरू होगा। सभी स्नातक और बीएससी, एमएससी एकीकृत कायक्रमों के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों की 28 जुलाई से लेकर एक अगस्त के बीच ओरिएंटेशन और चार अगस्त से शिक्षण कार्य शुरू हो जाएगा। जबकि दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए 29 जुलाई से शिक्षण की शुरूआत होगी। मिड टर्म की परीक्षाएं 22 सितंबर से शुरू होंगी। वर्ष 2025-26 का युवान महोत्सव 17 अक्तूबर से लेकर 19 अक्तूबर के बीच आयोजित होगा। वहीं, 20 अक्तूबर से लेकर 24 अक्तूबर तक कक्षाएं ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएंगी।

गुरु रविदास ने समाज को दिया मानवता और सद्भावना का संदेश: कृष्णपाल गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा।

पलवल। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचार और उनका मार्गदर्शन आज भी हमारे लिए प्रासंगिक है।

गुरु रविदास जी ने सदियों पहले समाज को समानता, मानवता, सद्भावना व करुणा का जो संदेश दिया वह हमें युगों-युगों तक प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर सोमवार को जिला के गांव करीमपुर में संत गुरु रविदास कल्याण समिति की ओर से आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती एवं भंडारा कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का पगड़ी और फूल मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने संत शिरोमणि संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनका आशीर्वाद लिया।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने संत रविदास जयंती कार्यक्रम में दिए अपने संदेश में कहा कि गुरु रविदास जी 15वीं सदी के महान समाज सुधारक, दार्शनिक, कवि तथा अध्यात्मिक विभूति थे। संत रविदास आध्यात्मिक, प्रबुद्ध व महान सामाजिक सुधारक के रूप में जाने जाते हैं। संत रविदास जी का मानना था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। मतलब शरीर को आत्मा से पवित्र होने की जरूरत है न कि किसी पवित्र नदी में नहाने से, अगर हमारी आत्मा और हृदय शुद्ध है तो हम पूरी तरह से पवित्र हैं। संत रविदास ने समाज को नई दिशा देने का काम किया।

उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने उस समय सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका सम्पूर्ण जीवन सदाचार, सादगी और कर्मयोग का संदेश देता है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों से आह्वान किया कि हम सब संत रविदास जी के बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए सद्भाव एवं भाईचारे को और मजबूत बनाने का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि संत रविदास सरीखे महान संतों के दिखाए मार्ग पर आगे बढना है तभी समाज में आपसी सौहार्द व उन्नति की राह प्रशस्त होगी। हम सबको मिलकर रहना है और समाज और देश को आगे बढ़ाने में सहयोग करना है। उन्होंने संत रविदास भवन के निर्माण लिए समिति को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर होडल विधायक हरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक दीपक मंगला, वीरेंद्र बैंसला, संतराज, ब्लॉक चेयरमैन अजीत, सरपंच पवन जाखड़, महेंद्र भड़ाना, गयालाल, यशपाल, हरेंद्र पाल राणा, राजबीर, भंबल, राजकुमार, मुकेश, संत गुरु रविदास कल्याण समिति के पदाधिकारी और सदस्यों सहित आस-पास के गांवों के पंच-सरपंच व अनेक मौजिज लोग मौजूद रहे।

- कृष्णपाल गुर्जर ने संत रविदास जयंती कार्यक्रम में दिए अपने संदेश में कहा कि गुरु रविदास जी 15वीं सदी के महान समाज सुधारक, दार्शनिक, कवि तथा अध्यात्मिक विभूति थे

बारिश से जलमग्न यमुनानगर, सड़कों पर लगा लंबा जाम

पायनियर समाचार सेवा ।

यमुनानगर। जिले में वर्षा का सिलसिला जारी है। शुरू हुई वर्षा के कारण जहां नदियों में पानी का बहाव बढ़ा है, वहीं शहर में जगह-जगह हुए जल जमाव ने निकासी की व्यवस्था की पोल खोल दी। औसत 47.14 एमएम वर्षा हुई। सर्वाधिक जगाधरी में 79 एमएम वर्षा हुई।

पानी की निकासी न होने के कारण सोमवार को दोपहर बाद तक शहर में जल जमाव रहा। माडल टाउन में कैप्शन से गोविंदपुरी रोड, सत्यम अस्पताल के सामने, शक्ति नगर, लाजपत नगर, आजाद नगर पुराना नेशनल हाइवे पर सरोजनी कालोनी के सामने व बस स्टैंड यमुनानगर के सामने कई-कई फीट पानी हो गया है। जिसके कारण लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। रास्ते बाधित हो जाने के कारण शहर में जाम की स्थिति बनी रही। लगातार हो रही वर्षा के कारण नदियों में पानी का बहाव बढ़ गया है। बैराज पर सर्वाधिक 26887 क्यूसेक पानी का बहाव रहा। 15510 क्यूसेक पश्चिमी यमुना नहर, पूर्वी यमुना नहर में 5110 क्यूसेक व यमुना नदी में 9867 क्यूसेक पानी का बहाव रहा। फिलहाल पानी का बहाव सामान्य है। पानी का बहाव एक लाख क्यूसेक तक पहुंचने पर मिनी फ्लड घोषित कर दिया जाता है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों के मुताबिक मंगलवार को भी वर्षा हो सकती है। ऐसे में पानी का बहाव बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। तेज वर्षा के कारण यमुनानगर व जगाधरी शहर में बाढ़ के जैसी स्थिति पैदा हो गई। सुबह के समय हालात ऐसे थे कि गलियों में पानी भरा था। शहरवासियों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। शहर के निचले क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया। पूर्व पार्षद विनोद मरवाह ने बताया कि प्रोफेसर कालोनी में शायद ही कोई ऐसा घर होगा जिसमें वर्षा का पानी न भरा हो। घरों में रखा सामान खराब हो गया। पूर्व पार्षद नवनीत शर्मा का कहना है कि हमीदा में हालात काफी खराब देखे गए।लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाए। इसी प्रकार, पूर्व पार्षद नीरज राणा ने बताया कि तिलक नगर की हर गली जलमग्न थी।

- पानी की निकासी न होने के कारण सोमवार को दोपहर बाद तक शहर में जल जमाव रहा।

सार समाचार

ठगी के 12 मामलों में 42 साइबर अपराधी एक सप्ताह में गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थानों की पुलिस ने बीते एक सप्ताह में ठगी के 12 मामलों की जांच करते हुए 42 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछत-ाछ कर 320558 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि इन आरोपियों से पूछताछ में 201 शिकायतों का निस्तारण किया गया है। साथ ही 672813 रुपये बैंक खातों में फ्रीज कराए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि 21 से 27 जून के दौरान इन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी देश के अलग-अलग राज्यों से पकड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से लोगों से ठगी कर रहे हैं। इनमें सोशल मीडिया के जरिये लोगों को मैसेज व कॉल कर निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर, शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर और प्रीपेड टास्क में निवेश पर कमाई का झांसा देकर ठगी के तरीके काफी संख्या में सामने आ रहे हैं। कई बार ठग मुनाफे के तौर पर कम रुपये ट्रांसफर कर भरोसा भी जीत लेते हैं। लेकिन बाद में बड़ी राशि निवेश कराकर ठगी कर लेते हैं।

नाबालिग समेत दो कोरोना वायरस से संक्रमित

गुरुग्राम। साइबर सिटी में सोमवार को कोरोना के दो नए मामले सामने आए हैं, जबकि चार मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस की संख्या 17 हो गई है। अब तक 224 मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। सीएमओ डॉ. अलका सिंह के मुताबिक, नए दो मरीजों में सेक्टर-43 निवासी 35 वर्षीय पुरुष, सेक्टर-15 पार्ट-2 निवासी 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। दोनों मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को 102 संदिग्ध मरीजों के सैंपल की जांच की गई। वहीं शहर में अब तक 207 कोरोना मरीज ठीक हो चुके हैं।

स्कूटी सवार दो महिलाओं को लगा करंट, एक की मौत

फरीदाबाद। मुजेसर थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार दो महिलाओं पर बिजली का तार गिरने से वह गंभीर रूप से झुलस गई। इनमें से एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि दूसरी महिला की हालत भी गंभीर बनी हुई है। स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। संजय कॉलोनी में रहने वाले नरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी मामी कृष्णा सेक्टर-23ए में रहती है। शनिवार शाम को उनकी पत्नी कोंकणा राय मामी के यहां सेक्टर-23ए गई थी। शाम के समय उनकी मामी पत्नी कोंकणा को स्कूटी से वापस घर छोडने आ रही थी। इस दौरान गली नंबर -12 से गुजरते समय उनके ऊपर बिजली का तार गिर गया। तार गिरते ही दोनों झटके से सडक पर गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

उपमंडल हथीन के साहबजी मंदिर तालाब का 65 लाख से बदलेगा स्वरूप

पलवल। जिले के हथीन स्थित ऐतिहासिक साहबजी मंदिर तालाब का जल्द ही कायाकल्प होने जा रहा है। जन स्वास्थ्य विभाग ने तालाब की सफाई, सौंदर्यीकरण और जल संरक्षण के उद्देश्य से 65 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया है। तालाब से गंदगी और कीचड़ हटाकर इसमें स्वच्छ जल भरा जाएगा तथा इसकी नियमित देखरेख की भी व्यवस्था की जाएगी। नगर पालिका चेयरपर्सन रेणु लता ने सोमवार को बताया कि पालिका प्रशासन इस परियोजना में पूर्ण सहयोग करेगा। पूर्व नगर पालिका चेयरमैन सुभाष सिंघल सहित स्थानीय नागरिक लंबे समय से इस तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग कर रहे थे। विभाग ने परियोजना का एस्टीमेट बनाकर मुख्यालय चंडीगढ़ भेज दिया है और स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार यह तालाब वर्षों से उपेक्षित था और बरसात में इसमें गंदा पानी भर जाने से यह ओवरफ्लो हो जाता था, जिससे आसपास की कॉलोनियों में दुर्गंध फैलती थी और श्रद्धालुओं को भी असुविधा होती थी।

मिट्टी धंसने से ढहा मकान, मलबे में दबे परिवार के सात लोग, किशोरी ने दम तोड़ा

पायनियर समाचार सेवा।

नूंह। नूंह सदर थाना क्षेत्र के गांव गोलपुरी में बारिश के बीच अब्दुल हई का महान ढह गया। मकान के मलबे में सात लोग अमीना, अनीसा (13) तारीफ (24), रिहान (11), जानिस्ता, अबरार (5) और साहिर (3) दब गए। हादसे में अनीसा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन घायलों को गंभीर अवस्था में पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। घटना में घायल अन्य तीन लोगों का नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। गोलपुरी गांव के अब्दुल हई ने गांव से बाहर खेतों में अपना मकान बनाया है। तीन कमरों के पक्के मकान पर प्लास्टर नहीं है, जबकि उसमें गाडर-टुकड़ी की छत थी। दिनभर जमकर बारिश हुई और अब्दुल हई के मकान के पीछे खेतों में काफी पानी जमा हो गया। रात करीब नौ बजे परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर आराम कर रहे थे। अब्दुल हई बाहर बैठा था, तभी अचानक धड़ाम की आवाज आई और अब्दुल हई के पूरे परिवार पर मुसीबतों का कहर टूट पड़ा। उसने देखा तो उसके मकान की पिछली दीवार गिर जाने से मकान की छत परिवार के सात सदस्यों के ऊपर गिर गई। अब्दुल हई के मकान ढहने की खबर गांव में पहुंची तो तुरंत बड़ी संख्या में गांव के लोग मौके पर पहुंचे और मकान का मलबा हटाने में जुट गए, लेकिन जब तक वे मलबा हटाते तब तक अब्दुल हई की बेटी अनीसा मलबे के नीचे दम तोड़ चुकी थी। लोगों ने मलबे को हटाकर उसके नीचे दबे लोगों को निकाला। सभी घायलों को तुरंत नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ले जाया गया। बाद में अबरार, साहिर और अमीना की गंभीर हालत को देखते हुए डाक्टरों ने पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। जबकि तारीफ, रिहान और जानिस्ता का उपचार नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मकान का प्लास्टर नहीं हुआ था। वहीं, पीछे की तरफ पानी ज्यादा भर गया, जो मकान की नींव में चला गया। इसके कारण मकान ढह गया। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित परिवार के दुख को बांटने के लिए ग्रामीणों का तांता लगा रहा। परिजन एडवोकेट आजम ने बताया कि मकान ढहने से परिवार के सदस्यों को तो गंभीर चोटें आई हैं।

- लोग बोले- नींव में पानी जाने से गिरा मकान तीन घायलों को गंभीर अवस्था में पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है

बजघेरा पुलिस स्टेशन परिसर में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा।

गुरुग्राम। देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों में से एक गुरुग्राम अब कंक्रीट के साथ हरियाली की भी राह पर है। इसी दिशा में इंडिया हेल्थकेयर फाउंडेशन सहयोग से एक अग्रणी फाउंडेशन ने बजघेरा पुलिस स्टेशन परिसर में एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल में स्थानीय पुलिस विभाग, सामाजिक कार्यकताओं और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान के तहत आम, जामुन, नींबू और अमरूद जैसे 50 देशी फलदार वृक्ष लगाए गए। ये पेड़ न केवल छाया देंगे।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to the General Public that **Mr. Islam ("seller") S/o Mohd. Razi,** is selling a Freehold Residential Plot No. 23C, admeasuring area 200 Sq. Yds. of falling under Khasra No. 1403Min, situated at Sector-3, Giri Market in Village – Loni, Pargana – Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad (U.P.), ("said property") to Mr Nasim Ahmad & Mrs Shamim Chaudhary ("intending borrowers"). The seller acquired the right over the said property by virtue of Registered General Power of Attorney executed on 02.05.2001 by Mrs Om Kali W/o Mr Dara Singh in favour of the seller, in respect of the said property, along with Notarized Agreement to Sell. The property is now being sold to the Intending Borrowers and the purchase is being financed by SMFG India Home Finance Co. Ltd.General Public hereby informed that if anybody has any charge/ Interest/Title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of publication of this advertisement.

TAPAN RAGHAV (Advocate)
Ch. No. G-220, Karkardooma Courts, Delhi- 32.
raghavtk.legal@gmail.com (M - 8800096522)

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नमिता रेम्से पत्नी श्री रेम्से मसीह, प्रथम तल (छत के अधिकारों के बिना), जो कि संपत्ति संख्या RZ-48/2 के एक भाग पर निर्मित है, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज अर्थात् 62.71 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 63/5/2 में से, जो कि ग्राम पालम क्षेत्र में स्थित है तथा कॉलोनी "राज नगर-I, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली" के नाम से जानी जाती है, की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति का स्वामित्व श्रीमती नमिता रेम्से को विक्रय विलेख दिनांक 16.11.2012, दस्तावेज़ संख्या 12978, उप-पंजीयक, दिल्ली के समक्ष पंजीकृत के माध्यम से प्राप्त हुआ है। संपत्ति की स्वामिनी उपरोक्त संपत्ति को इच्छुक क्रेता को विक्रय करने की इच्छुक हैं और उक्त संपत्ति को मेरे मुवक्किल, मेसर्स टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के साथ वित्तपोषित एवं बंधक प्रस्तावित किया गया है। हालांकि, उक्त संपत्ति के स्वामित्व श्रृंखला से संबंधित मूल विक्रय विलेख दिनांक 09.06.2012, दस्तावेज़ संख्या 8009, कहीं खो गया है। इस संबंध में दिनांक 28.06.2025 को दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत L.A.R. संख्या 2956424/2025 दर्ज कराई गई है।

यदि उपरोक्त मूल संपत्ति दस्तावेज़ किसी व्यक्ति के कब्ज़े में हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 (सात) दिवसों के भीतर मूल दस्तावेज़ों सहित नीचे दिए गए पते पर हमसे संपर्क करें। यदि निर्धारित समयावधि में संपर्क नहीं किया गया, तो विषय संपत्ति के संबंध में उपरोक्त विक्रय विलेख के आधार पर कोई भी दावा अमान्य माना जाएगा।

राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटिआला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.: +91-8383020294

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल **वरूण कुमार** और **मेघा कुमारी**, ब्लॉक और पॉकेट–जी–29, 48 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली निर्मित संपत्ति संख्या 52 की छत के अधिकार सहित पूरी दूसरी मंजिल श्रीमती लीना बंगिया से खरीदने का इरादा रखते हैं, जो सेक्टर–03, रोहिणी आवासीय योजना, रोहिणी दिल्ली–110085 में स्थित है, जिसे श्रीमती लीना बंगिया ने दिनांक 17.04.2015 को बिक्री विलेख के माध्यम से दस्तावेज संख्या 2784 के रूप में संपत्ति प्राप्त की थी। हालाँकि, मूल बिक्री विलेख दिनांक 23.12.2004, (1) श्री नवीन अग्रवाल और (2) श्री कपिल ढींगरा द्वारा श्री अजब सिंह के पक्ष में निष्पादित, दस्तावेज संख्या 42196 के रूप में रोहिणी दिल्ली में खो गया है। यदि किसी को उपरोक्त मूल दस्तावेज मिलता है, तो उसे पी.एन.बी.एच.एल., पीतमपुरा, नई दिल्ली को वापस कर दें, क्योंकि यह उक्त पी.एन.बी.एच.एल. के पास बंधक है। इसलिए यह नोटिस दिया जाता है कि कोई भी व्यक्ति/कानूनी उत्तराधिकारी, बैंक/बैंकों या वित्तीय संस्थान /संस्थाओं, या किसी भी पक्ष/पक्षों का उक्त संपत्ति के संबंध में या उसके विरुद्ध उत्तराधिकार, शेयर, स्थानांतरण, बंधक, कब्जे के माध्यम से किसी भी प्रकार का कोई दावा, भार, ब्याज, शीर्षक, मांग, अधिकार, चाहे किसी भी प्रकृति का हो, को प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को दस्तावेजी समर्थन के साथ लिखित रूप में जानकारी देनी होगी, ऐसा न करने पर ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों का दावा, यदि कोई हो, निपटारा/माफ कर दिया गया माना जाएगा। **श्री समीर कुमार/ललित कुमार (अधिवक्ता) मेसर्स एक्सेल लॉ ग्रुप एलएलपी कार्यालयः** 87–डी, तीसरी मंजिल, पॉकेट–2, सेक्टर 6, द्वारका, नई दिल्ली; मोबाइल नंबर : 8130395390 / 91.

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी मुव्विकल सुमन शर्मा पत्नी स्व. श्री प्रवीन शर्मा निवासी डी-249, गली नंबर-7, गढ़ी मैंदू भजनपुरा, दिल्ली-53 निवासी हूं। मैं अपने पुत्र अनुज शर्मा (आधार नंबर-310311329772) व पुत्रवधू मीनाक्षी (आधार नंबर-575907787327) को उनके आचरण के चलते अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में अनुज शर्मा व मीनाक्षी से मेरी मुव्वकिल का कोई लेना देना नहीं होगा। उनके साथ कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का लेन देन करता है, तो उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होगा।

अरुण राघव, (अधिवक्ता) Ch.No. जी-220, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110032, Mob.-9811521298

PUBLIC NOTICE

[[कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में बदलने के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन
केंद्र सरकार के समक्ष
कंपनी रजिस्ट्रार, दिल्ली
और

DECOMAX LIFESTYLE PRIVATE LIMITED के मामले में जिसका पंजीकृत कार्यालय ळ–1, 51 बेसमेंट, कालकाजी, नई दिल्ली, दिल्ली, भारत, 110019 में है, याचिकाकर्ता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि कंपनी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव करती है, जिसमें कंपनी के पंजीकृत कार्यालय की पुष्टि की मांग की जाती है।

29 अप्रैल 2025 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के एसोसिएशन के ज्ञापन में परिवर्तन, ताकि कंपनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "दिल्ली राज्य" से "उत्तर प्रदेश राज्य" में बदल सके।

कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह अपने हित की प्रकृति और विरोध के आधार बताते हुए हलफनामे के साथ अपनी आपत्तियों को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आवेदक कंपनी की एक प्रति के साथ अपने पंजीकृत कार्यालय में नीचे उल्लिखित पते पर पहुंचा सकता हैरू

DECOMAX LIFESTYLE PRIVATE LIMITED के लिए और उसकी ओर से
नवीन कुमार क्याल
निदेशक
DIN: 00482126
ए–1/305, कृष्णा अपरा गार्डन्स, 7
वैभव खंड, इंदिरापुरम
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश – 201014

पब्लिक नोटिस

सभी को पता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती संतोष अग्रवाल, सेकेंड फ्लोर और थर्ड फ्लोर की मालिक, संपत्ति संख्या 820, क्षेत्र 3920=59 वर्ग गज, गली नंबर 52, पुराना प्लाट संख्या 117, खसरा संख्या 221, लेखू नगर, त्रि नगर, दिल्ली-110035 और श्रीमती संतोष अग्रवाल के पास श्रीमती शांता कौर द्वारा श्री चरणदीप सिंह के पक्ष में जारी की गई मूल वसीयत और वसीयत का निषेधपत्र और श्रीमती शांता कौर का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं है। और यह सूचित किया जाता है कि मेरे उक्त ग्राहक को छोड़कर किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त दस्तावेजों के साथ कोई सौदा इकरार, बिक्री,बंधक आदि मान्या नही होगा. तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 15 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरेम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.760,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-10,द्वारका,नई देल्ही-75
मोबाइल : 9899013918

पब्लिक नोटिस

सभी को पता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती सेसिलिया जार्ज, पहली मंजिल बिना छत के अधिकार,99वर्ग गज का भूखंड क्षेत्र, खसरा संख्या 6/22, विजय एन्क्लेव, पालम, दिल्ली की मालिक हैं और श्रीमती सेसिलिया जार्ज के पास श्री जार्ज डास के कानूनी उत्तराधिकारियों के पक्ष में किसी भी उत्तरजीवी प्रमाण पत्र का अभाव है,अर्थात् 1. सोनाली गौड़,2.लुईसा खोसरवी, 3.नैंसी सिंह (बेटियाँ) और 4. सेसी सेसिलिया जार्ज (पत्नी), और यह सूचित किया जाता है कि मेरे उक्त ग्राहक को छोड़कर किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त दस्तावेजों के साथ कोई सौदा इकरार, बिक्री, बंधक आदि मान्या नही होगा. तथा अगर किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति मे किसी प्रकार का अधिकार या दावा करना चाहता है तो वह नीचे लिखे न. पर इस प्रकाशन के 15 दिन के अंदर संपर्क कर अपने अधिकार या आपत्ति का की जानकारी दे दे. तथा उक्त कॉगजो को वापस कर दे

एडरेम लिगल सल्यूशन
चेंबर न.760,द्वारका कोर्ट,सेक्टर-10,द्वारका,नई देल्ही-75
मोबाइल : 9899013918

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा।

फरीदाबाद। हरियाणा निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने सोमवार को फरीदाबाद स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त फरीदाबाद विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान श्रीनिवास ने वेयरहाउस में ईवीएम मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव को लेकर विस्तृत जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि यह त्रैमासिक रूटीन प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम में रखी ईवीएम मशीनों की स्थिति की समीक्षा की। उपायुक्त ने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य जिलों में ईवीएम वेयरहाउस की व्यवस्था की जांच करना है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अनहोनी की संभावना से बचा जा सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीनिवास ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह को निर्देशित किया कि वेयरहाउस की समुचित निगरानी एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से बचा जा सके। उन्होंने वेयरहाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की जांच की और उनकी सख्त निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीनिवास ने वेयरहाउस में अग्निशमन यंत्रों की भी जांच की और उनकी स्थिति को संतोषजनक बताया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन उपकरणों की समय-समय पर कार्यक्षमता की जांच अवश्य की जाए। इस अवसर पर एसडीएम फरीदाबाद अमित गुलिया, सीटीएम अंकित कुमार सहित इलेक्शन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

टेलीग्राम टास्क के माध्यम से ठगी, खाताधारक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा।

फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क के माध्यम से करीब 84 हजार रुपए की ठगी कर ली गई। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इस मामले में साइबर थाना एनआईटी टीम ने खाताधारक सहित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सैक्टर 25 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत में कहा था कि पिछले दिनों वह इंस्टाग्राम पर सर्फिंग कर रहा था। जहां उसने डैली टास्क के नाम का विज्ञापन देखा जिस पर क्लिक करते ही मैं एक टेलीग्राम ग्रुप में जुड गया। जहां पर ठगों ने टेलीग्राम टास्क के रुप में होटलों को लाईक करने का काम दिया व टास्क पुरा करने के बाद उसके खाता में 150 रुपये भेजे। जिसके बाद उसे प्रीमियम टास्क ग्रुप मे जोडकर उससे टास्क के नाम पर अलग-अलग ट्रान्जेक्शन के माध्यम से 84 हजार 500 रु ठगो ने खाता में डलवा लिए तथा जब उसने पैसे वापिस मांगे तो उन्होंने टेलीग्राम ग्रुप बंद कर दिया। जिस पर साइबर थाना एनआईटी में ठगी की धाराओं मे मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए अजय(28) व सुभाष(29) निवासी गांव जरलानी जिला जोधपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पुछताछ में सामने आया की आरोपी अजय खाताधारक है। जिसने अपना खाता आगे सुभाष(29) को दे दिया था। दोनों आरोपी एक ही गांव के रहने वाले है तथा खेतीबाडी का काम करते है। खाते में ठगी के कुल 40 हजार रुपये आये थे। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **VIVEK BAHL** having address at **B-133 POCKET B SFS FLATS SHEIKH SARAI PHASE 1 NEW DELHI-110017 DELHI INDIA** with **KOTAK MAHINDRA BANK 21 COMMUNITY CENTRE, YUSUF SARAI, GULMOHAR PARK NEW DELHI- 110049** remains unoperated from last 7 years.

All the 3 letters earlier sent to **VIVEK BAHL** calling upon him to clear dues and to operate the locker has returned unserved and he is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **VIVEK BAHL** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **September 29, 2025** at around **12p.m.**

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **SHARAD SOGANI** having address at **2-2 PARSI MOHALLA CHHAWANI INDORE-452001 MADHYA PRADESH INDIA** with **KOTAK MAHINDRA BANK 21 COMMUNITY CENTRE, YUSUF SARAI, GULMOHAR PARK NEW DELHI- 110049** remains unoperated from last 8 years.

All the 3 letters earlier sent to **SHARAD SOGANI** calling upon him to clear dues and to operate the locker has returned unserved and he is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **SHARAD SOGANI** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **September 29, 2025** at around **12p.m.**

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **MITHI KAPOOR** having address at **C-35 SWAMI NAGAR NEW DELHI-110017 DELHI INDIA** with **KOTAK MAHINDRA BANK 21 COMMUNITY CENTRE, YUSUF SARAI, GULMOHAR PARK NEW DELHI- 110049** remains unoperated from last 8 years.

All the 3 letters earlier sent to **MITHI KAPOOR** calling upon her to clear dues and to operate the locker has returned unserved and she is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **MITHI KAPOOR** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **September 29, 2025** at around **12p.m.**

kotak
Kotak Mahindra Bank

NOTICE

Locker Hired by **MITHI KAPOOR** having address at **C-35 SWAMI NAGAR NEW DELHI-110017 DELHI INDIA** with **KOTAK MAHINDRA BANK 21 COMMUNITY CENTRE, YUSUF SARAI, GULMOHAR PARK NEW DELHI- 110049** remains unoperated from last 8 years.

All the 3 letters earlier sent to **MITHI KAPOOR** calling upon her to clear dues and to operate the locker has returned unserved and she is not contactable.

It is hereby informed that despite this notice, if dues not cleared and locker is not operated by **MITHI KAPOOR** within 90 days from the date of this notice, break open of the said locker will be done on **September 29, 2025** at around **12p.m.**

AXIS BANK

खुदरा परिसंपत्ति केंद्रः एक्सिस बैंक लिमिटेड गीगाप्लेक्स, एनपीसी-1, तीसरी मंजिल एमआईडीसी, ऐरोली नॉलेज पार्क मुगलसन रोड ऐरोली नवी मुंबई-400708
औरः एक्सिस बैंक लिमिटेड, एक्सिस हाउस, टॉवर टी-2, दूसरी मंजिल, I-14, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेसवे, जेपी ग्रीन्स विश्टाउन, नोएडा (यूपी)-201301, औरः सम्पत्ति नं. 139, द्वितीय तल, एचएल हब सर्विस सेंटर, सेक्टर-20, द्वारका दिल्ली-110075 कॉर्पोरेट कार्यालयः 'एक्सिस हाउस', ब्लॉक-बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कंपाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुंबई-400025, पंजीकृत कार्यालयः त्रिशूल, तीसरी मंजिल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006

सरफेसी अधिनियम 2002 के अंतर्गत कब्जा सूचना

जबकि नीचे हस्ताक्षरकर्ता, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत एक्सिस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के अंतर्गत नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं/सह-उधारकर्ताओं/ गारंटरों/बंधककर्ताओं को मांग नोटिस जारी किए हैं, जिसमें नोटिस में उल्लिखित राशियों को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया है। उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता देय राशि का भुगतान करने में असफल रहा है, विशेष रूप से संबंधित उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा, उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित दिनांक को कब्जा ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता और आम जनता को संबंधित संपत्तियों से लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्तियों से कोई भी लेन-देन नीचे उल्लिखित राशियों के लिए एक्सिस बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा। उधारकर्ताओं/सह-उधारकर्ताओं/गारंटरों/बंधककर्ताओं का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में सरफेसी अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ता/सह–उधारकर्ता का नामः– 1. श्री मनोज वर्मा पुत्र श्री सुरिंदर कुमार वर्मा निवासी मकान नं. 442, ब्लॉक–ए, नेहरू विहार, उत्तर पूर्व दिल्ली देही–110054 अन्य पताः श्री मनोज वर्मा (प्रोपराईटर) मेसर्स टी–स्क्वायर ट्रैवल मकान नं. 442, ब्लॉक–ए, नेहरू विहार, उत्तर पूर्व दिल्ली देही–110054 अन्य पता श्री मनोज कुमार, सम्पत्ति नं.–सी8/10, तीसरी मंजिल, मॉडल टाउन–III, नई दिल्ली–110009 2. श्रीमती आशा रानी वर्मा पत्नी श्री मनोज वर्मा निवासी मकान सं. 442, ब्लॉक–ए, नेहरू विहार, उत्तर पूर्व दिल्ली दिल्ली–110054

संपत्ति का विवरणः– पूर्ण तीसरी मंजिल का हिस्सा, छत के अधिकार सहित आसमान तक, स्टिल्ट पार्किंग में 1/4 हिस्सा जो कि उपरोक्त संपत्ति संख्या सी8/10) का हिस्सा (संपत्ति सं. 10 और ब्लॉक–सी8 क्षेत्रफल 459 वर्ग गज मॉडल टाउन, दिल्ली–110009 में स्थित है और सीमाएंः उत्तर : बिक्री विलेख के अनुसार, पूर्वः बिक्री विलेख के अनुसार, पश्चिमः बिक्री विलेख के अनुसार, दक्षिणः बिक्री विलेख के अनुसार

मांग सूचना की तिथि	कब्जे की तिथि	
28.08.2024	26.06.2025	मांग सूचना में राशि (रु.) : रु. 2,33,50,283/- (रु. दो लाख तैंतीस हजार पचास हजार दो सौ तिरासी मात्र)

उपर्युक्त उधारकर्ता(ओं)/सह-उधारकर्ता(ओं)/गारंटर(ओं)/बंधककर्ता(ओं) को राशि चुकाने के लिए 30 दिनों का नोटिस दिया जाता है, अन्यथा बंधक संपत्तियां प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति पर बेचा जाएगा।

स्थानः नोएडा, तिथि : 01.07.2025, हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, एक्सिस बैंक लिमिटेड

भारतीय संविधान

विविधता में एकता

भारतीय संविधान ऐसा नियम है जो भारत की विविधता को एक राष्ट्र के रूप में बांधता है और कोई विचलन इसे कमजोर कर सकता है। भारत असाधारण विविधता का घर है जो भाषा, धर्म, क्षेत्र और जाति के रूप में पाई जाती है। हमारा संविधान प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा की भावना प्रदान करता है, भले ही उसका धर्म, क्षेत्र, भाषा या नस्ल देश भर में कुछ भी क्यों न हो। यदि देश में एक से अधिक कानून हों तो यह विसंगति विभाजनकारी सिद्ध हो सकती है। भारत की संवैधानिक एकता की सशक्त पुष्टि करते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई ने हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 मे मामले में दिए निर्णय के पीछे दार्शनिक और विधिक तर्कों को सही ठहराया। प्रधान न्यायाधीश का यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब देश में कुछ राजनीतिक शक्तियां केन्द्र-राज्य संबंधों पर सवाल उठा रही हैं और वे संघीय ढांचें में राज्यों को ज्यादा अधिकारों की पैरोकारी कर रही हैं। नागपुर में 'संविधान प्रस्तावना पार्क' के उद्घाटन तथा डा. बी.आर. अंबेडकर की मूर्ति के अनावरण के अवसर पर प्रधान न्यायाधीश गवई ने जोर दिया कि भारत की एकता के लिए 'केवल एक संविधान' बहुत जरूरी है और इस विचार की जड़ें स्वयं डा. अंबेडकर के दृष्टिकोण में निहित हैं। यह केवल प्रतीकात्मक संकेत नहीं है। यह न्याय के विचार में निहित विधिक, नैतिक एवं ऐतिहासिक तत्व है। एक राष्ट्र का विचार एक संविधान से शासित होना चाहिए और यह केवल प्रशासनिक सुविधा का मामला नहीं है, बल्कि यह गणतंत्र के प्रति मूल निष्ठा का आधार है। डा. बी.आर. अंबेडकर ने लगातार कहा था कि विविधतापूर्ण देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए एक संवैधानिक ढांचा बनाए रखना बहुत जरूरी है। अंबेडकर का विश्वास था कि संविधान अपनी भावना से संघीय व एकात्मक, दोनों है और वह विविधता को एक केन्द्रीय एकता में समाहित करने में सक्षम है। जम्मू और कश्मीर को अपना संविधान और विशेष दर्जा रखने की अनुमति देने वाला अनुच्छेद 370 इस प्रकार इस मूल दृष्टिकोण के विपरीत था। संविधान अपनी संरचना में संघीय होने के साथ ही संकट, युद्ध या विखंडन के समय केन्द्र को समुचित शक्तियां देता है। अंबेडकर ने यह कहते हुए इस ढांचे का बचाव किया था कि भारतीय संविधान शांति एवं टकराव में एकजुट रहने के लिए बनाया गया है।

हालांकि, अनुच्छेद 370 को एक अस्थाई प्राविधान के रूप में शामिल किया गया था, पर इसने प्रभावी रूप से समान नागरिकता नियम का एक अपवाद तैयार कर दिया था। इस अनुच्छेद के कारण जम्मू कश्मीर को अपना अलग संविधान रखने, विशेषाधिकारों का आनन्द उठाने तथा बाकी भारत से एक विधिक एवं राजनीतिक अलगाव की भावना पैदा करने में सक्षम बनाया था। उम्मीद थी कि समय बीतने के साथ यह अस्थाई प्राविधान स्वयं कमजोर होते-होते गायब हो जाएगा, पर वह एक ढांचागत विसंगति के रूप में बना रहा। जब संसद ने 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त किया तो इसे न्यायालय में चुनौती दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश गवई को शामिल करने वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने दिसंबर, 2023 में इस निर्णय को उचित ठहराया था। यह फैसला इस बात की घोषणा थी कि भारत का शासन-प्रशासन सच्ची संवैधानिक भावना से चलाया जाना चाहिए जिसमें सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून और एक ही अधिकार लागू हों, भले ही उनका धर्म चाहे जो हो। चाहे कोई केरल में रहता हो या कश्मीर में, वह कानून के समक्ष समान है और यह बात सिद्धान्त के साथ ही असली जीवन स्थितियों में भी सही है। हमारा संविधान इसी बात की गारंटी देता है। किसी भी देश में विखंडित कानूनी ढांचा विभाजित पहचानों को पैदा करने का काम कर सकता है। इसके उलट एक संवैधानिक व्यवस्था सभी नागरिकों में स्वामित्व व उद्देश्य की समान व साझा भावना को प्रोत्साहित करती है। जब हम अपने पड़ोसी पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश को देखते हैं तो वहां संवैधानिक व्यवस्था टूटने के उदाहरण सामने आते हैं। ऐसे में भारत अपने मजबूत संविधान के साथ एकता और अखंडता के मजबूत प्रतीक के रूप में खड़ा दिखता है।

आपातकालः संविधान पर भयानक प्रहार

1975 का आपातकाल कानून-व्यवस्था का अस्थाई स्थगन होने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा पर संपूर्ण हमला था। संविधानवाद की भावना समाप्त होने पर विधिक उपकरणों से लोकतंत्र को आसानी से विकृत किया जा सकता है।

प्रह्लाद जोशी
(लेखक, केन्द्रीय मंत्री हैं)

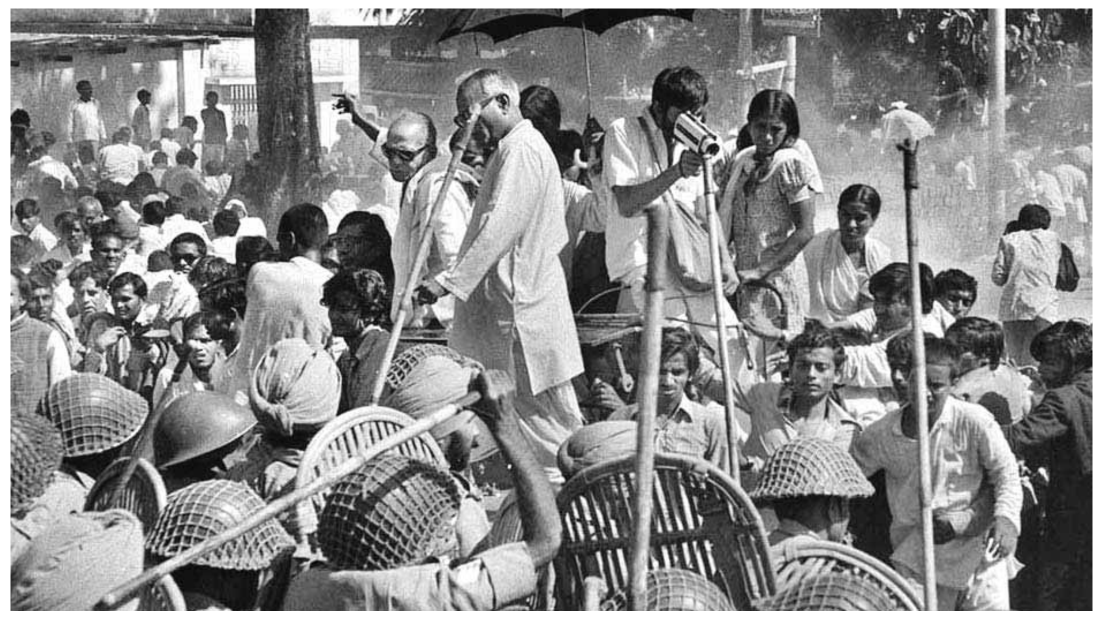

25 जून, 1975 की आधी रात को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। इस निर्णय ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को 21 महीनों के लिए एक तानाशाही शासन में बदल दिया। इसके दौरान भारतीय राज्य में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां, प्रेस सेंसरशिप, नागरिक स्वतंत्रताओं का स्थगन और लोकतांत्रिक संस्थाओं को व्यवस्थित रूप से तोड़ने जैसी घटनायें सामने आईं। हालांकि, आपातकाल को 'आंतरिक अशांति' के नाम पर थोपा गया था, पर वास्तव में यह इंदिरा गांधी के अधिकार के समक्ष राजनीतिक और न्यायिक चुनौतियों की सीधी प्रतिक्रिया थी। यह प्रतिक्रिया खासकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा चुनावी कदाचारों में उनको दोषी ठहराने के बाद आई थी। आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थानों को नुकसान पहुंचाया गया था। किसी भी लोकतंत्र का आधार उसकी संस्थायें होती हैं जिनमें संसद, न्यायपालिका, प्रेस तथा स्वतंत्र विधिक संस्थायें शामिल हैं। आपातकाल के दौरान इनको व्यवस्थित रूप से नुकसान पहुंचाया गया।

उस समय संसद केवल कार्यपालिका की इच्छा पर सहमति देने वाली औपचारिक संस्था बन गई थी। अपने प्रचंड बहुमत के कारण सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने बिना वास्तविक बहस के कठोर कानूनों और संशोधनों को पास कर दिया। न्यायपालिका को गुलाम बना लिया गया था। सरकार ने सक्रिय रूप से न्यायिक नियुक्तियों, स्थानान्तरणों या जजों की पदोन्नति में सीधे हस्तक्षेप किया। ऐसा खासकर नापसंद फैसलों की प्रतिक्रिया में किया गया। एडीएम जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला मामले में जस्टिस एच.आर. खन्ना के असहमत निर्णय के मामले में किया गया था। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने जीवन का अधिकार भी स्थगित रहने का निर्णय दिया था। इस प्रकार जस्टिस खन्ना न्यायिक स्वतंत्रता के विरले प्रकाश स्तंभ के रूप में उभर कर सामने आए थे। प्रेस की स्वतंत्रता लगभग समाप्त कर दी गई थी। पूर्व-सेंसरशिप आदेशों तथा जेल की धमकियों के कारण अखबारों को बंधक बना लिया गया। उल्लेखनीय है कि 'द इंडियन एक्सप्रेस' ने इस सेंसशिप के मौन विरोध में अपना संपादकीय खाली छोड़ा था। चुनाव आयोग तथा सीएजी से उनकी स्वायत्तता छीन ली गई थी और उनको कार्यपालिका के आदेश मजबूत करने के लिए औजारों की तरह प्रयोग किया गया था।

आपातकाल का सर्वाधिक खतरनाक आयाम राष्ट्रपति के आदेश से मूलाधिकारों को स्थगित रखना था। अनुच्छेद 14-कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 19-भाषण, एकत्र होने व आवागमन की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 21-जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार तथा अनुच्छेद 22-मनमानी गिरफ्तारी के खिलाफ संरक्षण को या तो स्थगित किया गया अथवा निरर्थक बना दिया गया। क्रूर 'मेंटेनेंस आफ इंटरनल सिक्यूरिटी एक्ट'-मीसा तथा 'डिफेंस आफ इंडिया रूल्स' के अंतर्गत 100,000 से अधिक लोगों को बिना सुनवाई के गिरफ्तार किया गया। इनमें से बहुसंख्य राजनीतिक विरोधी, ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता, छात्र नेता, पत्रकार व एक्टिविस्ट थे। निरोधक नजरबंदी सामान्य बात हो गई थी और उसका प्रयोग विरोध को कुचलने तथा भय पैदा करने के लिए किया गया। इसके साथ ही शहरी विकास और जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर अनेक कदम उठाए गए। इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी द्वारा शुरू किए गए जबरन वंध्याकरण अभियानों के माध्यम से ज्यादातर गरीब लोगों पर निशाना लगाया गया। लाखों लोगों को जबरदस्ती व धमकी देकर वंध्य बना दिया गया। दिल्ली के तुर्कमान गेट में मलिन बस्तियों को ध्वस्त करने में अनेक लोगों की मौत हुई और उनको जबरन विस्थापित किया गया। सुरक्षा बलों ने यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे निवासियों पर गोली चलाई थी। भय के द्वारा विरोध कुचलने के लिए अत्याचार और क्रूरता का सहारा लिया गया। आपातकाल को व्यापक रूप से अधिकार स्थगित करने तथा बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों के रूप में जाना गया, पर इस ज्यादा परेशान करने वाले तथ्य को मोटेतौर से अनदेखा किया गया कि विरोध को कुचलने तथा राजनीतिक बंदियों का साहस तोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर शारीरिक व मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न का सहारा लिया गया। हजारों एक्टिविस्टों, छात्रों तथा विपक्षी कार्यकर्ताओं को न केवल जेलों में बंद किया गया, बल्कि हिरासत में उनके साथ क्रूर एवं अपमानजनक व्यवहार किया गया जो स्पष्ट रूप से मूलभूत मानव गरिमा तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन था।

सर्वाधिक भयानक घटनाओं में लारेंस फर्नान्डीज़ व सुरेश कुमार का उत्पीड़न है। ये दोनों राजनीतिक एक्टिविस्ट तथा सरकार के मुखर आलोचक थे। जार्ज फर्नान्डीज़ के भाई लारेंस फर्नान्डीज़ सोशलिस्ट पार्टी के सक्रिय सदस्य थे ओर उनको बड़ौदा डायनामाइट कांड में गिरफ्तार किया गया था जिसे पूरी तरह से राज्य के खिलाफ गलत ढंग से विध्वसंकारी योजना के रूप में पेश किया गया था। उनका उत्पीड़न किया गया, बिजली के झटके दिए गए तथा लंबे समय तक तनहाई में बंद रखा गया। लेकिन उत्पीड़न के बावजूद लारेंस फर्नान्डीज़ ने राजनीति से प्रेरित और आधारहीन आरोपों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। एबीवीपी से जुड़े युवा छात्र सुरेश कुमार को बैंगलुरू से गिरफ्तार किया गया तथा उनके साथ कठोर व अमानवीय व्यवहार किया गया। इसी प्रकार असंख्य लोगों की व्यस्थित रूप से पहचान कर उनमें भय पैदा करने के लिए उनके साथ कठोर व्यवहार किया गया। आपातकाल लागू करने में संवैधानिक मानकों तथा प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई। आपातकाल की जिस तरह घोषणा की गई और उसे बनाए रखा गया वह संवैधानिक प्रक्रियाओं की खुली अनदेखी थी। अनुच्छेद 352 के अनुसार राष्ट्रपति को कैबिनेट की सलाह से काम करना होता है। लेकिन आपातकाल लागू करने के पहले कैबिनेट से सलाह तक नहीं ली गई। राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने केवल इंदिरा गांधी की संस्तुति पर देर रात यह घोषणा जारी कर दी और इस प्रकार कैबिनेट की सामूहिक जिम्मेदारी के संवैधानिक प्राविधान का उल्लंघन किया। एकपक्षीय रूप से कानून पास किए गए। इनमें सर्वाधिक विकृत उदाहरण संविधान का 42वां संशोधन था जिसका मूल उद्देश्य संविधान को कार्यपालिका के पक्ष में बदल देना था। 42वें संशोधन कानून, 1976 को 'मिनी संविधान' कहा जाता है क्योंकि यह भारत के इतिहास का सर्वाधिक व्यापक संविधान संशोधन था।

इसके माध्यम से न्यायपालिका का समीक्षा का अधिकार छीन लिया गया तथा राष्ट्रपति का मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना अनिवार्य बना दिया गया। इसके माध्यम से संविधान की उद्देशिका में 'समाजवादी' व 'पंथनिरपेक्षता' शब्द शामिल किए गए, विधायिकाओं का कार्यकाल तथा आपातकाल का विस्तार 5 से 6 साल किया गया। इसके साथ ही संविधान के किसी संशोधन को न्यापालिका के दायरे से बाहर रखा गया। लेकिन प्रक्रियागत तोड़फोड़ इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि संशोधन को जल्दी से पेश कर पास कराया गया। यह विधेयक संसद में शनिवार 1 नवंबर, 1976 को पेश किया गया और दो दिन के भीतर न्यूनतम बहस तथा विपक्ष की अनुपस्थिति या बहिष्कार के बीच इसे दोनों सदनों द्वारा पास करा लिया गया। इसकी घोषणा रविवार, 19 दिसंबर, 1976 को जारी की गई। शनिवार को संसद खोलने का निर्णय अभूतपूर्व था और यह काम संशोधन को मीडिया व राजनीतिक ध्यानाकर्षण से बचाने के लिए किया गया। आपातकाल में सभी प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं को गिरफ्तार किया गया जिनमें भारतीय जनसंघ, समाजवादी, कांग्रेस-ओ तथा ट्रेड यूनियन नेता शामिल थे। नेताओं में सरकार के खिलाफ जनान्दोलन के जनक जयप्रकाश नारायण-जेपी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी तथा जनसंघ के अन्य नेता शामिल थे। जार्ज फर्नान्डीज़ की गिरफ्तारी और सुनवाई सनसनीखेज बड़ौदा डायनामाइट कांड में हो रही थी। इसके पीछे स्पष्ट उद्देश्य विश्वनीय विपक्ष को कुचलना तथा बिना चुनौती के शासन करना था। 1975 का आपातकाल जर्मनी में 1930 के दशक में एडोल्फ हिटलर के तानाशाही शासन की तरह था। 1975 का आपातकाल केवल कानून-व्यवस्था का अस्थाई स्थगन होने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा पर संपूर्ण हमला था। इसने दिखाया कि संविधानवाद की भावना समाप्त होने पर विधिक उपकरणों से लोकतंत्र को आसानी से विकृत किया जा सकता है। यह हमारे लिए एक कठोर चेतावनी के रूप में सामने आता है कि लगातार सतर्कता स्वतंत्रता के लिए जरूरी है।

डॉक्टरों के स्वास्थ्य के बारे में भी सोचें

> "इस डॉक्टर्स डे पर हमें यह याद रखना चाहिए कि डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के बिना हमारी जिंदगी अधूरी है और उनकी देखभाल हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।"

डॉ. राहुल भार्गव
(लेखक फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट में निदेशक हैं)

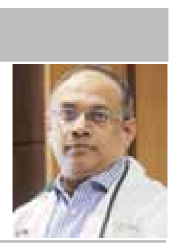

हर साल की तरह इस बार भी जुलाई की पहली तारीख को हम डॉक्टर्स डे मना रहा हैं और मास्क के पीछे देखभाल करने वालों की देखभाल की थीम पर आधारित इस डॉक्टर्स डे को मैं बेहद अहमियत भरा देखता हूं। यह थीम न सिर्फ डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ सहित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों के योगदान को पहचानने का एक तरीका उद्धृत करता है बल्कि बीते दशक से शुरू में आए कोविड19 या कोराना से शुरू हुई महामारी के दौरान उनके संघर्ष, बलिदान और निःस्वार्थ सेवा भाव को भी उजागर करता है। एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि जैसे-जैसे अंतर महाद्वीपीय रूप में कोरोना फैला, हर वर्ग के लोगों ने मास्क की अहमियत और उसकी आवश्यकता को भी पहचाना। इसमें कोई दो राय नहीं कि मास्क के पीछे देखभाल करने वालों की देखभाल का संदेश बहुत गहरा और व्यापक होने के साथ ही भावनात्मक भी है जो कोविड19 महामारी में डॉक्टरों और नर्सों द्वारा किए गए अद्वितीय कार्यों को समर्पित है, बल्कि यह उनके निरंतर संघर्ष की ओर भी इशारा करता है, जिनकी देखभाल से हम सभी को जीवन मिलता है। यह थीम उन स्वास्थ्य कर्मियों की भी देखभाल की आवश्यकता को दिखाती है, जो हमेशा दूसरों के इलाज में व्यस्त रहते हैं, लेकिन अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की ओर कम ध्यान देते हैं।

जब हम डॉक्टरोंए, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों की बात करते हैं तो हमें याद रखना चाहिए कि यह लोग न केवल अपने मरीजों के लिए बल्कि समाज के लिए भी जीवन रक्षक होते हैं। कोविड19 जैसे वैश्विक संकट के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों की देखभाल की। मास्क और पीपीई किट्स के पीछे उनके चेहरे छिपे होते थे लेकिन उनके दिल में सिर्फ एक ही भावना थी- मानवता की सेवा। उस महामारी में देखभाल करने वाले पेशेवरों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की अक्सर अनदेखी की

जाती रही। वे थककर चूर हो गए फिर भी उन्होंने अपने कर्तव्यों को सहर्ष निभाया। ऐसे में इस थीम के द्वारा यह संदेश दिया जा रहा है कि हमें उनके आत्मबलिदान और संघर्ष को पहचानने के साथ-साथ उनकी देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में भी सोचना चाहिए।

डाक्टर्स डे का एक मतलब यह भी है कि हमें डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता और समर्थन बढ़ाने की जरूरत है। जब वे दिन-रात काम कर रहे होते हैं तो उनके पास खुद के लिए समय नहीं होता। उनके लिए एक मानसिक और शारीरिक पुनर्संतुलन की आवश्यकता है ताकि वे अपने पेशेवर कर्तव्यों को पूरा कर सकें। इस थीम के माध्यम से हम यह संदेश देते हैं कि हमें केवल मरीजों का ही ध्यान नहीं रखना चाहिए बल्कि उन पेशेवरों की देखभाल करनी चाहिए जो हमें स्वस्थ रखने के लिए हर दिन अपनी जान की बाजी लगाते हैं। इस विचारधारा को बढ़ावा देने से हम स्वास्थ्य क्षेत्र में एक स्थिर और सहयोगात्मक माहौल बना सकते हैं।

कोविड19 जैसी महामारी में काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य एक बहुत बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया। जब वे लगातार संक्रमण के खतरे में रहते हुए दूसरों का इलाज करते हैं तो उनके मनोबल को बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना अब पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। इस थीम का उद्देश्य यह भी है कि हम उनके मानसिक स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशील हों और उन्हें पर्याप्त समर्थन प्रदान करें। कोविड महामारी के दौरान एक वर्ग ऐसा था जो आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में लगा हुआ था और उसमें मीडिया भी एक था, उस दौरान न सिर्फ प्रिंट व आनलाइलन बल्कि अनेक इलेक्ट्रॉनिक मीडियाकर्मियों से मैं व्यक्तिगत तौर पर मुखातिब हुआ। उस दौरान जिन लोगों से मैं मिला उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों के संघर्ष को भलीभांति समझा मौजूदा समय में जब उस दौर के विचारों को उनके साथ हम साझा करते हैं तो डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के समर्पण का जिक्र जरूर होता है।

डॉक्टर्स डे-2025 की यह थीम हमें यह समझने का अवसर देती है कि स्वास्थ्य कर्मियों का काम बहुत ही चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण होता है। उनके पास समय की कमी होती हैए फिर भी वे अपने मरीजों को पूरी तरह से समर्थन और सहानुभूति प्रदान करते हैं। यह थीम हमें यह सिखाती है कि समाज को डॉक्टरों के प्रति सहानुभूति दिखानी चाहिए और उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जाने चाहिए। इस थीम के माध्यम से हम यह संदेश भी प्राप्त करते हैं कि हमें स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। उनके संघर्ष और बलिदान को पहचानते हुएए समाज को उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उनका काम सिर्फ एक पेशेवर जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह समाज के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण का प्रतीक है।

अंत में मैं यही कहूंगा कि 2025 की डॉक्टर्स डे की थीम न केवल हमारे स्वास्थ्य कर्मियों के योगदान को सम्मानित करने का एक तरीका है बल्कि यह एक कड़ा संदेश भी है कि हमें उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए। वे हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी सेवा करते हैं इसलिए उनकी देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी बनती है। मैं लोगों से आग्रह भी करना चाहूंगा कि इस दिन हमें स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें सभी आवश्यक सहायता मिल रही है ताकि वे अपना काम निडर होकर और पूरी निष्ठा के साथ कर सकें। इस डॉक्टर्स डे पर हमें यह याद रखना चाहिए कि डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के बिना हमारी जिंदगी अधूरी है और उनकी देखभाल हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

आप की बात

पुरी में भगदड़

पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ धाम में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ से तीन श्रद्धालुओं की मौत व 50 से अधिक घायल होने की खबर चिंताजनक है। देश में ऐसे आयोजनों के दौरान भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। हमारे देश में ही भगदड़ के कारण होने वाली घटनाओं की फेहरिस्त बहुत लंबी है। यह तो जगजाहिर बात है कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में बड़ी संख्या में देश व विदेश से श्रद्धालु आते हैं। तो भीड़ नियंत्रण के आवश्यक ठोस उपायों को अपनाया जाना था। साथ ही दुखद तथ्य है कि यहां पर भी वीआईपी संस्कृति फिर भारी पड़ी है। आखिरकार ऐसे अवसरों पर यह वीआईपी कल्चर क्यों नहीं रोका जाता है। भगदड़ का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि ट्रक के घुसने से यह घटना घटी। सवाल है कि श्रद्धालुओं की इतनी संख्या होने के बावजूद उस रास्ते पर ट्रक जाने से क्यों नहीं रोका गया? ऐसे आयोजनों व अवसरों पर जवाबदेही तय होना बहुत जरूरी है। देश में बार-बार ऐसी घटनाओं को देखते हुए एक मानक कार्रवाई प्रक्रिया बना कर उसका सभी राज्यों में जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन होना चाहिए। बड़े धार्मिक आयोजनों में ऐसी घटनायें भारत की छवि सारी दुनिया में खराब करने का काम कर सकती हैं। इनसे बचना होगा।

– **हेमा हरि उपाध्याय,** उज्जैन

जातीय वैमनस्य को हवा

राष्ट्र के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में एक ऐसा वर्ग सक्रिय हो चुका है जिसका कार्य ही समाज में जातीय वैमनस्य को बढ़ावा देना है। यदि ऐसा न होता तो देश भर में घटित होने वाली आपराधिक घटनाओं में वह पीड़ित या अपराधी की जाति न खंगालता तथा छोटी-छोटी घटनाओं को जातीय रंग देकर समाज में वैमनस्य फैलाने का दुस्साहस न करता। लम्बे समय से देखा जा रहा है कि कुछ षड्यंत्रकारी शक्तियां सनातन संस्कृति में साझा समरसता को खंडित करने हेतु कभी यादव और ब्राह्मणों के बीच संघर्ष के बीज बोते हैं, कभी राजपूत और अन्य जातियों के बीच नफ़रत की दीवार खड़ी करने का प्रयास करते हैं। विघटनकारी शक्तियां केवल सनातन संस्कृति में जीवन यापन कर रहे हिन्दुओं के मध्य ही अगड़ा, पिछड़ा, दलित. सवर्ण की खाई चौड़ी करने में जुटी हैं। यदि ये आपराधिक घटनाएं तथाकथित विघटनकारी तत्वों की जाति तथा गैर हिन्दुओं के मध्य घटित होती हैं तब ऐसे तत्व चुप्पी साध जाते हैं। इससे इनकी नीयत और नीति का खुलासा स्पष्ट रूप से हो जाता है। इसकी जितनी निंदा की जाएए वह कम है। ऐसे विघटनकारी तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के साथ सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है।

– **सुधाकर आशावादी,** मेरठ

गौ संरक्षण का प्रयास

भारत संस्कार और संस्कृति वाला देश है। इस पावन भूमि पर गाय को हमारी माता का दर्जा मिला है और समय-समय पर गौ पूजन भी होता है। गायों के उचित सरक्षण और देखभाल के लिए मध्य प्रदेश की गौशालाओं मे अब गायों की डिजिटल तरीके से हाजिरी लगेगी। पशुपालन विभाग ने इस दिशा मे नई तकनीक लागू कर प्रदेश की करीब 4 लाख गायों के शरीर मे माइक्रो चिप लगाई जाएगी। चिप मे हर गाय की पूरी जानकारी दर्ज होंगी! जैसे उसकी नस्ल, उम्र, गर्भधारण की स्थिति, दुधारू क्षमता और गौशाला मे आने की तारीख। इसके साथ ही गली, मोहल्लों, सड़कों और चौराहो पर लावारिस गायों के संरक्षण के प्रयास भी होने चाहिए। इनके कारण कई बार यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटना की परिस्थिति निर्मित हो जाती है। पशु पालकों को सख्त हिदायत दी जानी चाहिए कि वे अपनी गायों को इस प्रकार सड़कों पर घूमने के लिए न छोड़ें। लावारिस गायों को गौशालाओं में ले जाने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों की टीम बनाई जानी चाहिए। इसमें गौ संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं व स्वयंसेवकों का सहयोग भी लिया जाना चाहिए। गौ संरक्षण के प्रयासों को व्यापक बनाने और जनता तक पहुंचाना जरूरी है।

– **योगेश जोशी,** बड़वाह

ओडिशा में त्रासदी

ओडिशा के पुरी में भगवान् जगन्नाथ की रथयात्रा में प्रशासन की बदइंतजामी के चलते 3 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई और 100 से अधिक घायल हो गए। हमारा देश धर्मप्राण देश है, जहाँ धार्मिक आयोजन, उत्सव व त्यौहार बड़े पैमाने पर धूमधाम से मनाये जाते हैं। कहीं एक दिन तो कहीं एक से अधिक दिन व कहीं हजारों तो कहीं लाखों की भीड़ उत्सवों में बनी रहती है। यह बात स्थानीय प्रशासन से लेकर सरकार तक को मालूम रहती है और उसकी पूरी जिम्मेदारी भी उसी की होती है ताकि उत्सव, त्यौहार, आयोजन सानंद संपन्न हो सके। ऐसे में सवाल है कि प्रशासन व सरकार के नुमाइंदे आखिर इतने लापरवाह क्यों हो जाते हैं कि अक्सर आयोजन में भगदड़ मच जाती है और अनहोनी हो जाती हैं। क्यों नहीं आयोजन के अनुसार सुरक्षा का माकूल इंतजाम किया जाता है? जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी सही तरह से क्यों नहीं निभा पाते हैं? ऐसी भगदड़ वाली घटनाओं की त्वरित जांच कर दोषियों को फौरन सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके। केवल मुआवजे की घोषणा समस्या का समाधान नहीं है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

जानवर जीवन धन हैं, पशु शब्द का इस्तेमाल ठीक नहीं: मुर्मु

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/बरेली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि जानवरों के लिए पशु शब्द का इस्तेमाल करना ठीक नहीं है। मुर्मु ने जानवरों को जीवन धन करार दिया।

राष्ट्रपति ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा, जानवरों के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए पशु शब्द ठीक नहीं लगता। उनके बिना हम जिंदगी सोच नहीं सकते। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं और ऋषि-मुनियों का संवाद होता है। यह मान्यता भी इस सोच पर आधारित है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं। मुर्मु ने जैव विविधता के महत्व को दर्शाते हुए, कहा कि आईवीआरआई जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। उन्होंने अपने बचपन की किस्सों का उदाहरण देते हुए कहा, हम जब छोटे थे तब बहुत सारे गिद्ध थे, लेकिन आज गिद्ध लुप्त हो गए हैं। मुर्मु ने कहा, मुझे लगता है कि गिद्ध के विलुप्त होने के पीछे पशु चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली रासायनिक दवाओं की भूमिका है। बहुत सारे कारणों में यह भी एक कारण है। ऐसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाना गिद्धों के संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम है। उन्होंने दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया और कहा, कई प्रजातियां विलुप्त हो रहीं हैं या विलुप्त होने की कगार पर हैं। इन प्रजातियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत ही आवश्यक है। आईवीआरआई जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। मुर्मु ने समारोह में मौजूद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, आज पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर काफी गर्व महसूस कर रहीं हूं। बेटियां अन्य क्षेत्रों की तरफ पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह बहुत ही शुभ संकेत है।

मुर्मु ने महिलाओं से आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि गांवों में पशुओं, गायों की सेवा मां-बहनें करती थीं, क्योंकि माता-बहनों से उनका जुड़ाव है। राष्ट्रपति ने कहा, आप (विद्यार्थियों) सबने बेजुबान पशुओं की चिकित्सा को करियर के रूप में चुना है और मैं चाहती हूं कि आपमें कल्याण की भावना बनी रहे और मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी इसी मूल भावना से कार्य करते रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सलाह है कि जब भी आपके सामने दुविधा का क्षण आए, आप उन बेजुबान पशुओं के बारे में सोचिए जिनके कल्याण के लिए आपने शिक्षा ग्रहण की है, आपको सही मार्ग जरूर दिखाई देगा।

उन्होंने पशु चिकित्सा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, प्रौद्योगिकी अन्य क्षेत्रों की तरह पशु चिकित्सा एवं देखभाल में भी क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से देशभर के पशु चिकित्सकों को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम अनुक्रमण, एंब्रियो ट्रांसफर टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी प्रौद्योगिकी के प्रयोग से इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, विश्वभर के प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों में सेवारत यहां (आईवीआरआई) के पूर्व विद्यार्थी भी इस कार्य में आपका मार्गदर्शन कर सकते हैं।

राष्ट्रपति गोरखपुर में आज करेंगी यूपी के पहले आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण

● आयुर्वेद, यूनानी व होम्योपैथ की ओपीडी पहले से जारी, अब पंचकर्म व शल्य चिकित्सा की भी मिलेगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

भटहट के पिपरी में बना यूपी का पहला महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय आयुर्वेद समेत प्राचीन व परंपरागत आयुष विधाओं की चिकित्सा और इनसे जुड़ी शिक्षा का केंद्र ही नहीं बनेगा बल्कि इसके जरिये रोजगार के नए द्वार भी खुलने जा रहे हैं। गोरखपुर में मेडिकल टूरिज्म, औषधीय पौधों की आयसर्जक खेती की संभावना को धरातल पर उतारने में यह विश्वविद्यालय बड़ी भूमिका निभाने को तैयार है। आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण मंगलवार (एक जुलाई) को पूर्वाह्न देश की प्रथम नागरिक, महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु करेंगी।

आयुष पद्धति से चिकित्सा, शिक्षा और मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। सीएम योगी के विजन से धरातल पर उतरे इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था जबकि लोकार्पण एक जुलाई 2025 को वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों होने जा रहा है। दोनों आयोजनों में राष्ट्रपति को गोरखपुर बुलाने का श्रेय योगी आदित्यनाथ के नाम दर्ज हुआ है। यह आयुष विश्वविद्यालय भटहट क्षेत्र के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बना है। इसकी स्वीकृत लागत 267.50 करोड़ रुपये है। आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण भले ही मंगलवार को होने जा रहा है लेकिन यहां आयुष ओपीडी का शुभारंभ 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जा चुका है। हाल के दिनों में सायंकाल के सत्र में भी ओपीडी चलने लगी है। प्रतिदिन यहां आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की ओपीडी में औसतन 300 मरीज परामर्श लेते हैं। ओपीडी शुभारंभ के बाद अब तक करीब सवा लाख से अधिक लोग आयुष चिकित्सकों से परामर्श लाभ ले चुके हैं। लोकार्पण के बाद अस्पताल (आईपीडी, ओटी) शुरू होने से आयुष पद्धति से उपचार की बेहतरीन सुविधा भी उपलब्ध होने लगेगी। आयुष विश्वविद्यालय में 28 कॉटेज वाला बेहतरीन पंचकर्म भी बनकर तैयार है और जल्द ही लोगों को पंचकर्म चिकित्सा की भी सुविधा मिलने लगेगी।

एमजीयूजी में भी होगा राष्ट्रपति का आगमन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुपालन हो, ग्लोबल डिमांड वाले रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन हो, रियायती दर की मॉडर्न मेडिसिन-आयुर्वेद की उत्कृष्ट चिकित्सा हो, नवाचार को बढ़ावा देना हो, अनुशासनबद्ध परिसर संस्कृति हो या फिर पर्यावरण संरक्षण, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) नए प्रतिमान गढ़ने की ओर अग्रसर है। यह देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां छात्र संसद का चुनाव स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन कराया गया। यह विश्वविद्यालय अब पूरे परिसर को सौर ऊर्जा से संचालित करने की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाने में जुटा हुआ है। चार साल की उपलब्धिपूर्ण शैक्षिक यात्रा में इस विश्वविद्यालय की गौरवगाथा में मंगलवार (एक जुलाई) को नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। एमजीयूजी निजी क्षेत्र का संभवत: प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय होगा जहां सिर्फ चार साल के दौरान दूसरी बार राष्ट्रपति का कार्यक्रम होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु एमजीयूजी में नवनिर्मित अकादमिक भवन, करीब 1500 लोगों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम, विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

प्रदेश में अब तक 14.47 लाख से ज्यादा श्रमिकों का हुआ रजिस्ट्रेशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा श्रमिकों का नियमानुसार यूपी बिल्डिंग एण्ड अदर कन्स्ट्रक्शन वेलफेयर बोर्ड (भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। बीओसी डब्ल्यू बोर्ड के तहत मिलने वाले लाभ से श्रमिक वंचित न रहें, इसलिए मनरेगा योजना के अतंर्गत जॉबकार्ड धारकों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिये गये हैं। भवन एवं अन्य सन्निर्माण प्रक्रिया से जुड़े श्रमिकों एवं मनरेगा श्रमिकों का पंजीयन किया जा रहा है। पंजीकृत श्रमिक को ही उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं का हित लाभ देने की कार्यवाही की जा रही है। पंजीकरण के बाद श्रमिकों को सुविधाएं व योजना का लाभ देने की कार्यवाही की जाती है। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसाअतंर्गत पात्र से जुड़े प्रत्येक वह श्रमिक जो 90 दिन का कार्य पूर्ण कर चुके हों, उनका बोर्ड में रजिस्ट्रेशन कराये जाने के निर्देश पूर्व मे ही दिये गये हैं। प्रदेश में 14.47 लाख से ज्यादा मनरेगा श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन बोर्ड मे कराया जा चुका है, शेष श्रमिकों का भी रजिस्ट्रेशन कराने हेतु निर्देशित किया गया है। उल्लेखनीय है कि बोर्ड की योजनाएं श्रमिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए चलाई जा रही हैं। इनमें मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, आवासीय विद्यालय योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना और महात्मा गांधी पेंशन योजना, आपदा राहत सहायता योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना, पं. दीनदयाल उपाध्याय चेतना योजना शामिल हैं।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत: मुख्यमंत्री

● आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की शोधकर्ताओं की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बरेली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में शोधकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। आप जैसे वैज्ञानिक उस मूक प्राणी की आवाज बनते हैं जिसे दुनिया सुन नहीं पाती। आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को 24 पदक और 576 स्नातक डिग्री की उपाधियां वितरित कीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली को भारत की पौराणिक और आध्यात्मिक नगरी बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राचीन काल में पांचाल देश के रूप में विख्यात था और यहां देवाधिदेव महादेव के सात प्राचीन मंदिरों की श्रृंखला 'नाथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित की जा रही है। बाबा अलखनाथ, वनखंडी नाथ, त्रिवटी नाथ, तपेश्वर नाथ, मढ़ी नाथ, धोपेश्वर नाथ और श्री पशुपाति नाथ मंदिर बरेली की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जहां मंदिरों की श्रृंखला इस नगर को आध्यात्मिक पहचान देती है, वहीं आईवीआरआई ने इसे आधुनिक वैज्ञानिक पहचान प्रदान की है।

सीएम योगी ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब आटीपीसीआर जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर 2 लाख से अधिक कोविड जांच करवाईं। सीएम योगी ने कहा कि आईवीआरआई की प्रतिबद्धता यह दिखाता है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है।

दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन आपके जीवन का एक नया अध्याय है। यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि समाज को आपकी सेवा समर्पित करने की शपथ है। आपकी यह यात्रा राष्ट्र के भविष्य निर्माण में निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में कौन कैसे खड़ा होता है, यही उसकी पहचान तय करता है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी जी की कविता को उद्धृत करते हुए कहा, मुख्यमंत्री योगी ने छात्रों से अपेक्षा जताई कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएं।

एक लाख का ईनामी संदीप मुठभेड़ में ढेर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

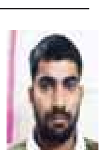

हरियाणा निवासी और कानपुर जिले से एक लाख का ईनाम घोषित अपराधी संदीप एसटीएफ के साथ बीती देर रात बागपत के कोतवाली क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान मारा गया। मुठभेड़ में गोली लगने से संदीप जख्मी हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार संदीप कानपुर के थाना पनकी के लगभग चार करोड़ की निकिल प्लेट सहित ट्रक लूटने की घटना में वांछित चल रहा था। इसी मामले में उसके ऊपर ईनाम घोषित था। संदीप अपने गिरोह के साथ हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों की हत्या लूट की बड़ी-बड़ी वारदाते अंजाम देता था। अभी तक उसके द्वारा चार से अधिक ट्रक ड्राइवरों की हत्या करके सामान सहित ट्रक लूटने की बात प्रकाश में आई है। इस पर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा में ट्रक ड्राइवरों की हत्या करके समान सहित ट्रक लूटने और हाईवे पर लूट डकैती के 16 से अधिक केस दर्ज हैं।

भाजपा सरकार नहीं चाहती कि गरीब के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण कर सकें: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और पार्टी की विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' कहा है कि आज दुनिया शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, आधुनिक तकनीक और शिक्षा की बदौलत ही आज युद्ध का स्वरूप बदल गया है। तकनीक और वैज्ञानिक शिक्षा के कारण ही बिना दुश्मन की धरती पर गये हजारों किमी. दूर बैठे- बैठे भारत जहां अपने लक्ष्य को भेद रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की सरकारें स्कूलों का मर्जर करके उपलब्ध शिक्षा को भी आम आदमी की पहुंच से दूर कर रही है।

नेता द्वय ने कहा है कि जब देश आजाद हुआ था तब शिक्षा पर सर्वाधिक जोर दिया गया था और गांवों में प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाईस्कूल और इण्टर कालेज खोले गये थे, जिससे गरीब का बेटा और बेटी भी आसानी से शिक्षा ग्रहण कर सके, किन्तु भा.ज.पा. सरकार नहीं चाहती कि प्रदेश व देश के गरीब की बेटी और बेटा भी शिक्षा ग्रहण कर सके। इसीलिए अब उत्तर प्रदेश में मर्जर का नाम देकर प्राथमिक विद्यालयों को बन्द किया जा रहा है। नतीजा यह होगा कि गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए लम्बी दूरी तय करनी होगी, और वह शिक्षा से वंचित हो जोयगा ।

नेता द्वय ने कहा है कि ये जो उल्टा चक्र चलाकर सरकार द्वारा गरीब व मध्यम वर्ग के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। ये निन्दनीय है हम इसकी भर्त्सना करते हैं, यह प्रगति को रोकने वाला कदम है। सरकारी स्कूलों के बन्द होने के बाद प्राइवेट स्कूल खुलेंगे, उनमें ट्रेंड व शिक्षित शिक्षक नहीं होंगे, फीस अधिक होगी, और गरीब व्यक्ति अपनी बेटी व बेटा को नहीं पढ़ा पाएगा।

भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को नष्ट करने पर तुली: अखिलेश

● सपा मुख्यालय में मनाई गई वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय सोमवार को सन् 1857 की क्रांति की नायिका वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती मनाई गई। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। उन्होंने कहा कि ऊदा देवी ने 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारकर पहले स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई थी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में आए पार्टी कार्यकर्ताओं को डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को नष्ट करने पर तुली है। भारतीय संविधान को खतरा है। स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों की सुरक्षा, नागरिक आजादी, सामाजिक एकता और भाईचारा बनाए रखना आवश्यक है। समाजवादी पार्टी पीडीए के माध्यम से भाजपा की साजिशों को शिकस्त देने के लिए कृत संकल्प है। यादव ने कहा कि भाजपा सामाजिक आर्थिक गैरबराबरी को समाप्त करना नहीं चाहती है। समाज को बांटने और उसमें नफरत का जहर घोलने में लगी है। राष्ट्र को कट्टरपन की ओर ले जाना उसका एजेंडा है। समाजवादी पार्टी सामाजिक सौहार्द और समानता की पक्षधर है। भाजपा समाजवादी पार्टी को बदनाम करने और जातियों के बीच विद्वेष फैलाने में लगी है। भाजपा से सावधान रहना है। यादव ने कहा कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। वह बाबा साहब के दिये आरक्षण को समाप्त करना चाहती है। निजीकरण और आउटसोर्स भर्ती पर इसी के लिए जोर देती है। समाजवाद और पंथनिरपेक्षता संविधान की आत्मा है। समाजवादी पार्टी ने जो विकास कार्य किये थे उसे भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया है। जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास के संरक्षण के लिए बना है। भाजपा सरकार ने उसे खंडहर बना दिया है। इस शानदार बिल्डिंग को भाजपा बेचना चाहती है तो समाजवादी पार्टी उसे खरीदने को तैयार है।

सपा मुखिया के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर केजीएमयू में रक्तदान शिविर लगाया

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस को लोक कल्याण के रूप में मनाते हुए सोमवार को जन्मदिन की पूर्व संध्या पर कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी समाज के नेताओं और युवाओं ने किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. तुलिका चंद्रा, डॉ. वेद प्रकाश समेत दर्जनों डॉक्टर शामिल रहे। रक्तदान शिविर में 107 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर यादव ने कहा कि रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए हम कुशवाहा, मौर्य, शाक्य, सैनी समाज सहित पीडीए परिवार के समर्पित कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते है। उन्होंने कहा कि केजीएमयू देश ही नहीं बल्कि दुनिया का प्रतिष्ठित संस्थान है। यहां से निकले डॉक्टर पूरी दुनिया में है और लोगों की सेवा कर रहे है। मरीजो और पीड़ितों की जान बचा रहे है। जब दूर-दराज में इलाज नहीं मिल पाता है तब लोग इसी अस्पताल में आते है। इस संस्थान और डॉक्टरों के प्रति लोगों का भरोसा है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए के माध्यम से देश में एकता लाना चाहती है। सभी पीड़ित, दुखी, अपमानित परेशान लोगों को एक साथ लाने का प्रयास कर रही है। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, आकाश शाक्य, विधायक राम अवतार सैनी, बलराम मौर्य, फाखिर सिद्दीकी, फखरुल हसन चांद, राम सागर यादव, बक्कास अहमद, इरशाद अहमद, शब्बीर खान, प्रदीप कनौजिया, दामोदर मौर्य, विनीत कुशवाहा, महाराज सिंह शाक्य, संदीप सैनी, डॉ. संतोष वर्मा, दीपक सैनी, सत्येन्द्र मौर्य, समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में महिला समेत तीन को सजा

विधि संवाददाता। लखनऊ

मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में विशेष अदालत ने ममता सिन्हा, सौरभ साहू व अश्वनी कुमार को तीन वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपियों पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन के मुताबिक वर्ष 2003 से 2005 तक अमर नाथ साहू लखनऊ की जानकीपुरम शाखा में इलाहाबाद बैंक के प्रबंधक थे। उन्होंने फर्जी कागजों पर ओडी व ऋण वितरित किया तथा बैंक के नियमों की अनदेखी की। जिसकी वजह से बैंक को तीन करोड़ 20 लाख रुपए की क्षति हुई। इस मामले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। छह अक्टूबर 2017 को ईडी ने भी इसी आधार पर अमरनाथ साहू के अलावा सौरभ साहू, अश्वनी कुमार और ममता सिन्हा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच की।

डीजी अग्निशमन आदित्य मिश्रा व आईजी अभिसूचना विपिन कुमार सेवानिवृत्त

● डीजीपी ने पुलिस मुख्यालय में समारोह आयोजित कर दी विदाई, भेंट किया स्मृति चिन्ह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अधिवर्षता आयु पूरी करके डीजी अग्निशमन एवं आपात सेवाएं आदित्य मिश्रा और आईजी अभिसूचना मुख्यालय विपिन कुमार मिश्रा सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर पुलिस मुख्यालय में समारोह आयोजित कर डीजीपी राजीव कृष्ण ने दोनों अफसरों को विदाई दी और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

डीजीपी ने सेवाकाल के दौरान उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उनके एवं उनके परिवार के सुख, समृद्धि एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त डीजी/ चेयरमैन यूपीएसएसएससी एसएन साबत, डीजी रेणुका मिश्रा, डीजी होमगार्ड बीके मौर्य, डीजी प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा, आईजी ईओडब्लू नीरा रावत, एडीजी रेलवे प्रकाश डी द्वारा अपने संबोधन में आदित्य मिश्रा एवं डॉ. विपिन मिश्रा के सेवाकाल से सम्बन्धित संस्मरणो को साझा किया गया। आदित्य मिश्रा द्वारा अपन पुलिस परिवार, उप्र पुलिस के अपने बैचमेट एवं कनिष्ठों का आभार व्यक्त किया गया। डॉ. विपिन कुमार मिश्रा द्वारा भी पुलिस परिवार का आभार व्यक्त करते हुए सेवाकाल के दौरान के अपने अनुभवों को साझा किया गया।

उल्लेखनीय है कि आदित्य मिश्रा वर्ष 1989 में 'भारतीय पुलिस सेवा' में चयनित हुए। वर्ष 1999 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रस्थान कर गये। वर्ष 2007 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आए। वर्ष 2007 में डीआईजी, वर्ष 2010 में आईजी और वर्ष 2025 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आने के फलस्वरूप डीजी अग्निशमन एवं आपात सेवाएं के पद पर नियुक्त हुए। डॉ. विपिन कुमार मिश्रा जुलाई 2000 में प्रान्तीय पुलिस सेवा में आए थे। वर्ष 2014 में वह भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नत हुए। वर्ष 2022 में डीआईजी और वर्ष 2025 में आईजी के पद पर प्रोन्नत होने के उपरान्त आईजी अभिसूचना के पद नियुक्त हुए।

जनसमस्याओं का किया जाए त्वरित गति से निस्तारण: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय पर जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें लगभग 3 दर्जन जिलों से आए लोगों की समस्याओं और शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया।

मौर्य ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाए कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने लोगों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाए। उपमुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़, प्रयागराज, सिद्धार्थनगर, जौनपुर, सीतापुर, फतेहपुर, कानपुर देहात, पीलीभीत बाराबंकी व रायबरेली के जिलाधिकारी, लखीमपुर, बहराइच, व सुल्तानपुर के पुलिस अधीक्षक,सहित शासन के कई वरिष्ठ अधिकारियो से दूरभाष पर समस्याओं के निस्तारण के बावत वार्ता की। जमीन सम्बन्धी अधिकांश प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाए।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 1 जुलाई 2025

जनमानस की समस्याओं को लेकर ईओ से मिले व्यापारी

● सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर निराकरण की उठाई आवाज

फतेहपुर। आम जनमानस की समस्याओं को लेकर उत्तम उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नगर पालिका परिषद पहुंचकर अधिशाषी अधिकारी से मुलाकात की। उन्हें 07 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का निराकरण किए जाने की आवाज उठाई। प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी व जिलाध्यक्ष मनोज कुमार साहू की अगुवई में पदाधिकारी नगर पालिका परिषद कार्यालय पहुंचे। जहां ईओ को ज्ञापन सौंपकर बताया कि शहर क्षेत्र में बाहर से आने वाले लोगों को स्थानीय प्रमुख स्थलों की जानकारी हेतु चौराहों पर विभिन्न मुख्य संस्थानों का नाम लिखित दिशा सूचक बोर्ड स्थापित करने की आवश्यकता है। विभिन्न बाजारों में पार्किंग सुविधा, शौचालय, जीटी रोड में किनारों पर डिवाइडर बनाकर फुटपाथ एवं वाहन पार्किंग व्यापारी हित में अत्यंत आवश्यक है जिसे तत्काल आबंटित किया जाए। शहरी क्षेत्र में बने नालों द्वारा शहर की जल निकासी व समय-समय पर सफाई न होना एक गंभीर समस्या है। नालों की सिल्ट की सही से सफाई न होना एवं नालों में होल पास न होने या बंद होने के कारण वर्षा में सड़कों का पानी भर जाता है जो नालियों के माध्यम से घरों के अंदर घुस जाता है। मुख्य बाजारों में मीट मांस का बिकना एक गंभीर समस्या है। जहां विभिन्न खाद्य सामग्रियों के संक्रमित होने का खतरा बना रहता है, ऐसी दुकानों को एकांत जगह स्थानांतरित किया जाना आवश्यक है। शहर की विभिन्न गलियों के अंदर स्थित नालियों की सफाई सही ढंग से नियमित नहीं होती जिसके कारण सिल्ट और मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बना रहता है।

मातृभूमि योजना के तहत ग्राम विकास हेतु अब जनसहयोग से संभव होंगे जनोपयोगी कार्य

कानपुर देहात। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनसहयोग से विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मातृभूमि योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत देश व विदेश में निवास करने वाले कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था अपने गांव में विकास कार्य करवाने के लिए कुल लागत का 60 प्रतिशत दान देकर सहभागी बन सकते हैं। शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। डीएम के निर्देशों के क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी, विकास पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। योजना के अंतर्गत विद्यालय/ इंटर कॉलेज में कक्षाओं का निर्माण, स्मार्ट क्लासेस की स्थापना, सामुदायिक भवन, मैरिज हॉल (बारात घर), स्किल सेंटर, प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, उपचिकित्सा केन्द्र, उपकरणों की व्यवस्था, आंगनबाड़ी मध्यान्ह भोजन हेतु रसोईघर, भंडारण गृह, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, खेल स्टेडियम, ओपन जिम, सीसीटीवी, सर्विलांस सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, अन्त्येष्टि स्थल, जल उपचार एवं सीवरेज सिस्टम, ड्रेनेज, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, तालाब सौंदर्यीकरण, जल संरक्षण, बस स्टैण्ड, यात्री शेड, सोलर एनर्जी, स्ट्रीट लाइट, पेयजल व्यवस्था, एलईडी लाइट आदि कार्य कराए जा सकते हैं। पंचायत राज अधिनियम की धारा 15 के अंतर्गत अनुमन्य कार्य भी इस योजना के अंतर्गत किए जा सकते हैं।जिला पंचायत राज अधिकारी ने आगे बताया कि इस योजना के तहत इच्छुक दानकर्ता आवेदन कर सकते हैं। ग्रामवासियों, प्रवासी जनों व सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे इस योजना में भागीदारी सुनिश्चित कर अपने गांव को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने में सहयोग करें।

गजब-अधिकार न होने के बाद भी अफसर ने आउट सोर्सिंग कर्मी की सेवाएं की समाप्त

● सचिव बोर्ड ने मांगा था स्पष्टीकरण, सदर विधायक हमीरपुर ने शासन को पत्र लिखकर श्रम प्रवर्तन अधिकारी की बतायी थी काली करतूते, बहराइच तबादला मगर हमीरपुर से नहीं हो रहा अफसर का मोह भंग

हमीरपुर। आउटसोर्सिंग कर्मी की सेवाएं समाप्त कर श्रम प्रवर्तन अधिकारी अपने द्वारा बुने गये जांल में फंस गये है। अधिकारी को कर्मी को हटाने का कोई अधिकार न होने के बाद भी हटाये जाने से सचिव बोर्ड में अफसर से जबाव तलब किया है. वही सदर विधायक ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी असद खान को हटाने के लिये शासन से सिफारिश की थी। श्रम प्रवर्तन कार्यालय में कई महीनों से चल रहा घमासान थमने का नाम नही ले रहा है,हालाकि श्रम प्रवर्तन अधिकारी का तवादला दो सप्ताह पहले बहराइच हो गया है मगर अभी भी खान हमीरपुर कार्यालय में पूरी तरह दलालों से व्यवधान उत्पन्न कर रहे है। सचिव बोर्ड गजल भारद्वाज ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री खान से आउटसोर्सिग कर्मी सहायक लेखाकार विवेक प्रकाश को सेवा समाप्त करने पर नाराजगी जाहिर करते हुये जबाव तलब किया था सचिव का साफ कहना है कि कर्मी के हटाये जाने के लिये सेवा प्रदाता एजेंसी को सूचित करना चाहिये व उपश्रमायुक्त के स्तर से ठोस कार्यवाही करने के बाद ही बोर्ड को भेजना आवश्यक होता है मगर ऐसा न कर वोर्ड के आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रह है यही नही सदर विधायन मनोज प्रजापति ने शासन को पत्र लिखकर कहा था कि श्रम प्रवर्तन अधिकारी असद खान दलालो के माध्यम से शासकीय योजनाएं संचालित करते है और गरीब मजदूरों से धन वसूली करते है। सदर विधायक ने शासन से साफ कहा था कि जो गरीब श्रमिक रिश्वत नही दे पाते उनको योजनाओं का कोई लाभ नही दिया जाता है। सरकार की छवि खराब हो रही है इसी आधार पर शासन ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी का तवादला कर दिया था। शासन ने प्रभारी अनिल कुमार को बनाया है मगर खान का हमीरपुर से मोह अभी भी भंग नही हो रहा है और हमीरपुर कार्यालय में पूरी तरह दखलंदाजी कर रहे है। शासन ने आउटसोर्सिंग कर्मी से कहा है कि जब अधिकारी को हटाये जाने का अधिकार नही है तो वह अपनी डियूटी सामान्य रुप से करे मगर खान आउटसोर्सिंग कर्मी का अभी भी विरोध कर रहे है जिससे दफ्तर का माहौल खराब होता जा रहा है।

करंट से युवक की मौत, खागा विधायक पहुंची गांव

खागा, (फतेहपुर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत खैरई के मजरे लोधन का पुरवा में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। राम प्रताप लोधी के 22 वर्षीय पुत्र दिनेश कुमार लोधी की करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। इस दुखद सूचना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक दिनेश अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था, जिससे परिजनों पर दु:ख का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की जानकारी मिलते ही खागा विधानसभा की विधायक कृष्णा पासवान पीड़ित परिवार के आवास पर पहुंचीं। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्युत विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किए जाने की मांग की। पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। विधायक कृष्णा पासवान ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष सहित अन्य योजनाओं से आर्थिक सहायता दी जाए। साथ ही, उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष जांच करवाने की भी बात कही। इस दौरान खागा तहसीलदार, हल्का दरोगा, विद्युत विभाग के अधिकारी, भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। ग्रामीणों ने भी विधायक के समक्ष बिजली व्यवस्था में लापरवाही की शिकायत की और सुधार की मांग की। विधायक ने आश्वासन दिया कि दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सड़क हादसों में दो लोगा घायल

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अर्न्तगत हुए सड़क हादसों के दौरान किशोरी समेत दो लोग घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार गाजीपुर थाना क्षेत्र के बरौहा गांव निवासी सुनील की 11 वर्षीय पुत्री नन्दनी अपने घर बाहर खडी थी। तभी विपरित दिशा से आ रही चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गयी। इसी प्रकार सदर कोतवाली क्षेत्र के बिसौली गांव निवासी धर्मेन्द्र की 22 वर्षीय पत्नी सीता देवी अपनी मायके राधानगरा थाना क्षेत्र के ढकौली लालपुर गांव आयी थी। बताते है कि दोपहर वह सडक पार कर रही थी। इसी बीच विपरित दिशा से आ रही बस ने टक्कर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गयी। सूचना पाकर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

सीएमएस जिला चिकित्सालय ने पीएम जन औषधि केंद्र का औचक निरीक्षण

लखीमपुर.खीरी। जिला चिकित्सालय मोतीपुर ओयल में बने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर बाहर की दवाई बेचे जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, इसके बाद प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज खीरी व सीएमएस जिला चिकित्सालय द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का सोमवार को औचक निरीक्षण किया गया। सीएमएस डॉ आरके कोली ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिला चिकित्सालय खीरी प्रांगण में स्थित प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के वीडीयो में दर्शाया गया है कि जन औषधि केन्द्र पर बाजार की जरनल दवाएं मिलती हैं, विडीयो का संज्ञान लेते हुए सोमवार को प्रधानाचार्य स्वाशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय लखीमपुर खीरी एवं उनके द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गयाए जहां पर अधिकारियों को सारी जन औषधि योजना से संबंधित दवाएं मानकों के अनुरुप मिली। जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित विडियो केवल भ्रामक है और चिकित्सालय की छवि को धूमिल करने हेतु अराजक तत्वों के द्वारा प्रसारित किया जा रहा है।

मजार में जियारत कर रही महिला की तालाब में डूबने से मौत, मिर्गी की शिकायत थी

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र के ग्राम कम्हरिया में मस्तान शाह बाबा की मजार में एक सप्ताह से रह रही कानपुर की महिला की तालाब में डूब कर मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने मृतका के शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। चर्चा कि मृतका मिर्गी के रोग से पीड़ित थी। कानपुर नगर के दबौली निवासी आशिया निशा (42) पत्नी अब्दुल गफ्फार मिर्गी की बीमारी से पीड़ित थी। एक सप्ताह पूर्व वह क्षेत्र के कम्हरिया शरीफ स्थित मस्तान शाह बाबा की मजार में आकर वही रह अपनी बीमारी ठीक होने की मंशा से बाबा की जियारत कर रही थी। वह मस्तान शाह बाबा की मजार के बगल में स्थित तालाब में नहाने गई थी तभी पानी में डूब गई। लोगों ने उसे तालाब से बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मृतका के शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

क्विक न्यूज

एचटी लाइन की चपेट में आकर युवक मौत

फतेहपुर। हथगाम थाना क्षेत्र के जगन्नाथीपुर में ट्रक के पास खड़े एक युवक के ऊपर हाईटेंशन 11000 बिजली की तार गिरने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रात में ही पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। युवक ट्रक में कंडक्टर था। पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका लड़का 20 वर्षीय गुलाब सिंह ट्रक में कंडक्टर था। बीती रात ड्राइवर संतलाल अपने साढू के यहां ट्रक नंबर यूपी-11बीटी/4333 लेकर जगन्नाथीपुर ग्राम पंचायत मोहलिया आया था। ड्राइवर गांव के किनारे ट्रक को खड़ा कर अपने साढू के यहां चला गया। रात लगभग नौ बजे गुलाब सिंह ट्रक के पास खड़ा था तभी 11 हजार हाईटेंशन तार टूट कर उसके ऊपर गिर गया। तार ने युवक की गर्दन को लपेट लिया। जब तक गर्दन झुलस नहीं गई तार लिपटी रही। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर दुर्गेश प्रसाद गुप्त सीनियर सब इंस्पेक्टर विद्या प्रकाश सिंह सहित पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ लोग शव को सड़क पर रखना चाहते थे लेकिन बाद में बड़े बुजुर्गों और पुलिस प्रशासन के प्रयास से शव को थाने लाया गया। पुलिस ने पंचनामा कर आगे की कार्रवाई पूरी की। युवक की मौत की खबर लगते ही जगन्नाथीपुर गांव में हर व्यक्ति दुखी नजर आया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं थीं।

सार्वजनिक शौचालयों में ताला बंद होने से राहगीर परेशान

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बा कुरारा में नगर पंचायत द्वारा संचालित सामुदायिक शौचालय में ताला बंद रहने से लोगो इसकी सुविधा नहीं मिल पा रही है। शौचालय शो पीस बनकर रह गए हैं। सार्वजनिक स्थान पर बनें इन शौचालय का उपयोग राहगीर भी नहीं कर पा रहे हैं। कस्बा कुरारा के कृषि उत्पादन मंडी समिति में नगर पंचायत द्वारा सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाए गए शौचालय का ताला बंद रहने से मंडी आने वाले किसानों व अन्य लोगों को इसकी सुविधा नहीं मिल पा रही है। मंडी के अंदर मंडी समिति द्वारा कोई शौचालय निर्माण नहीं कराया गया है। यही एक मात्र शौचालय बना है। मंडी में आने वाले किसान व पल्लेदारों आदि की सुविधा के लिए बना सामु. शौचालय शो पीस बनकर रह गया है। थाने के सामने बने शौचालय में भी ताला बंद रहता है। बस स्टैंड के नजदीक होने के कारण राहगीरों को इसकी जरूरत होने पर काम चल जाता था। लेकिन इसमें भी ताला लगा रहता है। इसकी सुविधा लोगो को नहीं मिल पा रही है। इसी तरह नगर में बने सामुदायिक शौचालयों का हाल बेहाल है सरकार की स्वच्छ भारत मिशन योजना का हाल बेहाल है। कस्बावासियों ने इन सार्वजनिक शौचालयों के संचालन किए जाने की मांग की है।

आधार शिविर को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया

कानपुर देहात। प्रदेश सरकार की मंत्री व सदर विधायक प्रतिभा शुक्ला द्वारा जनहित में चल रहे आधार शिविर को अब 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया। मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भारतीय डाक विभाग एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को पुनः पत्र लिखकर कर उक्त शिविर को रनिया नगर पंचायत के माँ कनखिया देवी मंदिर प्रांगण में 01 जुलाई से 15 जुलाई तक बढ़ाये जाने के लिए आग्रह किया था। अनुमोदन मिलते ही यह शिविर अब पन्द्रह जुलाई तक चलेगा। यह शिविर अब तक कन्या जूनियर मा. विद्यालय रनिया में संचालित था। कैंप प्रतिदिन सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा। मंत्री ने बताया कि ग्यारह दिवसीय इस शिविर में अब तक लगभग तीन हजार से अधिक आधार कार्ड सम्बंधित समस्याओं का निराकरण किया गया है। शिविर में अत्यधिक संख्या में आ रहे लोगो की समस्याओं को देखते हुए शिविर को पुनः पन्द्रह दिवस के लिए बढ़ा दिया गया है। क्षेत्रवासी शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुचकर शिविर का लाभ उठायें।

करंट लगने से लाइन मैन जख्मी, अस्पताल में भर्ती

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बा कुरारा में मनकी स्टैंड के पास विद्युत लाइन ठीक कर रहे लाइनमैन को करेंट की चपेट में आने से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। कस्बा की विद्युत व्यवस्था की देखरेख के लिए मुन्ना लाइन मैन की तैनाती है। दोपहर में बरसात होने के बाद वह मनकी स्टैंड के समीप विद्युत लाइन ठीक करते समय करेंट की चपेट में आ गया। जिसको उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां उपचार किया जा रहा है। विद्युत विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते दो लाइनमैन की करेंट की चपेट में आकर मौत हो चुकी है।

फांसी लगा चालक ने दी जान

फतेहपुर। जहानाबाद कस्बा के सीएचसी में तैनात 26 वर्षीय चालक ने संदिग्ध अवस्था में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। कानपुर नगर के थाना बिधनू गांव कुशलपुर जामू निवासी अशोक कुमार का पुत्र विजय यादव जहानाबाद सीएचसी में चालक के पद पर तैनात था। बताते हैं कि बीती रात उसने कैम्पस में ही फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं पुलिस आत्महत्या का कारण पता लगा रही है।

बारिश में दीवार गिरने से पांच घायल, दो गंभीर

बिंदकी, (फतेहपुर)। बारिश के दौरान गली में बच्चे और युवा के नहा रहे थे। तभी अचानक कच्चे गारे व पक्की ईंट से बनी दीवार ढह गई। जिसके मलबे में पांच लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर भीड़ लग गई। एक बच्चे सहित दो गंभीर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार के नगर के मोहल्ला जहानपुर में बारिश के दौरान सोमवार को दिन में बच्चे व युवक गली में नहा रहे थे। तभी अचानक नईम के प्लाट के मिट्टी के कच्चे गारे तथा पक्के ईंट से बनी दीवार ढह गई। जिसके मलबे में जहानपुर मोहल्ले के रहने वाले अयान 5 वर्ष पुत्र मोहम्मद आरिफ, सचिन 30 वर्ष पुत्र अशोक, अरहान 10 वर्ष पुत्र मुन्ना, जैद 14 वर्ष पुत्र मुन्ना, अरुण 20 वर्ष घायल हो गए। जिसमें गंभीर घायल अयान व सचिन को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में भर्ती कराया गया।

निरीक्षण कर ज्वार बीज के एक एवं बाजरा के तीन नमूने ग्रहित किए

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देश के क्रम में कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए आज जिला कृषि अधिकारी एवं वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप एक प्रतिष्ठा यादव कि संयुक्त टीम के द्वारा अकबरपुर बाजार में औरैया एग्रो एजेंसी के प्रतिष्ठान पर अचौक निरिक्षण कर ज्वार बीज के एक एवं बाजरा के तीन नमूने ग्रहित किए गए ए ज्वार बीज के बिल तथा स्टॉक रजिस्टर ना प्रस्तुत करने के कारणए नोटिस जारी किया गयाए इसके बाद पुरवार खाद भंडार तिगाई अकबरपुर का निरीक्षण किया गयाए निरीक्षण में प्रोपराइटर के द्वारा उर्वरक प्राधिकार पत्र स्टॉक रजिस्टर वितरण रजिस्टर एवम पास मशीन पस्तुत कियाए जिसके मिलान करने पर अभिलेखों में त्रुटि पायी गयीए जिसके कारण पुरवार खाद भंडार तिगाई का उर्वरक प्राधिकार पत्र निलंबित किया गयाए इनके प्रतिष्ठान पर यूरियाए1459 बोरीए डीएपी 594 बोरी एवम एनपीके 90 बोरी पाई गईए जिससे डीएपी और एनपीके से एक.एक नमूना ग्रहित किया गयाए तिगी स्थित दिलीप खान भंडार का भी निरीक्षण किया गया जिसमें डीएपी 177 न्यू यूरिया 529 बोरी पाई गई डीएपी से एक नमूनाएग्रहित किया गया। समस्त उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि उर्वरक शिक्षकों को निर्धारित दर पर वितरण करें, साथ ही स्टॉक एवं वितरण रजिस्टर तथा रेट एवं स्टॉक बोर्ड अद्यतन रखें निर्देशों का पालन नहीं करने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी जिसके लिए आप खुद ही जिम्मेदार होंगे।

पहली मूसलाधार बारिश से नगर हुआ जलमग्न

बिंदकी, (फतेहपुर)। कस्बे में पहली मूसलाधार बारिश से मेन बाजार, अन्य मोहल्ले, तहसील के पीछे स्थित सड़के व नाली बारिश के पानी से जलमग्न हो गयी। नाली व सड़क का पानी लोगों के घरों व दुकानों के अन्दर घुसा। कई जगह स्थिति इतनी खराब हैं कि लोगों को आवागमन में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा हैं। बारिश के पानी के जलभराव व निकासी न होने से महामारी फैलने का खतरा हो सकता हैं। सड़कों व नालियों की सही प्रकार से साफ-सफाई की आवश्यकता हैं। नगर के अन्दर जल निकासी की एक जटिल एवं गम्भीर समस्या हैं जो दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। उपरोक्त समस्या काफी वर्षो से हैं। इन वर्षो के दौरान कई नपा परिषद अध्यक्ष में चयनित होकर आये उन्होंने उपरोक्त समस्या के निस्तारण का अस्वासन नागरिको को दिया किन्तु समस्या का निस्तारण नही कराया तथा नगर से जल निकासी की कोई ठोस कार्य योजना तैयार नही करायी न ही उक्त के संबंध में घरातल में कोई कार्य किया।

दानवीरता के लिए भामाशाह नाम इतिहास में अमर है: धर्मेन्द्र कौशल

गुरसहायगंज, कन्नौज। महान दानवीर भामाशाह की जयंती पर धूमधाम से भव्य आयोजन किया गया भाजपा नगर अध्यक्ष व कार्यक्रम के संयोजक धर्मेंद्र कौशल ने भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुये उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। नगर के श्री राम मंदिर में महान दानवीर भामाशाह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशल ने कहा कि राजस्थान के भामाशाह बाल्यकाल से ही मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी और विश्वास पात्र सलाहकार थे। अपरिग्रह को जीवन का मूलमन्त्र मानकर संग्रहण की प्रवृत्ति से दूर रहने की चेतना जगाने में आप सदैव अग्रणी रहे। उन्हें मातृ-भूमि के प्रति अगाध प्रेम था और दानवीरता के लिए भामाशाह नाम इतिहास में अमर है। दानवीर भामाशाह का जन्म 29 अप्रैल 1547 को मेवाड़ में हुआ था। भामाशाह ने अपनी सारी संपत्ति महाराणा प्रताप को सौंप दी थी, जिससे उन्हें मुगल शासक अकबर के खिलाफ लड़ने में मदद मिली। इस अवसर पर ध्रुव गुप्ता, सभासद धर्मेंद्र गुप्ता उर्फ बडे, दीपक गुप्ता, संतोष गुप्ता, दिनेश गुप्ता, मयंक ठाकरे, बृजेश गुप्ता रामू, राजेश गुप्ता, पूर्व सभासद हरिओम गुप्ता, जितेंद्र कौशल, फूलचंद गुप्ता, पंकज गुप्ता, पप्पन गुप्ता, श्यामू गुप्ता, राजकिशोर गुप्ता, सुशील गुप्ता, मोहित गुप्ता, कमल कश्यप, प्रमोद गुप्ता, अमित गुप्ता सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपाई व समाज के लोग।

गलत डिजाइन की मार, हाईवे सुनसान

● 2017 में स्पेन की कंपनी ने किया था इस हाईवे की आरओबी पर काम

फतेहपुर। नेशनल हाईवे-32 की सूरत और सीरत देखते बन रही है। जिस रोड पर बड़े वाहनों को फर्राटा करना चाहिए। उस पर सिर्फ साइकिल नजर आ रही हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि स्पेन की जिस कारदायी संस्था ने बांदा-टांडा मार्ग पर जो रेलवे ओवरब्रिज बनाया। उसका डिजाइन गलत करार दिया जा चुका है। जिस पर फिर काम चालू होना है। यह दीगर बात है कि दो गुनी क्षमता से बनने वाले इस निर्माण को लेकर किसी तरह की कवायद देखने को नहीं मिल रही है। बांदा-टांडा के बाईपास का निर्माण रेलवे इंजीनियरिग शाखा की संस्तुति पर स्पेन की कार्यदायी संस्था संतजोंस ने 2010 में कराया था। एनएच-2 से शाह कस्बे तक 10 किमी का कराया गया। जिस पर 16 करोड़ खर्च हुआ। जखनी गांव से समीप बने रेलवे ओवरब्रिज बना था, जिस पर चार करोड़ की रकम लगी। इसकी जांच केंद्र की टीम के करने पर निर्माण की असलियत सामने आई। जांच रिपोर्ट के आधार पर इस ब्रिज से बड़े वाहनों का आना-जाना रुकवा दिया गया।

हाईवे पर खेतीबाड़ी, बावन पत्ते की भी बाजी: इस नेशनल हाईवे की रफ्तार में ब्रेक लगा होने के कारण इलाकाई किसान जहां खेती बाड़ी के कुछेक काम इसी पर निपटाते देखे जा सकते हैं बेरोजगार ताश के बावन पत्ती पर अपना भविष्य तलाश रहे हैं।

पीएम ने किया था लोकार्पण: पीएम नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2013 में रायबरेली में बांदा-टांडा मार्ग का लोकार्पण किया था। जिले की पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति केंद्रीय लोक निर्माण मंत्री नितिन गडकरी से ओवरब्रिज व सड़क के उखड़ने पर कार्यदायी संस्था के कार्यो पर आपत्ति जताते हुए जांच कराए जाने की मांग की थी।

नेशनल हाईवे पर मिली नवजात बच्ची

मैगलगंज खीरी। आज सुबह मैगलगंज थाना क्षेत्र के रहजनिया गांव के पास हाईवे किनारे एक नवजात शिशु मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने जब सड़क किनारे कपड़े में लिपटे एक नवजात को देखाए तो तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जुट गई और पुलिस को जानकारी दी गई सूचना मिलते ही पीएआरवी.3249 के साथ उपनिरीक्षक चरन सिंह यादव एवं महिला कांस्टेबल आकांक्षा शर्मा मौके पर पहुंचे और उन्होंने तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित किया। मानवता को झकझोर देने वाली इस घटना ने क्षेत्रवासियों को गहराई से व्यथित कर दिया है। जहां एक ओर कई दंपत्ति वर्षों तक संतान की आस में दर.दर भटकते हैंए वहीं दूसरी ओर किसी ने अपने नवजात को यूं लावारिस हालत में छोड़ देना अमानवीयता की पराकाष्ठा है पुलिस टीम ने नवजात को तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु एक निजी चिकित्सालय भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को स्थिर बताया है।

पहली बरसात में छोटी काशी डूबी

● नगर बना ताल तलैया, गंदापानी पहुचा मकानों में

गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। धार्मिक नगर छोटीकाशी गोलागोकर्णनाथ में पहली बरसात में सभी मार्ग और मोहल्लों में भरा, गंदापानी मकानों में जाने से नागरिक परेशान नगरपालिक गोला अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अपनी टीम के साथ भ्रमण कर जलभराव को देखा और जलनिकासी की व्यवस्था की पर ईश्वर की व्यवस्था के आगे उनका प्रयास असफल रहा।

धार्मिक नगर छोटीकाशी गोलागोकर्णनाथ में भारी बारिश के चलते जलभराव की समस्या से व्यापारी व नागरिक परेशान दिखाई पड़े। नगरपालिका परिषद गोला के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने बरसात में नगरपालिका टीम के साथ निकलकर जायजा लिया तथा जलभराव को समाप्त करने के लिए तमाम जगहों पर इंजन व मोटर और टैंक लगवा कर गंदा जल नगर के बाहर कराने का प्रयास किया। नगरपालिका परिषद गोला की लापरवाही के चलते हुए जलभराव से नागरिक कोसनेको विवश है हलांकि जलभराव के लिए मुख्य रुप से अवैध अतिक्रमण ही जिम्मेदार है नाला नालियों पर जब निर्माण होगा तब जलभराव की समस्या पैदा ही होगी इस लिए बरसात के बाद नपा व प्रशासन मिलकर अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए आगे आना होगा तभी जलभराव की समस्या दूर हो सकती है।

शारदा चैनेलाइजेशन कार्य योजना के लिए स्वीकृत हुए धन की हुई लूट: उत्कर्ष वर्मा

पलिया कला खीरी। पलिया नगर के मछली मंडी में रिसाल अहमद द्वारा आयोजित की गई पीडीए पंचायत में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी द्वारा पूरे प्रदेश में पीडीए पंचायत कार्यक्रम के अंतर्गत उप्र में चल रही भाजपा की भ्रष्ट सरकार की खिलाफ जनता को जागरूक किया जाए सबक को संबोधित करते हुए आगे सांसद उत्कर्ष वर्मा ने कहा कि पलिया क्षेत्र में शारदा द्वारा आने वाली बाढ़ के लिए सदन में आवाज उठाकर 22 करोड़ पर पास कर आए थे लेकिन उन पैसों का प्रदेश सरकार ने सही उपयोग न करके क्षेत्र के विकास के लिए आए पैसे का बंदर बांट कर लिया। जब शारदा चैनेलाइजेशन कार्य योजना का कार्य शुरू हुआ था तब भाजपा के मंत्रियों सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन कर खूब वा वाही लूटी थी अब इस कार्य योजना के फैलियर की पगड़ी कौन अपने सर पर रखेगा। जब से प्रदेश में भाजपा सरकार आई है तब से विकास के नाम पर सिर्फ और सिर्फ बंदर बांट हो रहा है। अगर इस कार्य योजना में मिले धन का सही उपयोग हो गया होता है तो पलिया क्षेत्र के लिए राहत हो जाती। जनता सब जानती है 2027 में भाजपा सरकार का जाना तय है। समाजवादी सरकार आते ही सभी कार्य योजनाओं की उच्च स्तरीय जांच करा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी पड़ा पंचायत में आए हुए सभी लोगों से मेरी एक ही अपील है कि आपको जो संदेश दिया गया है इसको अपने मन में न रखकर जनता के बीच पहुंचा देना। सभा को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव गुरप्रीत सिंह जार्जी पूर्व पालिका अध्यक्ष महमूद हुसैन प्रीतिंदर सिंह कक्कू रिशाल अहमद नरेश यादव सहित सांसद प्रतिनिधि अशोक वर्मा सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 की जीत पीडीए की जीत अगर वीडियो समाज इसी तरह जग रहा तो 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता अशोक वर्मा पीडीए जन पंचायत में थारू क्षेत्र से आए हुए आदिवासी लोगों के प्रति 2024 में मिले समर्थन के लिए आभार प्रकट किया।

पशुपालन के बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती: चौहान

बरेली (भाषा) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि पशुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती। यहां भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में चौहान ने उपाधिधारकों का आह्वान करते हुए कहा, पशुपालन के बिना खेती लाभकारी नहीं हो सकती है, इसलिए यह आज भी महत्वपूर्ण है तथा आगे और भी काम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली, विकसित भारत का महाअभियान चल रहा है, जिसमें पशुपालन का बड़ा योगदान है।

चौहान ने विद्यार्थियों के लिए भांजे-भांजियों के संबोधन से अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि सौभाग्य से हमारे बीच पधारीं भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में ज्ञान, भक्ति और कर्म तीनों का संगम दिखाई देता है। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। दीक्षांत समारोह में उपस्थित 576 छात्रों को उपाधियां और 24 को पदक दिए गए। उन्होंने उपाधिधारकों को लक्ष्य करते हुए कहा कि यह समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं है, डिग्री प्राप्त करने के बाद आपके कंधों पर नया उत्तरदायित्व आया है, आपकी ए उपाधि देश की सेवा के लिए है। चौहान ने कहा, अपने लिए कीट पतंगे, पशु-पक्षी भी जीते हैं, लेकिन अपने लिए जिए तो क्या जिए, जिएं तो देश के लिए जिएं। केन्द्रीय मंत्री ने उपाधिधारकों से कहा कि यह उपाधि केवल आपके लिए नहीं है, यह देश के विकास को नया आयाम देने के लिए है। चौहान ने कहा कि आपका अनुसंधान केवल पेपर लिखने के लिए नहीं है, आपके अनुसंधान का लाभ किसान और पशुपालकों को मिलना चाहिए। हमें खुशी है कि कई वैज्ञानिक निकले और किसानों को इसका लाभ मिला।

चौहान ने कहा कि देश के प्रत्एक जिले में वैज्ञानिकों की 2,000 टीमें भेजी जाएंगी। ए टीमें स्थानीय किसानों को आधुनिक कृषि, उन्नत नस्लों, तकनीकी खेती और बागवानी के विषय में जानकारी देंगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अब सिर्फ प्रयोगशाला में सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खेत और खलिहान तक जाकर किसानों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि देश में 300 से अधिक अभिनव कृषि प्रयोग किसानों ने खुद किए हैं, जिनमें वैज्ञानिकों के सहयोग से और अधिक परिष्कृत करने की आवश्यकता है। चौहान ने कहा कि आईवीआरआई केवल एक संस्था नहीं, बल्कि यह भारत की ग्रामीण जीवनशैली, पशुपालन संस्कृति और वैज्ञानिक सोच का आधार है।

अदालत ने नवाब मलिक के खिलाफ मानहानि का मामला बंद किया

मुंबई। (भाषा) यहां की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही बंद कर दी, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मोहित कंबोज ने अपनी शिकायत वापस ले ली। अदालत ने फैसला सुनाया, आरोपी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 (मानहानि) के तहत अपराध से बरी किया जाता है और कार्यवाही बंद की जाती है' कंबोज ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 257 के तहत मामला वापस लेने के लिए अर्जी दी थी। उक्त प्रावधान शिकायतकर्ता को अंतिम आदेश पारित होने से पहले किसी भी समय अपनी शिकायत वापस लेने की अनुमति देते हैं, बशर्ते मजिस्ट्रेट वापसी के आधार से संतुष्ट हो। यदि अनुमति दी जाती है, तो मजिस्ट्रेट आरोपी को बरी कर देगा। कंबोज ने अपनी अर्जी में कहा, चूंकि यह अदालत उक्त मामले की सुनवाई दिन-प्रतिदिन के आधार पर करना चाहती है, इसलिए मैं आरोपी के खिलाफ दायर मामला वापस लेना चाहता हूं, क्योंकि मैं रोजाना अदालत में उपस्थित नहीं हो पाऊंगा इसमें कहा गया है, मैंने स्वेच्छा से मामला वापस लेने का फैसला किया है और इस संबंध में मुझ पर कोई अनुचित दबाव या जबरदस्ती नहीं की गई है। वर्ष 2021 में अदालत में दायर एक शिकायत में, कंबोज ने आरोप लगाया कि मलिक ने उस वर्ष अक्टूबर में एक क्रूज जहाज पर स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा छापेमारी के बाद उन्हें और उनके रिश्तेदार को बदनाम किया था।

वैश्विक वृद्धि का प्रमुख केंद्र बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था: आरबीआई रिपोर्ट

मुंबई। (भाषा) भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और विवेकपूर्ण नीतियों के कारण वैश्विक वृद्धि का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। केंद्रीय बैंक ने अपनी द्विवार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में यह भी कहा कि बढ़ी हुई आर्थिक और व्यापार नीति अनिश्चितताएं वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली की मजबूती की परीक्षा ले रही हैं। आरबीआई ने कहा, वित्तीय बाजार अस्थिर बने हुए हैं, विशेष रूप से मुख्य सरकारी बॉन्ड बाजार। ऐसा बदलती नीतियों और भू-राजनीतिक वातावरण के चलते है। इसके साथ ही, बढ़ते सार्वजनिक ऋण स्तर और उच्च परिसंपत्ति मूल्यांकन जैसी मौजूदा कमजोरियों में नए झटकों को बढ़ाने की क्षमता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनिश्चित और चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक पृष्ठभूमि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक वृद्धि का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। ऐसा मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और विवेकपूर्ण वृहद आर्थिक नीतियों के चलते है। आरबीआई ने कहा, घरेलू वित्तीय प्रणाली बैंकों और गैर-बैंकों के स्वस्थ बही-खातों के चलते जुझारू क्षमता दिखा रही है। वित्तीय बाजारों में कम अस्थिरता और उदार मौद्रिक नीति द्वारा समर्थित वित्तीय स्थितियां सहज हुई हैं। कॉरपोरेट बही-खातों की मजबूती समग्र व्यापक आर्थिक स्थिरता को भी समर्थन देती है।

सकल जीएसटी संग्रह पांच साल में दोगुना होकर 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह पांच साल में दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपए था। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। सकल जीएसटी संग्रह 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए के अपने उच्चतम स्तर को छू गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में औसत मासिक संग्रह 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2023-24 में 1.68 लाख करोड़ रुपए और 2021-22 में 1.51 लाख करोड़ रुपए था। जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं की संख्या 2017 के 65 लाख से बढ़कर आठ साल में 1.51 करोड़ से अधिक हो गई है। जीएसटी के आठ वर्षों पर एक सरकारी बयान में कहा गया, इसके लागू होने के बाद से, माल और सेवा कर ने राजस्व संग्रह और कर आधार बढ़ाने में मजबूत वृद्धि दिखाई है। इसने भारत की राजकोषीय स्थिति को लगातार मजबूत किया है और अप्रत्यक्ष कराधान को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाया है। जीएसटी ने 2024-25 में 22.08 लाख करोड़ रुपए का अपना अबतक का सबसे अधिक सकल संग्रह दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की वृद्धि है।

मुजफ्फरनगर में फ्लाईओवर से कार गिरने से गुजरात के चार तीर्थयात्रियों की मौत

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले में खतौली-पानीपत राजमार्ग पर फ्लाईओवर से कार गिरने से गुजरात के चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार के अनुसार, यह दुर्घटना चपर थाना क्षेत्र के रामपुर तिराहा के पास हुई। तीर्थयात्री कार से केदारनाथ जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि वाहन अनियंत्रित हो गया और फ्लाईओवर से नीचे खेतों में जा गिरा। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान भरत (22), अमित (24), करण (26) और विपुल (21) के रूप में हुई है। ए सभी गुजरात के गांधीनगर के तारापुर से थे। पुलिस ने बताया कि पांचवां यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान संचालित किया।

केंद्र ने भूजल संकट से निपटने के लिए अटल भूजल योजना का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने पर बल दिया

नई दिल्ली, 30 जून (भाषा)केंद्र ने विशेष रूप से बढ़ती जलवायु चुनौतियों के मद्देनजर समुदाय आधारित भूजल प्रबंधन में सुधार करने और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अटल भूजल योजना की सफलता का हवाला देते हुए इसका पूरे देश में विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह योजना अटल जल नाम से लोकप्रिय है। यहां अटल जल की राष्ट्रीय स्तरीय संचालन समिति (एनएलएससी) की आठवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने इस योजना को एक अद्वितीय और अग्रणी पहल बताया, जिसने स्थानीय समुदायों को भूजल उपयोग का स्वामित्व अपने हाथों में लेने के लिए सशक्त बनाया है। मुखर्जी ने जल चक्र पर जलवायु परिवर्तन के बिगड़ते प्रभाव की ओर इशारा करते हुए, राष्ट्रीय स्तर पर अटल जल को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों में अनिवार्य जल बजट की वकालत की और बैठक में भाग लेने वाले राज्यों से इस योजना के तहत स्थापित बुनियादी ढांचे के लिए दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव योजनाएं विकसित करने की अपील की। मुखर्जी ने राज्यों को सफल प्रायोगिक परियोजनाओं को दोहराने तथा कार्यान्वयन के दौरान विकसित ज्ञान और कौशल का उपयोग जल संरक्षण की अन्य पहलों को बढ़ाने के लिए करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, समुदायों को भूजल प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका निभानी चाहिए।

पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण ने भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया

मुंबई।(भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष पद के लिए पार्टी विधायक एवं पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया और एक औपचारिक घोषणा मंगलवार शाम तक की जाएगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने यह जानकारी दी। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है और नामांकन के दौरान बतौर केंद्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू मौजूद थे।

बैंक शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स 452 अंक टूटा

मुंबई। (भाषा) स्थानीय शेयर बाजार में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर सोमवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 452 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 121 अंक की गिरावट आई। हाल की तेजी के बाद मुख्य रूप से बैंक शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में पूरे कारोबार के दौरान गिरावट रही और अंत में यह 452.44 अंक यानी 0.54 प्रतिशत के नुकसान के साथ 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 576.77 अंक तक लुढ़क गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 120.75 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,517.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन और बजाज फिनसर्व शामिल है। छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.81 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप में 0.67 प्रतिशत की मजबूती रही। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, पिछले सप्ताह मजबूत वैश्विक संकेतों और घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीद के कारण बाजार में तेजी देखने को मिली थी। हालांकि, मुनाफावसूली से मानक सूचकांकों में गिरावट आई। उन्होंने कहा, निवेशकों का ध्यान अमेरिका सरकार के साथ व्यापार समझौते पर होगा, क्योंकि इसकी अंतिम तिथि नजदीक आ रही है। भारत को अभी समझौते को अंतिम रूप देना बाकी है...। हालांकि, उतार-चढ़ाव बना रहेगा, लेकिन भारत की मजबूत वृद्धि संभावनाएं गिरावट पर अंकुश लगा सकती है। इससे पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 2,162.11 अंक यानी 2.64 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 665.9 अंक यानी 2.66 प्रतिशत चढ़ा था। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, पश्चिम एशिया में जोखिम कम होने और अमेरिका में व्यापार समझौते की उम्मीदों के कारण वैश्विक बाजार की धारणा सकारात्मक रही है। हालांकि, हाल की तेजी के बाद प्रमुख कंपनियों में मुनाफावसूली देखी गई।

आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं: धनखड़

जयपुर, ।(भाषा) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में धनखड़ ने कहा कि आज राजनीतिक आदान-प्रदान की तीव्रता और लहजा देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक ताने-बाने के लिए हानिकारक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह दबाव में नहीं आते और न ही किसी पर दबाव डालते हैं। उन्होंने कहा, आज की राजनीति का माहौल और तापमान न तो हमारे लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है और न ही हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दुश्मन नहीं होते। सीमा पार दुश्मन हो सकते हैं, लेकिन देश के भीतर कोई दुश्मन नहीं होना चाहिए।

उन्होंने विधाई आचरण में अधिक शालीनता का आह्वान किया तथा आगाह किया कि सदन के अंदर जनप्रतिनिधियों के आचरण के चलते जनता में असंतोष पैदा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास खत्म हो सकता है।

उन्होंने कहा, "लोकतंत्र के मंदिरों में जो कुछ हो रहा है, उसे देखना चिंताजनक है। यदि इन संस्थाओं की गरिमा से समझौता किया गया, तो लोग विकल्प तलाशेंगे" उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पूर्व सांसद, विधायक सार्वजनिक संवाद की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक अधिकारियों की अक्सर आलोचना की जाती है, खासकर तब जब राज्य और केंद्र सरकारें अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबंधित हों। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे राज्य में राज्यपाल आसानी से निशाना बन जाते हैं। उन्होंने कहा, "अब तो उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को भी नहीं छोड़ा जा रहा। मेरे विचार में यह उचित नहीं है" धनखड़ ने कहा कि उन्होंने न तो किसी दबाव में काम किया और न ही उन पर कोई दबाव डाला गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी तटस्थ रहते हैं।

पकड़े गए पाकिस्तानी नागरिक की पहचान आतंकवादियों के गाइड के रूप में हुई

राजौरी, जम्मू।(भाषा) जम्मू-कश्मीर के पूंछ और राजौरी जिलों की सीमा पर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान गिरफ्तार एक पाकिस्तानी नागरिक की पहचान आतंकवादियों के गाइड के रूप में हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मोहम्मद आरिफ जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार आतंकवादियों के एक समूह का नेतृत्व करते हुए भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था, जब रविवार दोपहर को सेना के जवानों ने उसे पकड़ लिया। उसके साथ मौजूद आतंकवादी एक खड़ी चट्टान से कूद गए और घायल अवस्था में पाकिस्तानी सीमा में लौट गए।आरिफ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के दातोटे गांव का निवासी है और उसे सेना के ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन के तहत गंभीर इलाके में स्थित हजूरा चौकी के पास से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों ने दुर्गम इलाके और घने जंगलों में संदिग्ध गतिविधि देखी, जहां से कुछ आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।आरिफ को पकड़ लिया गया, जबकि चार अन्य आतंकवादी भारतीय सेना को देख भाग निकले और नो मैन्स लैंड से होते हुए दुर्गम रास्तों और खराब मौसम का फायदा उठा कर पाकिस्तानी सीमा में लौट गए।"नो मैन्स लैंड" एक ऐसा क्षेत्र होता है जो किसी के स्वामित्व या नियंत्रण में नहीं होता है। यह आमतौर पर दो विरोधी पक्षों या सेनाओं के बीच की एक खाली भूमि होती है।अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की अग्रिम चौकियों की मौजूदगी के कारण सेना गोलीबारी नहीं कर सकी। ड्रोन से लिए गए वीडियो में खून के निशान दिखे, जिससे संकेत मिलता है कि आतंकवादियों को खड़ी चट्टान से कूदने और गिरने से चोटें आई हैं।आरिफ के पास से एक मोबाइल फोन और करीब 20,000 पाकिस्तानी रुपए मिले। पूछताछ में उसने बताया कि वह नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पाकिस्तानी हिस्से का निवासी है और उसे वहां की भौगोलिक जानकारी है। वह पाकिस्तानी सेना के निर्देश पर आतंकियों की भारत में घुसपैठ कराने में मदद कर रहा था।अधिकारियों ने बताया कि आतंकी गाइड से विस्तृत पूछताछ जारी है और महत्वपूर्ण खुफिया जानकारियां हासिल की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह सफल घुसपैठ रोधी अभियान भारतीय सेना के अदम्य संकल्प और उनकी दक्षता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए सभी घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने की प्रतिबद्धता लगातार जारी रहेगी।

दो भाइयों की हत्या के मामले में माफिया अमरपाल सहित चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

बागपत।(भाषा) उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की एक अदालत ने दो भाइयों की हत्या के एक मामले में सोमवार को अंतरराज्यीय कुख्यात अपराधी अमरपाल उर्फ कालू सहित चार अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।पुलिस के अनुसार, वर्ष 2015 में छपरौली थानाक्षेत्र के लुहारा गांव में दो भाइयों की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी और इस संबंध में अमरपाल उर्फ कालू समेत कुल नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय) नीरु शर्मा ने अभियुक्त अमरपाल उर्फ कालू, वीरसेन, शास्त्री उर्फ धर्मदत्त और मुशर्फ को दोषी पाते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई और सभी पर 75-75 हजार रुपए का जुर्माने भी लगाया।

भोपाल गैस त्रासदी का काला अध्याय समाप्त

इंदौर। (भाषा) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश पर पीथमपुर के एक अपशिष्ट निपटान संयंत्र में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने का बचा 307 टन कचरा खाक हो गया है। इसके साथ ही, भोपाल गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदार कारखाने का कुल 337 टन कचरा भस्म हो गया है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि धार जिले के संयंत्र में तीन परीक्षणों के दौरान यूनियन कार्बाइड कारखाने का 30 टन कचरा पहले ही जलाया जा चुका है। भोपाल में दो और तीन दिसंबर 1984 की दरमियानी रात यूनियन कार्बाइड कारखाने से अत्यधिक जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ था। इससे कम से कम 5,479 लोग मारे गए थे और हजारों लोग अपंग हो गए थे। इसे दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में गिना जाता है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पीथमपुर में एक निजी कंपनी द्वारा संचालित अपशिष्ट निपटान संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने के बचे 307 टन कचरे को भस्म किए जाने की प्रक्रिया पांच मई को देर शाम सात बजकर 45 मिनट के आस-पास शुरू हुई थी जो रविवार (29 जून) और सोमवार (30 जून) की दरमियानी रात 01:00 बजे समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के 27 मार्च को जारी निर्देश के मुताबिक यूनियन कार्बाइड के बचे कचरे को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों की निगरानी में पीथमपुर के संयंत्र में 270 किलोग्राम प्रति घंटे की अधिकतम दर से जलाया गया।

यूनियन कार्बाइड कारखाने का पूरा 337 टन कचरा खाक, 30 टन कचरा पहले ही जलाया जा चुका है

द्विवेदी ने बताया कि इस कचरे को भस्म किए जाने के दौरान पीथमपुर के संयंत्र से अलग-अलग गैसों और कणों के उत्सर्जन की एक ऑनलाइन तंत्र द्वारा वास्तविक समय में निगरानी की गई।उन्होंने दावा किया, इस संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने का कचरा जलाए जाने के दौरान तमाम उत्सर्जन मानक सीमा के भीतर पाए गए। कचरा भस्म किए जाने के दौरान आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर किसी विपरीत असर के बारे में हमारे पास कोई सूचना नहीं है। द्विवेदी के मुताबिक, यूनियन कार्बाइड कारखाने का कुल 337 टन कचरा जलने के बाद निकली राख और अन्य अवशेषों को बोरों में सुरक्षित तरीके से भरकर संयंत्र के लीक-प्रूफ स्टोरेज शेड में रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन अवशेषों को जमीन में दफनाने के लिए तय वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत विशेष सुविधा (लैंडफिल सेल) का निर्माण कराया जा रहा है और यह काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। द्विवेदी ने कहा, सबकुछ ठीक रहा, तो दिसंबर तक इन अवशेषों का भी निपटारा कर दिया जाएगा। इससे पहले, इन अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से उपचार किया जाएगा ताकि इन्हें दफनाए जाने से आबो-हवा को कोई नुकसान न पहुंचे।

भोपाल में बंद पड़े यूनियन कार्बाइड कारखाने के 337 टन कचरे को सूबे की राजधानी से करीब 250 किलोमीटर दूर पीथमपुर के संयंत्र में दो जनवरी को पहुंचाया गया था। इस संयंत्र में तीन परीक्षणों के दौरान कुल 30 टन कचरा जलाया गया था। इसके बाद राज्य सरकार की ओर से उच्च न्यायालय को विश्लेषण रिपोर्ट के हवाले से बताया गया था कि क्रमशः 135 किलोग्राम प्रति घंटा, 180 किलोग्राम प्रति घंटा और 270 किलोग्राम प्रति घंटा की दरों पर किए गए तीनों परीक्षणों के दौरान उत्सर्जन तय मानकों के भीतर पाए गए। प्रदेश सरकार के मुताबिक, यूनियन कार्बाइड कारखाने के कचरे में इस बंद पड़ी इकाई के परिसर की मिट्टी, रिएक्टर अवशेष, सेविन (कीटनाशक) अवशेष, नेफ्थाल अवशेष और "अर्द्ध प्रसंस्कृत" अवशेष शामिल थे। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, वैज्ञानिक प्रमाणों के अनुसार इस कचरे में सेविन और नेफ्थाल रसायनों का प्रभाव पहले ही लगभग नगण्य हो चुका था। बोर्ड के मुताबिक, फिलहाल इस कचरे में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का कोई अस्तित्व नहीं था और इसमें किसी तरह के रेडियोधर्मी कण भी नहीं थे।

पेज 1 का शेष

भारत...

चंडीगढ़ और पंजाब एवं हरियाणा के कई हिस्सों में भी सोमवार को बारिश हुई। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, चंडीगढ़ में सोमवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में 70.5 मिमी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों, पूर्वी भारत के कई इलाकों और दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्र में बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि कई क्षेत्रों में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की उम्मीद है, लेकिन पूर्वोत्तर, उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है। देश में जुलाई में औसतन 28 सेमी बारिश होती है। महापात्रा ने कहा कि मध्य भारत और आसपास के दक्षिणी प्रायद्वीप में भारी बारिश की संभावना है। इसमें पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ और तेलंगाना के आसपास के इलाके और गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और हरियाणा में भी अच्छी बारिश की उम्मीद है। महापात्रा ने कहा, इस क्षेत्र में दिल्ली सहित कई शहर और कस्बे शामिल हैं। दक्षिण की ओर बहने वाली कई नदियां उत्तराखंड से निकलती हैं। हमें इन सभी नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों, शहरों और कस्बों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में सोमवार सुबह उपनगर भट्टाकुफर में पांच मंजिला एक इमारत ढह गई, जबकि रामपुर में बादल फटने से एक गौशाला से कई गाएं बह गईं। रामपुर के सरपारा ग्राम पंचायत के सिकासेरी गांव में बादल फटने से दो गौशालाएं, तीन गाय और दो बछड़े, एक रसोईघर और एक घर का एक कमरा बह गया। हालांकि, किसी इंसान की जान नहीं गई है। पिछले साल जुलाई में सरपारा पंचायत के समेज में बादल फटने से 21 लोगों की जान चली गई थी। सोमवार सुबह मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर सहित सात जिलों के कुछ हिस्सों में मध्यम से उच्च स्तर की अचानक बाढ़ आने की चेतावनी दी है। इसने बुधवार को हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया और पहाड़ी राज्य में छह जुलाई तक बारिश के जारी रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी ने रविवार रात से दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में व्यापक वर्षा दर्ज की। बारिश के कारण सोमवार को दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार, सुबह 8.30 बजे सफदरजंग स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 3.9 डिग्री कम है। हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ, हालांकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) संतोषजनक श्रेणी में बना रहा। सोमवार सुबह नौ बजे एक्यूआई 73 दर्ज किया गया, जबकि रविवार शाम को यह 83 था। मौसम विभाग ने दिल्ली और एनसीआर के अधिकांश हिस्सों के लिए एलो अलर्ट (सचेत रहने के लिए) जारी किया, जबकि उत्तर-पश्चिम दिल्ली जैसे कुछ हिस्से और एनसीआर के झज्जर, भिवानी और पानीपत जैसे क्षेत्र ग्रीन जोन (कोई चेतावनी नहीं) में हैं। आईएमडी ने निवासियों को गरज के साथ बारिश होने के दौरान खुली जगहों में जाने से बचने और निचले इलाकों में संभावित जलभराव के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। ओडिशा सरकार ने बालासोर और मयूरभंज जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है क्योंकि सुवर्णरेखा, बुधबलंग, जलाका और सोनो जैसी नदियों का जल स्तर बढ़ना जारी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सोमवार को दोपहर में राजघाट पर सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर 11.53 मीटर तक पहुंच गया जो खतरे के निशान 10.36 मीटर से काफी ऊपर है। बालासोर में कम से कम चार प्रखंड (बलियापाल, भोगराई, जलेश्वर और बस्ता) के प्रभावित होने की आशंका है।

पाक सेना...

के बाद 2019 के बालाकोट हमले और हाल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, गंभीर उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने संयम और परिपक्वता के साथ काम किया तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसके कारण पाकिस्तान ने विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले की भूमिका निभाई है। मुनीर ने कहा, जैसा कि हम लगातार, लेकिन निश्चित रूप से, अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण कर रहे हैं, वैसे में रणनीतिक दंड से मुक्ति या गलत अनुमान के भ्रम में पाकिस्तान की कथित कमजोरी का फायदा उठाने वाले किसी भी दुश्मन को त्वरित और बहुत ही करारा जवाब मिलेगा। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान अपने विरोधियों के प्रयासों से विचलित हुए बिना प्रगति, विकास और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने हर तरह के आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता भी दोहराई और इस लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का संकल्प लिया।

तेलंगाना....

सामग्री में विस्फोट हुआ, जिससे पूरी इमारत में विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि ढही तीन मंजिला इमारत में फंसे लोगों की तलाश और बचाव के प्रयास भी जारी हैं। सत्यनारायण ने बताया कि विस्फोट का असर पशम्यलारम क्षेत्र में लगभग पांच किलोमीटर तक महसूस किया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया और अधिकारियों को फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव कदम उठाने तथा उन्हें आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, राज्य सरकार ने विस्फोट की घटना में जारी बचाव प्रयासों की निगरानी के लिए मुख्य सचिव रामकृष्ण राव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति नियुक्त की है। यह समिति घटना की जांच भी करेगी। वेंकटस्वामी ने कहा कि फैक्टरी के प्रभारी की भी दुर्घटना में मृत्यु हो गई, तथा फैक्टरी की ओर से कोई भी हमें यह नहीं बता सका कि वास्तव में क्या हुआ। उन्होंने बताया कि घटना के बाद जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक 30 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए। मंत्री ने कहा कि मृतकों के परिजनों को उचित अनुग्रह राशि सुनिश्चित की जाएगी तथा सरकार प्रभावित परिवारों को अंतरिम सहायता देने पर भी विचार करेगी। उन्होंने कहा कि कुछ मृतकों की पहचान के लिए अस्पतालों में डीएनए परीक्षण कराए जा रहे हैं। राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम आधा दर्जन शवों की पहचान के लिए डीएनए जांच की जरूरत है, क्योंकि वे इतनी बुरी तरह जल चुके हैं कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है। पुलिस महानिरीक्षक (मल्टी जोन) वी. सत्यनारायण ने फैक्टरी सूत्रों के हवाले से बताया कि विस्फोट के समय फैक्टरी में 150 लोग थे जबकि उस क्षेत्र में करीब 90 लोग थे जहां विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट सुबह 9.28 बजे से 9.35 बजे के बीच हुआ।

आतंकी हमले...

जत्थे में शामिल होते रहेंगे। तीर्थयात्रा के लिए 95 लोगों के समूह के साथ आई कोलकाता की सरिता घोष ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं में उत्साह अधिक है। उन्होंने कहा, इससे साफ पता चलता है कि लोग डर फैलाने की कोशिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। मेरा मानना है कि पिछले साल की तुलना में इस बार दोगुनी संख्या में लोग आएंगे और डर परास्त होगा। घोष ने कहा कि सभी ने पहलगाम मार्ग अपनाने का फैसला किया है, खास तौर पर आतंकी हमले के मद्देनजर। उन्होंने कहा, यह उन लोगों के प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी जो वहां मारे गए, यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी प्रतिज्ञा होगी। असम के निरोहुतम कुमार ने कहा कि आतंकवादी हमला उन्हें तीर्थयात्रा करने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, पहलगाम में जो हुआ वह दुखद था, लेकिन यह हमें डरा नहीं सकता। हम पूरी आस्था के साथ बाबा के दर्शन करने जा रहे हैं। यह हमारी वार्षिक प्रतिबद्धता है। कोई भी हमारे अंदर मौत का डर नहीं पैदा कर सकता। उन्होंने कहा कि लोगों को बड़ी संख्या में आना चाहिए। उन्होंने कहा, "इससे हमारे सैनिकों का मनोबल भी बढ़ेगा। काशी से 25 लोगों समेत 30 सदस्यीय समूह में शामिल सूरत के बिगीरथ शर्मा ने कहा, क्या आपको यहां लोगों में कोई डर दिखाई देता है? कम से कम 30,000 लोग आज यहां सिर्फ टोकन लेने के लिए खड़े हैं और यह तो केवल पहला दिन है। शर्मा ने कहा, देशभर से इतनी बड़ी भीड़ इस बात का सबूत है कि कोई भी डरा हुआ नहीं है। वास्तव में यह आतंकवादियों को करारा जवाब है कि हम डरेंगे नहीं, हम पीछे नहीं हटेंगे।

भाजपा ने की वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना

नमाजवाद छिपाने के लिए समाजवाद की आड़ लेने का लगाया आरोप

नई दिल्ली।(भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर संविधान को शरिया की स्क्रिप्ट में बदलने और अपने नमाजवाद को छिपाने के लिए समाजवाद की आड़ लेने का आरोप लगाया।

भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव की भी उनकी उस टिप्पणी के लिए आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उनका गठबंधन बिहार में सत्ता में आता है, तो संशोधित वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देगा।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस-वाम दलों के इंडिया गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया है, क्योंकि यह अधिनियम संसद द्वारा पारित किया गया था और उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। त्रिवेदी ने कहा कि वे ना तो संसद का सम्मान करते हैं और ना ही न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा करने पर विपक्षी दलों की आलोचना को खारिज कर दिया, जिसकी शुरुआत बिहार से हुई है।

उन्होंने कहा कि यह आलोचना उनकी अपरिहार्य हार के मद्देनजर उनकी पराजयवादी मानसिकता से उपजी है। उन्होंने कहा कि ए दल फर्जी मतदाता चाहते हैं, जबकि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही अपनी पसंद की सरकार चुन सकें। आयोग ने कहा है कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य केवल पात्र मतदाताओं को ही मतदाता सूची में शामिल करना है। विपक्षी दलों ने दावा किया है कि आयोग जानबूझकर पात्र मतदाताओं को बाहर कर सकता है। बिहार में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है।

पटना में आयोजित एक रैली में वक्फ (संशोधन) अधिनियम की तीखी आलोचना करने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि उनका (विपक्षी दलों का) गठबंधन वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन पिछले दरवाजे से शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य हिंदू अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षण की कीमत पर मुसलमानों को आरक्षण दे रहे हैं और पश्चिम बंगाल भी ऐसा करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बी आर आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान के मूल्यों के प्रति भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, संविधान बचाओ इन दलों का महज दिखावा है, क्योंकि इनका असली चेहरा शरिया लाओ है। अगर वे सत्ता में आए, तो संविधान की प्रस्तावना में नमाजवाद जोड़ देंगे। वे संविधान को शरिया स्क्रिप्ट में बदलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग सत्ता से बाहर होने की राह पर है और अगर राज्य में विपक्षी दलों के गठबंधन की सरकार आई, तो केंद्र की नरेन्द्र मोदी नीत सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देगी।

तेजस्वी बिहार की राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आंबेडकर के संविधान के किसी भी प्रावधान को कूड़ेदान में नहीं फेंकने देगा।

विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि वे जिन शरिया प्रावधानों की वकालत कर रहे हैं, वे सऊदी अरब, पाकिस्तान, बांग्लादेश और तुर्की जैसे इस्लामी देशों में भी लागू नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ए दल वक्फ की जमीन के बड़े हिस्से को कुछ स्वयंभू मुस्लिम धार्मिक नेताओं के हाथों में केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों का कभी भी समुदाय के कल्याण के लिए उपयोग नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि समाजवाद संपत्ति के वितरण में विश्वास करता है, लेकिन राजद और समाजवादी पार्टी जैसे समाजवादी दल इसके विपरीत काम कर रहे हैं और वास्तव में, कुछ स्वयंभू मुस्लिम नेताओं के साथ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह समाजवाद नहीं, बल्कि नमाजवाद है।

त्रिवेदी ने कहा कि जब देश आपातकाल की 50वीं बरसी मना रहा है, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अब भी उसी मानसिकता से ग्रस्त हैं और कह रहे हैं कि वे विधिवत बनाए गए कानून को कूड़ेदान में फेंक देंगे।

भाजपा सांसद ने कहा कि कुरान में वक्फ का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल मौलवियों की स्क्रिप्ट के लिए आंबेडकर के संविधान का उपहास करना चाह रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने भी एक बार वक्फ कानून के नाम पर प्रभावशाली मुस्लिमों द्वारा जमीनों को कथित रूप से हड़पे जाने की बात की थी।

उत्तराखंड में मूसलधार बारिश का कहर, राहत कार्यों में आ रही बाधा

तेज बारिश के चलते राज्यभर में भूस्खलन जलभराव और सड़क अवरोध जैसी घटनाओं में बेतहाशा इजाफा हुआ है

देहरादून (पीएनएस)। उत्तराखंड में जारी मूसलधार बारिश ने सामान्य जीवन को पूरी तरह से पटरी से उतार दिया है। शनिवार सुबह से रुक.रुक कर हो रही तेज बारिश के चलते राज्यभर में भूस्खलनए जलभराव और सड़क अवरोध जैसी घटनाओं में बेतहाशा इजाफा हुआ है। वर्तमान स्थिति के अनुसार प्रदेश में करीब 179 सड़कों पर आवाजाही ठप पड़ी हैए जिनमें कई अहम राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग भी शामिल हैं।

उत्तरकाशी जनपद के बड़कोट इलाके में बादल फटने की घटना ने हालात को और गंभीर बना दिया। यहां निर्माण कार्य में लगे 29 मजदूर बारिश के बीच फंस गए थे। राहत.बचाव टीमों ने 20 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लियाए जबकि 7 लोग तेज बहाव में बह गए। अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं और पांच की तलाश अभी भी जारी है। राहत कार्यों में एनडीआरएफ की 15 टीमेंए 20 सुरक्षाकर्मी और 2 डॉग स्क्वॉड तैनात हैं।राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिकए 29 जून की बारिश से प्रदेशभर में 2 नेशनल हाईवेए 3 राज्य मार्गए एक बीआरओ मार्गए 85 लोक निर्माण विभाग की सड़कें और 88 ग्रामीण सड़कें बुरी तरह प्रभावित हैं।

लगातार बारिश के चलते मलबा हटाने और सड़कें खोलने में प्रशासन को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर रुद्रप्रयाग जिले में हाल ही में हुई बस दुर्घटना के बाद लापता हुए 6 लोगों की तलाश भी बदस्तूर जारी है। लेकिन लगातार बारिश और नदियों.नालों के बढ़ते जलस्तर से बचाव दलों को राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

लेकिन लगातार बारिश और नदियों.नालों के बढ़ते जलस्तर से बचाव दलों को राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में पहले से ही भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की थी। प्रशासनए आपदा प्रबंधन दलए एनडीआरएफ और पुलिस पूरी सतर्कता के साथ तैनात हैंए लेकिन बारिश की रफ्तार और तीव्रता के कारण हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बन गए हैं।

चारधाम यात्रा पर से 24 घंटे का प्रतिबंध हटाए मौसम की निगरानी के निर्देश जारी

देहरादून । उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने की घटना के बाद एहतियातन 24 घंटे के लिए स्थगित की गई चारधाम यात्रा को सोमवार को पुनः शुरू कर दिया गया है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए कहाए श्चारधाम यात्रा पर लगाया गया 24 घंटे का प्रतिबंध हटा लिया गया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रा मार्ग से जुड़े सभी जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अपने.अपने क्षेत्रों में मौसम की स्थिति के अनुसार वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करें। गौरतलब है कि रविवार को मौसम विभाग द्वारा भारी वर्षा का अलर्ट जारी किए जाने के बाद यात्रा को अस्थायी रूप से रोका गया था। इसके कुछ ही समय बाद उत्तरकाशी जनपद के सिलाई बैंड के पास बड़कोट.यमुनोत्री मार्ग पर बादल फटने से एक भीषण भूस्खलन हो गयाए जिसमें दो श्रमिकों की मृत्यु हो गईए जबकि सात लोग अब भी लापता हैं। उत्तरकाशी पुलिस के अनुसारए यह हादसा यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पालीगाड़ से करीब चार किलोमीटर आगे हुआ था। मृतकों की पहचान नेपाल के राजापुर निवासी 43 वर्षीय केवल बिष्ट और उत्तर प्रदेश के पीलीभीत निवासी 55 वर्षीय दुजेलाल के रूप में हुई है।

एनडीआरएफए एसडीआरएफए राजस्व विभाग और पुलिस की टीमें अब भी लापता सात श्रमिकों की तलाश में जुटी हैं। इस बीचए उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि ष्बड़कोट.यमुनोत्री मार्ग पर सिलाई बैंड से पहले बादल फटने से जो सड़क ध्वस्त हुई थीए उसका मरम्मत कार्य शनिवार को ही पूरा कर लिया गया है और रास्ता फिर से सुगम बना दिया गया है। वहींए अन्य प्रभावित स्थानों की मरम्मत कार्य तेजी से जारी है।ष् इसके अतिरिक्तए अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में 33 केवी विद्युत लाइन की आपूर्ति बहाल कर दी गई है जबकि 11 केवी लाइन की मरम्मत कार्य प्रगति पर है।बारिश के चलते कई पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैंए नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई हैए और दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में समय से पहले मानसून की दस्तक दर्ज की गई है। चारधाम यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को प्रशासन ने अपील की गयी है कि वे मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा.निर्देशों का पालन अवश्य करें।

देहरादून में अंतरिक्ष सम्मेलन 2025: सीएम धामी ने बताया स्पेस टेक्नोलॉजी का नया रोडमैप

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित श्अंतरिक्ष सम्मेलन.2025श् में इसरो के चेयरमैन डॉण् वीण् नारायणन के साथ सहभागिता की। यह सम्मेलन खासतौर पर हिमालयी राज्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए श्विकसित भारत 2047श् के लक्ष्य को केंद्र में रखकर अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी उपयोगों पर केंद्रित रहा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड के श्मॉडल जनपदश् योजना के लिए इसरो और यूकास्ट द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए गए विशेष डैशबोर्ड का शुभारंभ किया। साथ ही इसरो द्वारा प्रकाशित एक नवीन पुस्तक का विमोचन भी उन्होंने किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्पेस टेक्नोलॉजी केवल अनुसंधान तक सीमित नहीं रहीए बल्कि यह संचारए कृषिए मौसम विज्ञानए आपदा नियंत्रणए शिक्षाए चिकित्सा और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार विज्ञान और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने को लेकर प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में उत्तराखंड में साइंस सिटीए नवाचार केंद्रए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसए रोबोटिक्सए ड्रोन टेक्नोलॉजी और अत्याधुनिक रिसर्च लैब्स की स्थापना को तेज़ी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन उत्तराखंड को ष्स्पेस टेक्नोलॉजी फ्रेंडली स्टेटष् के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत ष्विकसित भारत/2047ष् की परिकल्पना को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

महेंद्र भट्ट फिर बनेंगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, निर्विरोध निर्वाचन तय

देहरादून । एक बार फिर सियासी संकेत मिल रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व में निरंतरता बनाए रखने के पक्ष में है। पार्टी की कमान एक बार फिर महेंद्र भट्ट के हाथों में जाती दिख रही है। सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ महेंद्र भट्ट ने ही नामांकन पत्र भराए जिससे उनका निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित इस नामांकन प्रक्रिया में खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित रहे। यह आयोजन भाजपा के ष्संगठन पर्वष् के अंतर्गत किया गयाए जिसमें प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया का औपचारिक आरंभ हुआ।नामांकन के दौरान कैबिनेट मंत्रियोंकृसुबोध उनियालए सतपाल महाराज और गणेश जोशीकृके साथ ही कई सांसद और विधायक भी मौजूद रहेए जिससे भट्ट के पक्ष में पार्टी का एकमत समर्थन स्पष्ट दिखा।पार्टी के विश्वस्त सूत्रों के अनुसारए चूंकि किसी अन्य नेता ने इस पद के लिए नामांकन नहीं किया हैए ऐसे में भट्ट का निर्विरोध चयन तय है। भाजपा की ओर से उनके नाम की औपचारिक घोषणा मंगलवारए 1 जुलाई को की जाएगी।भट्ट को दोबारा यह ज़िम्मेदारी सौंपने के पीछे संगठनात्मक मजबूतीए चुनावी तैयारियों और निरंतरता को मुख्य आधार बताया जा रहा है। इस फैसले को पार्टी की रणनीतिक स्थिरता और आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों की तैयारी की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने ललित मोदी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ललित मोदी को कानून के अनुसार उपलब्ध उपायों का लाभ प्राप्त करने का अधिकार होगा। पिछले साल 19 दिसंबर को मुंबई उच्च न्यायालय ने ललित मोदी पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया था, और उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्होंने विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन पर लगाए गए 10.65 करोड़ रुपए के जुर्माने का भुगतान बीसीसीआई को करने का आदेश देने का अनुरोध किया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि याचिका पूरी तरह से भ्रामक है क्योंकि फेमा के तहत न्यायिक प्राधिकरण ने ललित मोदी पर जुर्माना लगाया था। ललित मोदी ने अपनी याचिका में कहा कि उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था, इस दौरान वह बीसीसीआई की एक उपसमिति, इंडियन प्रीमियर लीग शासी निकाय के अध्यक्ष भी थे। याचिका में दावा किया गया कि बीसीसीआई को उपनियमों के अनुसार उन्हें क्षतिपूर्ति देनी चाहिए। ालांकि, उच्च न्यायालय की पीठ ने 2005 के उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि बीसीसीआई संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत परिभाषित राज्य की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता है। उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद ललित मोदी ने 2018 में यह याचिका दायर की।

सर्वोच्च न्यायालय ने बोधगया मंदिर अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को संबंधित उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा।

बिहार के बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है। बोधगया वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष पेश की गई।

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से याचिका में उठाए गए मुद्दे के बारे में पूछा।

हल्द्वानी में कैंसर मरीजों के लिए स्वामी राम स्टेट कैंसर यूनिट का निर्माण कार्य तेजी से जारी

हल्द्वानी । कुमाऊं मंडल के कैंसर रोगियों के लिए राहत भरी खबर है। कुमाऊं आयुक्त एवं मुख्यमंत्री के सचिव दीपक रावत ने सोमवार को स्वामी राम स्टेट कैंसर यूनिट के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉण् अरुण जोशी और निर्माण कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल के अधिकारी भी मौजूद रहे।फिलहाल 40 बेड की क्षमता वाली यह यूनिट अब 38 करोड़ रुपये की लागत से 150 बेड तक विस्तारित की जा रही है। कमिश्नर दीपक रावत ने बताया कि यह महत्वपूर्ण परियोजना दिसंबर 2025 तक पूर्ण की जानी हैए जिससे न केवल कुमाऊं मंडलए बल्कि आसपास के सुदूरवर्ती इलाकों से आने वाले मरीजों को भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने भवन निर्माण की गुणवत्ता की बारीकी से समीक्षा की और निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नए भवन में आईसीयूए वार्ड सेक्शन जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। साथ हीए पुराने और नए भवनों को जोड़ने के लिए रैम्प की व्यवस्था भी की जा रही हैए जिससे मरीजों और स्टाफ को आवागमन में सुविधा मिल सके।दीपक रावत ने यह भी बताया कि प्रारंभिक चरण में वन भूमि हस्तांतरण में देरी के चलते निर्माण कार्य प्रभावित हुआ थाए लेकिन अब प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कैंसर यूनिट के भविष्य में सुनियोजित संचालन और विस्तार के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता हैए जिसके लिए शेष औपचारिकताएं जल्द ही पूर्ण कर ली जाएंगी।यह यूनिट क्षेत्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

प्रतिबंधित प्रजाति के 34 जिंदा कछुओं के साथ तस्कर गिरफ्तार

गदरपुर ;ऊधमसिंह नगरद्ध। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अवैध रूप से प्रतिबंधित वन्य जीवों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गदरपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। प्रभारी निरीक्षक जसवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने दिनांक 29 जून की रात्रि चेकिंग अभियान के दौरान रतनपुरा बॉर्डर के पास से एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। पूछताछ व तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक जूट के बोरे में रखे गए कुल 34 जीवित प्रतिबंधित कछुए बरामद किए गएए जिनमें छोटे व बड़े दोनों आकार के कछुए शामिल थे।गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अश्विनी हलदारए पुत्र स्वर्गीय श्री विश्वनाथ हलदारए निवासी ग्राम संजयनगरए थाना गदरपुरए जिला ऊधमसिंह नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त माल के आधार पर आरोपी के खिलाफवन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी जब्त कछुओं की पहचान भारतीय मृतुशल्क ;प्दकपंद ैवजिीमसस ज्नतजसमद्ध प्रजाति के रूप में की और आवश्यक प्रमाण पत्र भी जारी किया। यह प्रजाति वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत सख्त रूप से संरक्षित मानी जाती है और इसका अवैध व्यापार पूरी तरह से निषिद्ध है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है ।

सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद धोखा नैनीताल की युवती से दुष्कर्म और अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप

नैनीतालरू स्थानीय निवासी एक युवती ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर भरोसे में लेने के बाद दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक वीडियो व फोटो वायरल करने के आरोप में दिल्ली निवासी एक युवक के खिलाफगंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी हेम चंद्र पंत ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर में विस्तार से घटनाक्रम का उल्लेख किया गया है। उसके अनुसारए कुछ वर्षों पूर्व सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी दिल्ली निवासी श्याम नामक युवक से जान.पहचान हुई थी। धीरे.धीरे यह पहचान दोस्ती में बदल गई और फिर युवक ने कई बार कॉल और मैसेज के माध्यम से उससे संपर्क बनाए रखा।कुछ महीनों बाद युवक नैनीताल आया और युवती को एक होटल में मिलने बुलाया। युवती का आरोप है कि वहां उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया और उसके बाद युवक ने दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो भी बना लीं।पीड़िता ने यह भी बताया कि इसके कुछ समय बाद युवक ने उसे दिल्ली बुलाया और वहां भी बहलाकरए झूठे वादे कर फिर से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।सबसे चिंताजनक बात यह रही कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर पीड़िता के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर उस पर आपत्तिजनक तस्वीरें और पोस्ट शेयर किएए जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और मानसिक रूप से भी वह गहरे आघात में आ गई।इस गंभीर प्रकरण की पुष्टि करते हुए एसपी अपराध जगदीश चंद्र ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर दिल्ली निवासी आरोपी श्याम के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और पुलिस टीम मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जल्द ही दिल्ली में दबिश दी जाएगी और साइबर सेल की मदद से फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल की भी गहन जांच की जा रही है। यह मामला सोशल मीडिया के ज़रिये बढ़ती साइबर अपराधों की प्रवृत्ति पर भी गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

भाजपा विधायक पडलकर की टिप्पणी के खिलाफ ईसाइयों ने रैली निकाली

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले में ईसाई समुदाय के लोगों ने सोमवार को रैली निकालकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक गोपीचंद पडलकर की पादरियों के खिलाफ कथित टिप्पणी की निंदा की। सांगली जिले के जाट निर्वाचन क्षेत्र से विधायक पडलकर ने हाल ही में घोषणा की थी कि वे धर्म परिवर्तन के लिए गांवों में जाने वालों की पिटाई करने वाले को नकद इनाम देंगे। पडलकर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कुछ ही दिन पहले सांगली जिले में ससुराल के लोगों द्वारा कथित रूप से ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाने और दहेज की मांग किए जाने से गर्भवती महिला ने आत्महत्या कर ली थी। पीड़िता ऋतुजा राजगे (28) चार माह की गर्भवती थी और चार साल पहले उसका विवाह सुकुमार राजगे से हुआ था।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पहलगाम हमले की निंदा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का आह्वान संभव

नई दिल्ली।(भाषा) ब्राजील में आयोजित होने जा रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में समूह के नेताओं की ओर से जारी किए जाने वाले घोषणापत्र में भारत की उम्मीद के अनुरूप पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा और आतंकवाद का एकजुट होकर सामना करने के लिए दृढ़ दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान शामिल होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रियो डी जेनेरियो में छह और सात जुलाई को आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत अगले साल ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता करेगा। प्रधानमंत्री दो से नौ जुलाई तक पांच देशों की अपनी यात्रा के तहत ब्राजील पहुंचेंगे। वह जिन अन्य देशों की यात्रा करेंगे, उनमें घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना और नामीबिया शामिल हैं। विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने संवाददाताओं से कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी की भागीदारी समूह के साथ भारत की एकजुटता की अभिव्यक्ति होगी और उनके लिए ग्लोबल साउथ के नेताओं से जुड़ने का एक बड़ा मौका होगा। रवि ने कहा कि ब्रिक्स नेताओं के घोषणापत्र में आतंकवाद की चुनौती का जिक्र होगा, जो भारत के लिए काफी संतोषजनक है।उन्होंने कहा,‟पहलगाम पर भारत के रुख के साथ अपनी सहमति, सहानुभूति और एकजुटता को लेकर सदस्यों ने जो दृष्टिकोण अपनाया है, उसमें कोई विरोधाभास नहीं है। मुझे लगता है कि इसे नेताओं की घोषणा में अच्छी तरह से व्यक्त किया गया है और सभी सदस्य इस मामले को लेकर बहुत संवेदनशील हैं‟। रवि ने कहा,‟आतंकवाद के खतरे से निपटने के तरीके पर भी व्यापक समझ है और इससे निपटने में किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसे बहुत अच्छी तरह से समझा गया है‟। उन्होंने कहा,‟जब आपको घोषणापत्र मिलेगा, तो आप देखेंगे कि इसकी भाषा हमारे लिए संतोषजनक है‟।

असंतोष और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सुरजेवाला ने कर्नाटक कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की

बेंगलुरु।(भाषा) कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्य में सत्तारूढ़ दल के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों और असंतोष के संकेतों के बीच यहां पार्टी विधायकों के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं।

बैठकों को हालांकि कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश इकाई द्वारा की गई संगठनात्मक कवायद करार देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में मीडिया में प्रसारित कोई भी खबर केवल कल्पना की उपज है। उन्होंने कहा, यह आत्ममंथन और राज्य के विकास के लिए एक सतत अभ्यास है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। यह एक महीने या डेढ़ महीने की अवधि में होगा, जिसके दौरान मेरी मंत्रियों, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से पहले पार्टी विधायकों, सांसदों, पराजित उम्मीदवारों, जिला कांग्रेस कमेटी प्रमुखों के साथ बैठक होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अपने तीन दिवसीय दौरे के पहले चरण के तहत सुरजेवाला ने सोमवार को चिक्कबल्लापुरा और कोलार जिलों के विधायकों के साथ एक-एक कर बैठकें कीं। सूत्रों ने बताया कि उनसे उनकी शिकायतें सुनने और सरकार के कामकाज पर फीडबैक लेने की उम्मीद है। ए बैठकें इसलिए महत्वपूर्ण हो गई हैं क्योंकि कुछ विधायकों ने हाल में सरकार के कामकाज पर असंतोष जताया है।

ए बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना की टिप्पणी के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर से शुरू हो गई हैं। राजन्ना ने सितंबर के बाद क्रांतिकारी राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत दिया था। पार्टी हलकों में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदले जाने की भी चर्चा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद फिलहाल उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के पास है। पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि वह सभी कांग्रेस विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मिल रहे हैं ताकि उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में पांच गारंटी योजनाओं की स्थिति को समझा जा सके क्योंकि सरकार ने अपने दो साल पूरे कर लिए हैं।सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जो 58,000 करोड़ रुपए सीधे लोगों के बैंक खातों में पहुंचाता है। उन्होंने कहा, हम अपने विधायकों से जानना चाहते हैं कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस की गारंटियों की क्या स्थिति है, क्या कोई सुधार की जरूरत है तथा क्या और अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि विधायकों से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि उनके विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन की क्या स्थिति है। उन्होंने कहा कि प्रखंड कांग्रेस समिति, विधानसभा कांग्रेस समिति, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, सेवादल, एससीएसटी अल्पसंख्यक और ओबीसी विभागों के कामकाज का विश्लेषण किया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी समीक्षा और पुनर्गठन किया जा सके। महासचिव ने कहा कि पार्टी यह समझने की कोशिश कर रही है कि हर विधायक ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास के लिए कितना काम किया है और आगे क्या विकास कार्य लंबित हैं। उन्होंने कहा, यदि आवश्यक हुआ तो हम अपने मंत्रियों और मुख्यमंत्री को बताएंगे कि क्या काम किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम विधायकों से यह भी समझना चाहते हैं कि सरकार का क्या रुख होना चाहिए तथा सरकार और क्या काम कर सकती है जो लोगों के अनुकूल हों। सुरजेवाला ने कहा कि उन्होंने इस बार दो संभागों के विधायकों को बुलाया है और अगले सप्ताह वह शेष विधायकों से मिलने के लिए फिर आएंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह सभी पराजित उम्मीदवारों (विधायकों, एमएलसी और लोकसभा चुनाव) को बुलाएंगे और डीसीसी अध्यक्ष से भी चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, इसके बाद मैं मंत्रियों को बुलाऊंगा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ चर्चा करूंगा और विकास के लिए उपयुक्त कदम उठाए जाएंगे। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकारों से कहा कि सुरजेवाला आए हैं, उनकी रिपोर्ट और उनके द्वारा एकत्रित जानकारी के आधार पर, हम तय करेंगे कि क्या कदम उठाने हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मैसूरु में पत्रकारों से कहा, वह कांग्रेस के प्रभारी महासचिव हैं। वह विधायकों की राय लेंगे, उनकी चिंताओं को सुनेंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए क्या करने की जरूरत है, इसका आकलन करेंगे। वह अपना काम करेंगे। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि सुरजेवाला नियमित रूप से पार्टी मामलों की समीक्षा करने के लिए कर्नाटक आते हैं, न कि केवल सरकारी मामलों की।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 1 जुलाई, 2025

गाजा में इजराइली सेना के हमले में 22 फलस्तीनी मारे गए

भाषा। काहिरा

दक्षिणी गाजा में सोमवार को इजराइली सेना के हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई एवं 20 अन्य घायल हो गए। हताहत लोगों में से कई आवश्यक खाद्य सहायता लेने का प्रयास कर रहे थे। चश्मदीदों, अस्पतालों एवं गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। खान यूनिस स्थित नासेर अस्पताल ने बताया कि उसके यहां 11 लोगों के शव लाए गए जिन्हें दक्षिणी गाजा में इजराइली और अमेरिका समर्थित गाजा मानवीय कोष (जीएचएफ) से जुड़े सहायता स्थल से लौटते समय गोली मार दी गई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा में संयुक्त राष्ट्र सहायता गोदाम पर हमले में दस अन्य लोग मारे गए। दक्षिणी गाजा में यह हमला खान यूनिस शहर में जीएचएफ स्थल से लगभग तीन किलोमीटर (1.8 मील) दूर हुआ। यूसुफ महमूद मोखाइमर दर्जनों अन्य लोगों के साथ चल रहे थे, तभी उन्होंने देखा कि वाहनों और टैंकों में सवार सैनिक तेजी से उनकी ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो सैनिकों ने चेतावनी के तौर पर हवा में गोलियां चलाईं, फिर भीड़ पर गोलियां चलाईं। उसने कहा, उन्होंने हम पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। नासेर अस्पताल ने बताया कि दक्षिणी शहर रफाह में जीएचएफ हब के पास एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। इजराइली सेना ने कहा कि वह हमलों के बारे में जानकारी की समीक्षा कर रही है।

वेस्ट बैंक में इजराइली नागरिकों ने सैन्य अड्डे पर उत्पात मचाया

तेल अवीव। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैक पर इजराइली नागरिको ने एक सैन्य अड्डे के आसपास उत्पात मचाया, आगजनी की, सैन्य वाहनो मे तोड़फोड़ की और सैनिको पर हमला किया। सेना ने यह जानकारी दी। यहूदियो द्वारा वेस्ट बैक मे कई हमले करने और सुरक्षा कर्मियो द्वारा उन्हे गिरफ्तार करने की पृष्ठभूमि मे रविवार रात हिसा की यह घटना हुई। सुरक्षा बल क्षेत्र मे हिसा को काबू करने की कोशिश कर रहे है। स्थानीय परिषद के प्रमुख नजीब रुस्तम ने बताया कि बुधवार शाम को 100 से अधिक यहूदी वेस्ट बैक के कफ्र मलिक शहर मे घुस आए, जहां उन्होने संपत्ति को आग लगा दी तथा उन्हे रोकने की कोशिश करने वाले फलस्तीनियो पर गोलीबारी की।सेना के हस्तक्षेप के बाद तीन फलस्तीनी मारे गए। इज़राइली सुरक्षा बलो ने पांच यहूदियो को गिरफ्तार किया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि कोई भी सभ्य देश अपने नागरिको द्वारा सैन्य प्रतिष्ठान को जलाने, आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्स) की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सुरक्षाकर्मियो पर हमला करने जैसी हिसक और अराजक हरकतो को बर्दाश्त नही कर सकता।

ईरान में इजराइल के साथ युद्ध में मरने वालों की संख्या 900 से अधिक

भाषा। दुबई

ईरान ने इजराइल के साथ युद्ध में मरने वालों की आधिकारिक संख्या सोमवार को बढ़ा दी। आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 12 दिनों के संघर्ष के दौरान देश में 935 लोग मारे गए। सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने अपनी खबर में हालांकि यह जानकारी नहीं दी इनमें कितने सैनिक और कितने नागरिक शामिल हैं। खबर में यह कहा गया कि मारे गए 935 लोगों में से 38 बच्चे और 132 महिलाएं थीं। वहीं, पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 627 लोग मारे गए हैं।वहीं, अमेरिका के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने सप्ताहांत में कहा था एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, ।,190 लोग मारे गए हैं। इनमें से 436 नागरिक हैं और 435 सैन्यकर्मी, शेष 319 की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

भारत के साथ सीमा विवाद जटिल, सुलझाने में समय लगेगा : चीन

भाषा। बीजिंग

चीन ने सोमवार को कहा कि भारत के साथ सीमा विवाद जटिल है और इसे सुलझाने में समय लगेगा लेकिन इसके साथ ही उसने सरहदों के निर्धारण पर चर्चा करने तथा हालात शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 26 जून को चिंगदाओ में अपने चीनी समकक्ष दोंग जून के साथ बैठक में प्रस्ताव दिया था कि भारत और चीन को सीमाओं पर तनाव कम करने तथा सरहदों के निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने से संबंधित कदम उठाकर एक सुव्यवस्थित रूपरेखा के तहत जटिल मुद्दों को सुलझाना चाहिए। सिंह और दोंग ने चिंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति व स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिंह की टिप्पणी को लेकर चीन की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, मैं आपको बता सकती हूं कि चीन और भारत ने सीमा से जुड़े विषय पर विशेष प्रतिनिधि तंत्र की स्थापना की है तथा चीन-भारत सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए राजनीतिक मापदंडों एवं मार्गदर्शक सिद्धांतों पर सहमति बनाई है।उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच विभिन्न स्तरों पर कूटनीतिक और सैन्य संचार तंत्र हैं। निंग ने कहा, "चीन भारत के साथ सरहदों के निर्धारण और सीमा प्रबंधन सहित अन्य मुद्दों पर संवाद बनाए रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा सीमा पार आदान-प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं" विशेष प्रतिनिधि स्तर की 23 दौर की वार्ता के बावजूद सीमा मुद्दे को सुलझाने में हो रही देरी के बारे में पूछे जाने पर निंग ने कहा, "सीमा का सवाल जटल है और इसे सुलझाने में समय लगता है" उन्होंने कहा, "सकारात्मक पक्ष यह है कि दोनों देशों ने पहले ही गहन संवाद के लिए विभिन्न स्तर पर तंत्र स्थापित कर लिए हैं। हमें उम्मीद है कि भारत चीन के साथ इसी दिशा में काम करेगा, प्रासंगिक मुद्दों पर संवाद जारी रखेगा और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखेगा।

पाक में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मे पिछले 24 घंटो मे बारिश से संबंधित घटनाओं मे सात और लोगो की मौत हो गई, जिससे मृतको की संख्या बढ़कर 45 हो गई। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ो मे यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ो के अनुसार बारिश से संबंधित घटनाओं मे सात और लोगों की मौत हो गई, जिनमें बलूचिस्तान मे चार, खैबर-पख्तूनख्वा मे दो और पंजाब मे एक व्यक्ति शामिल है। एनडीएमए के मुताबिक 26 जून से शुरू हुई मानसून-पूर्व बारिश के बाद से 68 लोग घायल हो गए है। उसने बताया उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 21 लोगो की मौत हुई है। इसमे कहा गया है कि पंजाब मे 13, सिंध मे सात तथा बलूचिस्तान प्रांत मे चार लोगो की मौत हुई है।

नेपाल के मुगु जिले में फिर भूकंप के झटके आए

काठमांडू। नेपाल के मुगु जिले मे सोमवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। क्षेत्र मे 24 घंटे से भी कम समय पहले भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, जिले के कोटडांडा क्षेत्र मे सुबह 8.39 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नही है। रविवार को जिले के जिमा गांव मे दोपहर 2.34 बजे 4.8 तीव्रता का भूकंप आया था। पर्वतीय क्षेत्र नेपाल मे अक्सर भूकंप आते रहते है।

पाक ने अफगानिस्तान से लगने वाली प्रमुख सीमा को बंद किया

पेशावर। पाकिस्तान ने सुरक्षा खतरो के कारण अफगानिस्तान से लगने वाली एक प्रमुख सीमा को अस्थाई रूप से अगले आदेश तक बंद कर दिया है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने रविवार को बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले मे शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत मे झड़पो के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान मे निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा (गुलाम खान) को अनिर्दिष्ट अवधि के लिए बंद कर दिया गया है। उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले मे कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए तथा तीन अन्य घायल हो गए थे।

खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग आतंकवादी हमलों में पांच की मौत

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवाद की दो अलग-अलग घटनाओ में दो सुरक्षाकर्मियो और स्थानीय शांति समिति के तीन सदस्यों सहित कम से कम पांच लोग मारे गए। पुलिस ने रविवार को पुष्टि की है कि दोनों आतंकवादी घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पुलिस के अनुसार, पहली घटना मे, रविवार सुबह एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर सड़क के किनारे किए गए बम विस्फोट मे दो सैनिकों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि शाहब खेल क्षेत्र मे एक अन्य घटना मे अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान स्थानीय शांति समिति के प्रमुख दस्तगीर, सलीम खान और सलाहुद्दीन के रूप में की है। सुरक्षा बलों ने घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी है और जांच जारी है। अभी तक किसी भी समूह ने हमलों की जिम्मेदारी नही ली है।

गरीबी से निपटने के लिए धन जुटाने की खातिर स्पेन में राष्ट्रों की बैठक

भाषा। बार्सिलोना (स्पेन)

अमीर और गरीब देशों के बीच बढ़ते अंतर से निपटने तथा इसे पाटने के लिए आवश्यक खरबों डॉलर की धनराशि जुटाने की कोशिश के तहत स्पेन में एक उच्च स्तरीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है जिसमें दुनिया के कई देशों के नेता शिरकत करेंगे। अमेरिका का इसमें प्रमुख योगदान होता था, लेकिन अब उसने भागीदारी से पीछे हट गया है। इसलिए वित्तपोषण प्राप्त करना कठिन होगा। स्पेन के दक्षिणी शहर सेविल में विकास के लिए वित्तपोषण पर चार दिवसीय बैठक ऐसे समय हो रही है, जब कई देश बढ़ते कर्ज के बोझ, घटते निवेश, घटती अंतरराष्ट्रीय सहायता और बढ़ती व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उद्घाटन भाषण में कहा, वित्तपोषण विकास का इंजन है। और अभी, यह इंजन लड़खड़ा रहा है। हम यहां विकास की दिशा बदलने, विकास के इंजन की मरम्मत करने और उसे गति देने के लिए आए हैं।

जर्मनी यूक्रन को तेजी से हथियार बनाने में मदद करेगा: विदेश मंत्री

भाषा। कीव

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोमवार को कहा कि उनके देश का लक्ष्य यूक्रेन को और अधिक तेजी से हथियार बनाने में मदद करना है ताकि कीव रूस के साथ तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता में अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

वेडफुल ने जर्मन रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ यूक्रेनी राजधानी कीव की यात्रा के दौरान कहा,हम मानते हैं कि हमारा काम यूक्रेन की मदद करना है ताकि वह अधिक मजबूती से बातचीत कर सके। अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास युद्ध को रोकने में विफल रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध विराम को अस्वीकार कर दिया है और युद्ध के अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटे हैं।वेडफुल ने यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा जब पुतिन आज शांति की बात करते हैं, तो यह सिर्फ उपहास है। बातचीत के लिए उनकी स्पष्ट तत्परता अब तक केवल दिखावा है। जर्मनी, अमेरिका के बाद यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य सहयोगी रहा है, हालांकि अमेरिका की ओर से समर्थन जारी रहने को लेकर अब संदेह है।वेडफुल ने कहा, हम नए संयुक्त उद्यम बनाना चाहते हैं ताकि यूक्रेन स्वयं अपनी रक्षा के लिए तेजी से और अधिक उत्पादन कर सके, क्योंकि आपकी जरूरतें बहुत बड़ी हैं। वेडफुल का यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के 48 घंटे से भी कम वक्त में जर्मन विदेश मंत्री की यह यात्रा हो रही है।

अमेरिका के इडाहो में अग्निशमनकर्मियों पर घात लगाकर हमला, दो की मौत

बोइस (अमेरिका)। उत्तरी इडाहो के एक पर्वतीय इलाके में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे अग्निशमनकर्मियों पर बंदूकधारियों ने घात लगाकर हमला किया जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।इडाहो के गवर्नर ब्रैड लिटिल ने इसे जघन्य हमला बताया।कूटेनई काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि दोपहर करीब डेढ़ बजे (स्थानीय समयानुसार) कोयूर डी एलेन के ठीक उत्तर में कैनफील्ड माउंटेन पर आग लगने की सूचना के बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे और लगभग आधे घंटे बाद गोलियों की आवाजें सुनाई दीं।शेरिफ बॉब नॉरिस ने बताया कि अधिकारियों का अनुमान है कि मारे गए दो लोग अग्निशमनकर्मी थे। नॉरिस ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि और किसी को गोली लगी या नहीं।नॉरिस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें नहीं पता कि वहां कितने संदिग्ध हैं और हताहत हुए लोगों की संख्या के बारे में भी जानकारी नहीं है। शेरिफ ने कहा कि लोग अब भी पहाड़ी से नीचे आ रहे हैं।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों की संख्या 10 करोड़ के पार : रिपोर्ट

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सदस्यो की संख्या 10 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट मे यह जानकारी दी गई। सीपीसी के केंद्रीय संगठन विभाग (सीओडी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट मे कहा गया है कि 1921 मे स्थापित सीपीसी के 2024 के अंत तक 10.027 करोड़ से अधिक सदस्य थे, जो 2023 से लगभग 10.9 लाख अधिक है।रिपोर्ट के मुताबिक 2024 के अंत तक सीपीसी के 52.5 लाख प्राथमिक स्तर के संगठन थे, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 74,000 अधिक है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में सीपीसी सत्ता में मौजूद कुछ कम्युनिस्ट पार्टियों में से एक है।वियतनाम, लाओस, क्यूबा और उत्तर कोरिया में जिन पार्टियों का शासन है, वे मार्क्सवाद और समाजवाद से वैचारिक जुड़ाव का दावा करती है। हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना पोस्ट की खबर के मुताबिक, विश्लेषकों का कहना है कि पार्टी के शीर्ष कार्मिक कार्यालय सीओडी द्वारा कड़ी जांच के कारण सीपीसी सदस्यता की वृद्धि धीमी रही है।

तनिष्क व डी बीयर्स करेंगे बेहतरीन प्राकृतिक हीरो का प्रदर्शन

मुंबई। भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा परिवार का एक सदस्य, तनिष्क और दुनिया की अग्रणी डायमंड कंपनी, डी बीयर्स ग्रुप ने प्राकृतिक हीरों के सबसे बेहतरीन आभूषण प्रस्तुत करने के लिए लखनऊ में एक शानदार शाम का आयोजन किया था। 1999 से तनिष्क की विरासत का अंगभूत हिस्सा बने हुए 2.80 लाख से ज्यादा परिवारों के सम्मान में आयोजित किया गया यह समारोह तनिष्क के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। तनिष्क के हर कलेक्शन की प्रेरणा होती है - तनिष्क महिला, जो परंपरा से नहीं बल्कि उसके अपने दृढ़ विश्वास से पहचानी जाती है। विचारों में साहसी, काम में सुंदर और बेहद अलग, तनिष्क महिला अपने पहने हुए हीरों की तरह ही बहुमुखी है। हर कलेक्शन में उसकी भावना, उसकी आकांक्षाएं और उसका सफ़र झलकता है। इस आयोजन के बारे में बात करते हुए तनिष्क की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर सुश्री पेल्की त्शेरिंग ने कहा कि समृद्ध परंपरा, विरासत और शालीनता के शहर लखनऊ को हीरे के प्रति बहुत गहरा प्यार है जो इसकी संस्कृति और इतिहास में निहित है। तनिष्क में, हम 26 वर्षों से लखनऊ परिवारों का हिस्सा होने का सौभाग्य महसूस करते हैं। 1.23 लाख जन्मदिन और सालगिरह से लेकर 1.3 लाख सगाई और शादियों तक, हमारे आभूषणों को हमारे लखनऊ परिवारों के जीवन के सबसे कीमती पड़ावों को सम्मानित करने के लिए चुना गया है। डी बीयर्स इंडिया के मार्केटिंग उपाध्यक्ष तोरंज मेहता ने कह प्राकृतिक हीरे सिर्फ़ खूबसूरत ही नहीं होते - उन्हें बनने में अरबों साल लगते हैं, हर एक हीरा प्रकृति का एक दुर्लभ चमत्कार होता है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक व एलआईसी में साझेदारी

मुंबई। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी, भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग '2047 तक सबके लिए बीमा' के राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य देश की वंचित आबादी तक बीमा की पहुंच और वित्तीय सुरक्षा को गहराई से बढ़ाना है।इस समझौते के तहत, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक अब एलआईसी के जीवन बीमा उत्पादों की पूरी श्रृंखला वितरित करेगा – जिसमें टर्म इंश्योरेंस, एंडोमेंट योजनाएं, सम्पूर्ण जीवन बीमा, पेंशन और वार्षिकी योजनाएं, और बच्चों के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। ये सेवाएं एयू एसएफबी के 2,456 से अधिक बैंकिंग टचपॉइंट्स के माध्यम से देश के 21 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध होंगी, जिससे एलआईसी की पहुंच ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक और सशक्त होगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ उत्तम टिबरेवाल ने कहा, यह रणनीतिक साझेदारी दो ऐसे संस्थानों को साथ लाती है जो वंचित और वित्तीय सेवाओं तक कम पहुंच वाले लोगों को समावेशी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी वितरण क्षमता और एलआईसी के भरोसेमंद बीमा उत्पादों के साथ मिलकर हम भारत के हर कोने में ग्राहकों को व्यापक सुरक्षा और रिटायरमेंट समाधान प्रदान करने का लक्ष्य रखते हैं, और समग्र बैंकिंग अनुभव को और समृद्ध बनाना चाहते हैं। यह साझेदारी एयू एसएफबी की स्थिति को एक संपूर्ण वित्तीय सेवा प्रदाता के रूप में और मजबूत करती है, जो बैंकिंग, सुरक्षा और दीर्घकालिक वित्तीय योजना को एक ही मंच पर एकीकृत करती है। वहीं, एलआईसी के लिए यह कदम विश्वसनीय और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग साझेदारों के माध्यम से बीमा पहुंच बढ़ाने की एक रणनीतिक पहल है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफने युवाओं के लिए लॉन्च किया मार्केट.लिंक्ड प्रोडक्ट

मुंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफइंश्योरेंस ने श्आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है। यह एक मार्केटलिंक्ड प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहकों को दीर्घकालिक रूप से संपत्ति बनाने में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।इस प्रोडक्ट को सिर्फ1000 रुपए की मासिक प्रीमियम पर खरीदा जा सकता है। इससे युवा ग्राहक आसानी से नियमित निवेश कर सकते हैं और अपने लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इसमें जीवन बीमा का लाभ भी शामिल हैए जिससे ग्राहक के न रहने पर उसके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलती है। अमित पालटा चीफप्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफइंश्योरेंस ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और मॉर्गन स्टेनली के अनुसार 2028 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। देश की इस विकास यात्रा की कमान युवाओं के हाथ में हैए जो कि कुल जनसंख्या का लगभग 65ः हिस्सा हैं। यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान्स ;यूलिपद्ध संपत्ति निर्माण का एक प्रभावशाली माध्यम हैं। युवा वर्ग को जल्दी निवेश शुरू करने और लंबे समय तक जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हमने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है।

जेनेराली और सेंट्रल बैंक के बीच नई संयुक्त साझेदारी

मुंबई। जेनेराली ने भारत में सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया को अपना नया संयुक्त उद्यम साझेदार घोषित किया है। सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया भारत के सबसे पुराने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक हैए जिसकी स्थापना 1911 में हुई थी। बैंक की बाजार पूंजीकरण 46,100 करोड़ रुपए है और इसका वितरण नेटवर्क 4,500 से अधिक शाखाओं के माध्यम से 8 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है। सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया के साथ यह साझेदारी जेनेराली की बाजार उपस्थिति को और मजबूत करेगी। जिससे कंपनी की ब्रांड पहचान के साथ जीवन बीमाए संपत्ति और दुर्घटना बीमा दोनों क्षेत्रों में वितरण क्षमताएं सुदृढ़ होंगी। जेमी एंचुस्टेगुई डिप्टी सीईओ इंश्योरेंस जेनेराली ग्रुप ने कहा हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हम भारत में अपने कारोबार के इस नए अध्याय की शुरुआत सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया के साथ कर रहे हैं जो एक अत्यंत मजबूत और प्रतिष्ठित स्थानीय साझेदार हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह साझेदारी भारत जैसे अपार संभावनाओं वाले बाजार में जेनेराली की मौजूदगी को और व्यापक रूप से स्थापित करने में सहायक होगीए यह हमारी रणनीति लाइफटाइम पार्टनर 27 ड्राइविंग एक्सीलेंसष् के अनुरूप है जो हमारी मुख्य क्षमताओं पर केंद्रित रहते हुए चयनित प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में वृद्धि को लक्षित करती है।जेनेराली ग्रुप के एशिया क्षेत्रीय अधिकारी रॉब लियोनार्डी ने कहा यह साझेदारी भारत में हमारे व्यवसाय के प्रति मज़बूत विश्वास का संकेत है। सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया के साथ काम करना जेनेराली के लिए एक महत्वपूर्ण विकासशील बाजार में मजबूती से आगे बढ़ने का अवसर है।

बदमाश बेगम से रूबरू होगी दुनिया

मुंबई। देश के सबसे प्रमुख डिजिटल एंटरटेन्मेंट प्लैटफ़ॉर्म में शुमार हंगामा ओटीटी ने अपनी दिलचस्प ओरिजनल सीरीज बदमाश बेगमष् 26 जून 2025 को लॉन्च कर दी। इस सीरीज की कहानी ताकतए धोखे और खतरनाक महत्वाकांक्षा की दुनिया के सच को सामने लाती हैं। यह क्राइम सीरीज एक ऐसी औरत की कहानी है जिसने अपनी पैदाइश से अलग जाकर मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर राज किया। इस सीरीज में दिव्या अग्रवालए अंकित गेरा और अक्षय डोगरा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। मुंबई के अपराध जगत की पृष्ठभूमि पर बुनी गई इस सीरीज ष्बदमाश बेगमष् में उर्वशी राजे के रहस्यमयी और विरोधाभासी चरित्र को दर्शकों के सामने लाने की कोशिश की गई है। उर्वशी राजे ऐसी महिला रही हैं जिनका नाम आज भी लोग इज्जतए डर और उत्सुकता के साथ लेते हैं। उनके साथ यह सवाल भी बरकरार है कि वह क्राइम की अंधेरी दुनिया में धकेल दी गई थी या फिर वे इस दुनिया के ऐशोआराम को देखते हुए इधर आई थीघ् क्या उन्होंने सोच समझे तरीके इस दुनिया में अपने लिए मुकाम हासिल कियाए हर चुनौती को आगे बढ़ने के मौके में बदलाघ् वह सिर्फएक गैंगस्टर नहीं थींए बल्कि उन्होंने एक साम्राज्ञी की तरह अपनी दुनिया पर राज किया और फिर उसके पीछे उसकी ऐसी कहानी रह गई जिससे लोग आतंकित भी होते रहे और उसे भूल नहीं पाए। इस सीरीज के लॉन्च के मौके पर हंगामा डिजिटल मीडिया के सीईओ सिद्धार्थ रॉय ने कहा कि हम दर्शकों के लिए ऐसी कहानियां लाने की कोशिश करते हैं जो असल दुनिया से जुड़ी होंए हमारे आसपास की हों और आज भी जिनकी प्रासंगिकता हो। बदमाश बेगम ऐसी ही कहानी है जो 1980 के दशक में केंद्रित है।

पाक सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चार आतंकवादियों को मार गिराया

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सोमवार को अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्म जिले के टेरी मंगल क्षेत्र में खुफिया सूचना पर आधारित अभियान में 50-50 लाख रुपए के दो इनामी आतंकवादी मारे गए। मृतकों की पहचान हफीज-उर-रहमान और वाजिद गुल के रूप में हुई है, जो टेरी मंगल में 2023 में पांच स्कूल शिक्षकों की हत्या के सिलसिले में वांछित थे। प्रांतीय सरकार ने जुलाई 2024 में दोनों पर 50-50 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। गोलीबारी के दौरान एक स्थानीय नागरिक के पैर में गोली लग गई और उसे अस्पताल ले जाया गया। शिक्षकों की हत्या के सिलसिले में पांच संदिग्धों की तलाश थी। उन्होंने बताया कि सोमवार के अभियान में दो को मार गिराया गया है, जबकि शेष तीन लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में, खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग ने पेशावर शहर के उर्मर पयान इलाके में खुफिया जानकारी के आधार पर संचालित अभियान के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह इलाका कभी सबसे बड़े अफगान शरणार्थी शिविरों में से एक था। आतंकवादी, एक आत्मघाती हमलावर और एक हैंडलर शहर में एक संवेदनशील इलाके पर बड़े पैमाने पर हमले की योजना बना रहे थे। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, एक आत्मघाती जैकेट, एक एसएमजी राइफल, एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया गया।

नए समूह की स्थापना पर काम कर रहे पाकिस्तान, चीन : खबर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं, जो लगभग निष्क्रिय पड़े दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) की जगह ले सकता है। सोमवार को एक खबर में यह दावा किया गया। इस घटनाक्रम से अवगत राजनयिक सूत्रों के हवाले से एक्सप्रेस ट्रब्यिून अखबार ने लिखा कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है। यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। दक्षेस में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है। हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक राजनीतिक नहीं थी।

शहरों की वजह से बढ़ रहा धरती का तापमान

भाषा। मेलबर्न

जलवायु परिवर्तन से निपटने में शहरों की केंद्रीय भूमिका होती है। वे 67 से 72 प्रतिशत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कर रहे हैं जो पृथ्वी को गर्म कर रही हैं। साथ ही, शहरों में ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विम तापमान वृद्धि) का खतरा भी बढ़ रहा है। बाढ़, आग और सूखा स्वास्थ्य और सुरक्षा पर असर डालकर घरों और व्यवसायों की बीमा की लागत से लेकर सब कुछ प्रभावित कर रहे हैं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो वहां 90 प्रतिशत लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। पूरी दुनिया में शहरों में चार अरब से अधिक लोग रहते हैं।हमारा नया अध्ययन शहरों के निर्माण और प्रबंधन में जलवायु परिवर्तन पर ध्यान देने के लिए 16 प्राथमिकता वाली कार्वाइयों को चिह्नित करता है।"स्मार्ट निर्माण: हमारे शहरों को डिजाइन, उनका निर्माण और प्रबंधन करते समय जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख विचार होना चाहिए। उत्पन्न होने वाले उत्सर्जन को कम से कम किया जाना चाहिए और अंततः समाप्त किया जाना चाहिए।हमें ऐसे स्थानों पर और ऐसे तरीकों से निर्माण करना चाहिए, जो जलवायु जोखिम को कम करें। लेकिन हमारे शहरों के निर्माण पर नियंत्रण वाली नीतियां इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाती हैं। तीन स्थानीय सरकारी क्षेत्रों के एक हालिया अध्ययन में अनुकूलन और शमन पर केवल सीमित कार्वाई होने का पता चला है। अन्य शोध में पाया गया है कि कुछ शहरी विकास नीतियों में कार्बन कटौती के लक्ष्य शामिल हैं जो अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करते हैं।राष्ट्रीय आवास समझौते के तहत 2029 तक दस लाख से अधिक घर बनाए जाएंगे। इन नए घरों को जलवायु चुनौती का समाधान करना होगा। प्राथमिकता कार्वाई के लिए 16 क्षेत्र:हमारे नए अध्ययन में शहरी नियोजन, वास्तुकला, लैंडस्केप वास्तुकला, शहरी डिजाइन, टिकाऊपन, निर्माण और संपत्ति में काम करने वाले 150 से अधिक हितधारकों के साक्षात्कारों से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की जानकारी मिली। उन्होंने जिन कार्यों की पहचान की, वे पर्यावरण के पूरे जीवन चक्र को कवर करते हैं।जलवायु परिवर्तन के जोखिमों की पहचान नए विकास कार्यों की योजना बनाने के शुरुआती चरणों में की जानी चाहिए जो जोखिम की पहचान और कार्वाई को आसान बनाने के लिए प्रभावी उपकरणों द्वारा समर्थित हो। जब विशिष्ट परियोजनाओं पर विचार किया जा रहा हो, तो जलवायु कार्वाई को अनिवार्य बनाने वाली नीतियों द्वारा समर्थित, प्रारंभिक चरण के जलवायु आकलन को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। डिजाइन चरण में, अनुशासनात्मक सीमाओं से परे कार्यबल के जलवायु ज्ञान और कौशल को बेहतर बनाने के लिए कदम महत्वपूर्ण हैं। कम प्रभाव वाले उत्पादों और सामग्रियों का चयन यह सुनिश्चित करने में भी मदद करेगा कि डिजाइन जलवायु के प्रति अधिक उत्तरदाई है। जलवायु कार्वाई में सबसे अधिक बाधाएं लागत और अनुमोदन चरण के दौरान पाई गईं। प्रतिभागियों ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी निर्माण उद्योग के बारे में बात की। यदि पहले चरण में शुरू की गई जलवायु परिवर्तन पहलों को कानून द्वारा आवश्यक नहीं माना जाता है, तो उन्हें समाप्त किए जाने की संभावना है। एक शहरी योजनाकार का कहना है, जब तक निवेश पर रिटर्न के मामले में उनके लिए कुछ नहीं होगा, तब तक उन्हें ऐसा करने के लिए राजी करना मुश्किल होगा। निर्माण चरण के दौरान, हानिकारक पर्यावरणीय प्रभाव वाले उत्पाद और सामग्री प्रतिस्थापन को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए" निर्माण के बाद: एक बार निर्माण पूरा हो जाने और इमारतों और सार्वजनिक स्थानों का उपयोग होने के बाद, गहन मूल्यांकन प्रक्रिया में निवेश करना महत्वपूर्ण है। इमारतों को इष्टतम जलवायु परिणामों के लिए बनाए रखने के लिए भवन उपयोगकर्ताओं को शामिल किया जाना चाहिए। जब भवन नवीनीकरण की बात आती है, तो पुनः उपयोग और सामग्री के बार-बार इस्तेमाल की वकालत करना महत्वपूर्ण है। लेकिन इमारत को गिराने और नए सिरे से निर्माण करने की प्रथा को बदलना मुश्किल है" एक साथ काम करना:यह हमारे शहरी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव का समय है।हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि निर्णय लेने के हर चरण में जलवायु कार्वाई अंतर्निहित हो। इसका मतलब मौजूदा निर्मित भंडार का अधिक कुशल उपयोग और पुनः उपयोग हो सकता है। इसके लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता होगी।

● जलवायु परिवर्तन से निपटने में और क्या कर सक्ते है

बुमराह पर फैसला अगले 24 घंटे में : डोइशे

● सहायक कोच ने कहा-लेकिन दो स्पिनरों के खेलने की संभावना

भाषा । बर्मिंघम

भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर अगले 24 घंटों में फैसला लिया जाएगा लेकिन भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे को पूरा यकीन है कि उनकी टीम एजबेस्टन में दो स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरेगी। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करने की मांग बढ़ रही है लेकिन बल्लेबाजी की गहराई बनाए रखने के लिए रविंद्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर भी एकादश में जगह बनाने की दौड़ में है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में सोमवार को तीनों स्पिनरों ने गेंदबाजी की। बुमराह चोटिल होने से बचने के लिए इस श्रृंखला में पांच में से तीन टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने अभ्यास सत्र की शुरुआत में दो रंग की गेंद (लाल और सफेद) से गेंदबाज की और फिर फिर सत्र के आखिरी क्षणों में ड्यूक गेंद से गेंदबाजी की। उन्होंने लगभग तीन ओवर गेंदबाजी की जबकि उनके साथी खिलाड़ी मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शुरू में काफी गेंदबाजी की।भारतीय टीम श्रृंखला को 0-। से पिछड़ने के बाद बुमराह के तीन टेस्ट मैचों के चयन को लेकर दुविधा में है। डोइशे ने कहा, वह जाहिर तौर पर चयन के लिए उपलब्ध है। हम शुरू से जानते हैं कि वह पांच में से सिर्फ तीन मैच खेलेगा। उसे पिछले टेस्ट से उबरने के लिए आठ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा, हमें यह तय करना है कि मौजूदा परिस्थितियों, कार्यभार और अगले चार मैचों के लिए हम उसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं, इस पर हमने अभी कोई फैसला नहीं लिया है। हम यह भी देखेंगे कि अन्य खिलाड़ियों का कार्यभार कैसा है। उन्होंने कहा, हमें अगर लगा कि उसे इस टेस्ट में खिलाने में फायदा है, तो हम आखिरी मिनट में यह फैसला लेंगे। फायदा से मेरा मतलब मौसम, पिच और परिस्थितियों के आकलन से है। हमें यह भी तय करना है कि क्या उसे लॉर्ड्स और शायद मैनचेस्टर या ओवल के लिए बचाना बेहतर होगा? इससे जुड़े फैसले के पीछे बहुत सारे कारक है। भारतीय टीम के श्रृंखला में पिछड़ने के बाद बुमराह को टीम में शामिल करने बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह लुभावना तो है, लेकिन हमें यह भी लगता है कि हम जसप्रीत के बिना भी श्रृंखला को।-। कर सकते हैं या इसे 0-। पर बरकरार रख सकते हैं। इससे हम उनका श्रृंखला के आखिरी हिस्से में बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। हमें कुछ चरणों में उसकी जरूरत पड़ेगी ही। आपको यह तय करना होगा कि आप अपना सबसे मजबूत दांव कब खेलेंगे। नीदरलैंड के इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, हम लीड्स में दूसरी पारी में जसप्रीत के विकेट के बिना भी सफलता के करीब आ गए थे। आप किसी भी हालत में सिर्फ एक गेंदबाज से टेस्ट श्रृंखला नहीं जीत सकते।

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंता का विषय : चैपल

लंदन। आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण मे विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा। उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हे और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैड ने पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट मे आठ कैच टपकाए। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा , हेडिंग्ले मे फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी लेकिन हार का यह अहम कारण नही था। भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी। सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरूआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला। भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे। उन्होंने कहा , भारतीय गेंदबाजी आक्रमण मे विविधता का अभाव था। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेदबाज एक जैसे ही थे। गेंदबाजी मे बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है। लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नही था। भारत के पूर्व कोच ने कहा , बुमराह की गैर मौजूदगी मे अर्शदीप सिंह को टीम मे जगह मिलनी चाहिए।

इंग्लैंड ने एकादश में नहीं किया बदलाव, परिवार में इमरजेंसी के कारण अभ्यास में शामिल नहीं हुए आर्चर

बर्मिंघम। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नही किया है, जबकि तेज गेदबाज जोफ्रा आर्चर परिवार मे इमरजेंसी के कारण सोमवार को एजबेस्टन मे टीम की अभ्यास सत्र का हिस्सा नही बने। आर्चर के बुधवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले मंगलवार को टीम में फिर से शामिल होने की उम्मीद है। इंग्लैंड ने हालांकि हेडिंग्ले में श्रृंखला के पहले मैच मे पांच विकेट से जीत हासिल करने वाली एकादश को दूसरे टेस्ट के लिए बरकरार रखने का फैसला किया है। दाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नही था। उन्हें पिछले सप्ताह इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया था। उन्हें अब एकादश का हिस्सा बनने के लिए इंतजार करना होगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को कहा, तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण आज 30 जून, सोमवार को एजबेस्टन में इंग्लैंड टेस्ट टीम के अभ्यास सत्र में शामिल नही होंगे। उनके कल (मंगलवार) टीम मे फिर से शामिल होने की उम्मीद है। आर्चर पिछले कई वर्षो से अपनी गेंदबाजी वाले हाथ में कोहनी से संबंधित चोट से जूझ रहे है।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगा भारत

● हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद

भाषा । ब्रिस्टल

पहले मैच में बड़ी जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम मंगलवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की शानदार फॉर्म और कप्तान हरमनप्रीत कौर की संभावित वापसी का पूरा फायदा उठाकर अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था। मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई।यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए। पिछले साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। भारतीय खिलाड़ियों को बेंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया।

पटौदी पदक के बारे में बाद में सोचा गया, ईसीबी ने नाम बदलकर गलत किया: फारुख इंजीनियर

बर्मिंघम। दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के करीबी मित्र फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया तथा इस पूर्व कप्तान के नाम पर पदक देने का फैसला उनके जैसे प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया।ईसीबी ने 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, लेकिन पांच मैचों की वर्तमान श्रृंखला शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी।इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं लेकिन इसके साथ उन्हें यह भी लगता है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं। तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने श्रृंखला जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया।मैनचेस्टर में रहने वाले इंजीनियर ने कहा, टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया।

सप्तक तलवार फ्रांस में संयुक्त 31वें स्थान पर रहे

ले वौद्रेउइल (फ्रांस)। भारतीय खिलाड़ी सप्तक तलवार आखिरी दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलने के बाद ले वौद्रेउइल गोल्फ चैलेंज में संयुक्त 31वे स्थान पर रहे। तलवार ने दो बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाए। उनका कुल स्कोर छह अंडर 282 का रहा। डेविड होर्सी (69) ने चार-तरफा प्लेऑफ मे डेनियल यंग (67), जेम्स एलन (65) और जोसेबा टोरेस (66) को पछाड़कर खिताब हासिल किया।

भाटिया ने नौ बर्डी के साथ 65 का कार्ड खेला

डेट्रॉयट। अक्षय भाटिया ने पीजीए टूर पर रॉकेट क्लासिक गोल्फ के चौथे दौर के आखिरी 12 होल मे नौ बर्डी लगाकर सात अंडर 65 का शानदार कार्ड खेला। भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी भाटिया तीसरे दौर के बाद संयुक्त 55 वे पायदान पर थे लेकिन आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन के बूते उन्होंने अपना अभियान संयुक्त 26 वे स्थान के साथ खत्म किया। उनका कुल स्कोर 15 अंडर का रहा। भाटिया ने तीसरे और पांचवे होल मे बोगी किया लेकिन फिर सातवें से 10वें होल और 12वे से 15 वे होल तक दो बार लगातार चार बर्डी के साथ शानदार वापसी की। उन्होंने 18वे होल मे भी बर्डी लगा कर शुरुआती तीन दौर के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोडा।

सौम्या की नाक की हड्डी में फ्रैक्चर के बाद सर्जरी

चियांग माई (थाईलैंड)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मिडफील्डर सौम्या गुगुलोथ की तिमोर-लेस्ते के खिलाफ यहां खेले गए एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर मैच के दौरान नाक की हड्डी मे फ्रैक्चर हो गया जिसकी बाद मे सर्जरी करानी पड़ी। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी फिलहाल टीम होटल मे स्वास्थ्य लाभ कर रही है। भारत ने रविवार को ग्रुप मैच 4-0 से जीतकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा, तिमोर-लेस्ते के खिलाफ मैच के दूसरे हाफ के दौरान सौम्या की नाक की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया।

वाणी जर्मन मास्टर्स गोल्फ में संयुक्त छठें, दीक्षा आठवें स्थान पर रही

हैमबर्ग (जर्मनी)। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने अमूंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट मे निराशाजनक तीसरे दौर के बाद शानदार वापसी करते हुए अंतिम दौर मे दो अंडर 71 के स्कोर के साथ अपने अभियान को संयुक्त छठे स्थान के साथ खत्म किया। वाणी अक्टूबर 2022 के बाद एलईटी (लेडीज यूरोपीय टूर) पर पहली बार शीर्ष 10 मे रही है। उन्होंने इससे पहले हीरो महिला इंडियन ओपन मे संयुक्त आठवां स्थान हासिल किया था। मौजूदा सत्र मे अपना तीसरा टूर्नामेंट खेल रही वाणी ने इस सप्ताह 72, 70, 76, 71 के स्कोर के साथ कुल तीन अंडर का स्कोर बनाया।

दुबई में आयोजित की जाएगी पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग

नई दिल्ली। पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) अगले साल फरवरी मार्च में दुबई में आयोजित की जाएगी जिसमे 30 देश भाग लेगे। इस प्रतियोगिता के आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ से मान्यता हासिल है। यह फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता है जिसमें भारत सहित दुनिया भर के खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे।

कॉलेज स्टार ओलिवर टारवेट विम्बलडन के दूसरे दौर में

● अगले दौर में अल्काराज से टक्कर संभव

भाषा । लंदन

ब्रिटेन के 21 वर्ष के क्वालीफायर ओलिवर टारवेट ने विम्बलडन के जरिए ग्रैंडस्लैम पदार्पण में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। विश्व रैंकिंग में 733वें स्थान पर काबिज टारवेट ने स्विटजरलैंड के लिएंड्रो रीडी को 6- 4, 6- 4, 6- 4 से हराया। अब दूसरे दौर में उनका सामना गत चैम्पियन कार्लोस अल्काराज या फेबियो फोगनिनी से हो सकता है। कॉलेज में टारवेट को हाल ही में लगातार दूसरे साल वेस्ट कोस्ट कांफरेंस प्लेयर आफ द ईयर चुना गया था।

हितेश, सचिन व मीनाक्षी की प्रभावशाली जीत

विश्व मुक्केबाजी कप मे शुरू किया अभियान

भाषा । अस्ताना

हितेश और सचिन सिवाच ने विश्व मुक्केबाजी कप में सोमवार को यहां पुरुष वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में विश्व मुक्केबाजी कप के ब्राजील चरण में स्वर्ण जीतने वाले हितेश ने बीलाइन एरिना में लाइट मिडिलवेट वर्ग में चीनी ताइपे के कान चिया-वेई को 5-0 से मात दी। ब्राजील में कांस्य पदक विजेता सचिन ने लाइटवेट वर्ग में कनाडा के अल-अहमदीह कियोमा-अली पर 5-0 की प्रभावशाली जीत दर्ज की।महिलाओं में मीनाक्षी ने लाइट फ्लाईवेट वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की मैडेलीन बोवेन पर 5-0 की एकतरफा जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि मुस्कान ने मिडिलवेट वर्ग के रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड की केरी डेविस को 3-2 से हराया।भारत ने ब्राजील में पिछले विश्व मुक्केबाजी कप लेग में छह पदक जीते थे।

क्विक न्यूज

सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने राष्ट्रीय निशानेबाजी टायल के 10 मीटर पिस्टल में जीत दर्ज की

देहरादून। सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार सत्र को जारी रखते हुए निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल के टी4 10 मीटर पिस्टल महिला वर्ग मे सोमवार को यहां शीर्ष स्थान हासिल किया, वही ओलंपियन सौरभ चौधरी पुरुष वर्ग मे पहले स्थान पर रहे। सुरुचि और सौरभ दोनो ने त्रिशूल निशानेबाजी परिसर में ग्रुप ए में क्रमशः 588 और 587 के उच्च स्कोर के साथ अपने-अपने क्वालीफिकेशन दौर मे शीर्ष स्थान हासिल किया। सुरुचि ने फाइनल मे शुरू से ही दबदबा कायम करते हुए 244.3 का स्कोर बनाया। यह दूसरे स्थान पर रही अंजलि शेखावत से 3.1 अधिक था। अनुभवी रही सरनोबत ने 221.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। ओलंपियन मनु भाकर और ईशा सिंह क्रमशः 202.5 और 179.6 के स्कोर के साथ चौथे और पांचवे स्थान पर रही। सुरुचि ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, मेरी निशानेबाजी के तरीके मे कोई बड़ा राज नही है। मै घड़ी नही देखती या यह नही सोचती कि कितनी जल्दी निशाना साधा जाए, मैं तब तक अपना खेल जारी रखती हूं जब तक काम पूरा न हो जाए। लय बनने के बाद चीजे स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ती जाती है। यह मेरे फोकस बनाए रखने में मदद करता है। पुरुषो के फाइनल मे सौरभ ने 245.7 के स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, जो दूसरे स्थान पर रहे सुभाष सिहाग से 0.4 अंक अधिक था।

चुनौतियों का सामना करने के लिए तेंदुलकर जैसी सुपरपावर चाहते हैं नीरज

नई दिल्ली। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियो का सामना ठंडे दिमाग से करने के लिए महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जैसी सुपरपावर पाना चाहते है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के चोपड़ा ने यह भी कहा कि ह धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहे है जब उनके दिग्गज कोच जान जेलेजी ने उन्हे भाला फेंकने से पहले 18 बरस के युवक की तरह किसी तनाव के बिना दौड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अब तक मैदान से भीतर और बाहर उन्हे सर्वश्रेष्ठ सलाह चेक कोच जेलेजी से मिली है जिनके नाम 98 . 48 मीटर का भालाफेंक का विश्व रिकॉर्ड है। चोपड़ा ने स्टार स्पोटर्स और जियो हॉटस्टार से कहा , जब भी मै थ्रो फेंकता हूं तो मै काफी ऊर्जावान रहता है लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि मुझे प्रवाह के साथ दौड़ना है। मुझे 18 वर्ष के लड़के की तरह बिना किसी तनाव के दौड़ना है। मै धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहा हूं। किसी भी खेल मे प्रवाह महत्वपूर्ण है। मसलन रोजर फेडरर इतनी गरिमा और लय के साथ खेलते है कि पता ही नही चलता कि वह इतना प्रयास कर रहे है। मै अपने अभ्यास मे वही उतारना चाहता हूं। यह पूछने पर कि वह किस क्रिकेटर की सुपरपावर भालाफेंक मे उतारना चाहेगे , चोपड़ा ने कहा , सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने साल तक इतने शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व किया। इतने महान गेदबाजो की चुनौतियो का सामना करके भी शानदार प्रदर्शन किया। मै वही सुपरपावर लेना चाहूंगा और वैसे ही खेलना चाहूंगा।

जूनियर मुक्केबाज ने महिला कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया, माता-पिता ने प्राथमिकी दर्ज कराई

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के रोहतक केंद्र की राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी (एनबीए) की महिला कोच पर राष्ट्रीय स्तर की नाबालिग मुक्केबाज ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। नाबालिग के माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी (एफआईआर) के अनुसार बार-बार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण वह अवसाद में चली गई है।इस से जुड़ी प्राथमिकी की प्रति होने के बावजूद पीटीआई-भाषा आरोपी का नाम सार्वजनिक नही कर रहा है क्योकि मामले की जांच चल रही है। इस मामले मे भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) से जब टिप्पणी के लिए संपर्क किया गया तो उन्होने 17 वर्षीय पीड़िता द्वारा डराने-धमकाने और थप्पड़ मारने की घटनाओ के बारे मे शिकायत मिलने की बात स्वीकार की, लेकिन एफआईआर मे लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपो के बारे में उन्हे सूचित किए जाने से इनकार किया। दोनो संस्थाओ ने कहा कि उनकी आंतरिक जांच में कोच के खिलाफ कोई सबूत नही मिला। यह कोच इस समय जूनियर और युवा मुक्केबाजो के लिए राष्ट्रीय शिविर के संचालन मे प्रमुख भूमिका निभा रही है। रोहतक पुलिस स्टेशन मे दर्ज प्राथमिकी मे पीड़िता ने कहा है कि कोच ने एक बार जबरन उसके कपड़े उतारने की कोशिश की, उसे कई बार थप्पड़ मारे, उसका करियर बर्बाद करने की धमकी दी और अन्य मुक्केबाजो के सामने उसे बुरे चरित्र वाली कहा, जिससे वह अलग-थलग पड़ गई। कोच के खिलाफ शिकायत भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (जान बूझकर से चोट पहुंचाना) और 351 (3) (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ यौन अपराधो से बच्चो के संरक्षण अधिनियम की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न) के तहत दर्ज की गई है। साइ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच मे सहायता करेगा।

सेंटरफ्रूट ने टंग ट्विस्टर चैलेंज की शुरूआत की

मुंबई। परफेटी वैन मेले इंडिया के उत्पाद सेंटरफरूट ने डब्ल्यूपीपी और भारत जीपीटी.एआई और गूगल क्लाउड के सहयोग से सेंटरफरूट टंग ट्विस्टर चैलेंज की शुरूआत की है यह अपनी तरह का पहला वॉयस आधारित जेनएआई अभियान है जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के उन ग्रामीण क्षेत्रों में दर्शकों को अभियान से जोड़ना है जहाँ टेलीविजन और डिजिटल की बात तो छोड़िए, डेटा तक भी सीमित पहुँच है और यह एक चुनौती बनी हुई है। अभियान ने इंटरनेट, ऐप्स या यहाँ तक कि स्मार्टफोन की जरूरत को खत्म करते हुए उन समुदायों तक लुत्फ, स्वाद और तकनीक पहुँचाई है, जिनके बारे में आम तौर पर मुख्यधारा के ब्रांड्स सोचते भी नहीं है।अभियान के बारे में अपने विचार रखते हुए परजटी वैन मेले इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर गुंजन खेतान ने कहा ग्रामीण भारत सेंटरफ्रू ट के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। आज जब टीवी के जरिये हम लाखों लोगों तक पहुँच पाते हैं, बहुत से ऐसे इलाके भी हैं, जहां अपने ब्रांड की कहानी बताना अभी भी हमारे लिए एक चुनौती है। ऐसे में नवीनतम वॉयस एआई टेक एक्टिवेशन एक गेम-चेंजर है, यह हमें न सिर्फ पारंपरिक डिजिटल ईको सिस्टम के बाहर लोगों तक पहुँचाता है, बल्कि उनसे बात करने की सहूलत भी देता है। एआई और रचनात्मक कहानी कहने की कला की बदौलत हम कैसी जीभ लपलपायी भावना को ऐसे जीवंत करते हैं कि यह एकदम स्थानीय, सहज और गहराई से समावेशी लगता है। हमारा मानना है कि यह एक दमदार कदम है जो यह सुनिश्चित बनाता है कि उपभोक्ता बातचीत से कोई भी बाहर न रहे, फिर चाहे वह कहीं भी हो, तकनीक तक उसकी पहुँच हो या नहीं।

निकहत, लवलीना और नीतु एलीट महिला मुक्केबाजी फाइनल में

भाषा । हैदराबाद

विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, नीतु घंघास और स्वीटी बूरा एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट में अपने अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंच गई। दो बार की विश्व चैम्पियन जरीन ने वी लक्ष्या को 5-0 से हराया। अब फाइनल में वह ज्योति से खेलेंगी। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बोरगोहेन ने उत्तर प्रदेश की स्नेहा को 75 किलो फाइनल में पहले दौर में मुकाबला रोके जाने के आधार पर हराया। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की स्वर्ण पदक विजेता नीतु ने रेलवे की मंजू रानी को हराकर 48 किलो फाइनल में जगह बनाई। अब उसका सामना चंचल से होगा। स्वीटी ने 80 किलो सेमीफाइनल में अखिल भारतीय पुलिस की बबीता बिष्ट को 5-0 से हराया। अब उनका सामना आरएसपीबी की अल्फिया पठान से होगा। पूर्व युवा विश्व चैम्पियन अंकुशिता बोरो (टॉप्स) ने 65 किलो वर्ग में अमिता कुंडु को 5-0 से मात दी। अब वह आरएसपीबी की शशि से खेलेंगी जिन्होंने तेलंगाना की यशी शर्मा को 5-0 से हराया। प्रीति (टॉप्स) और तनु ने 54 किलो के फाइनल में जगह बनाई जबकि बी चानू और कमलजीत कौर गिल 57 किलो का फाइनल खेलेंगी।

आयुष ने यूएस ओपन सुपर 300 के साथ बीडब्ल्यूएफ टूर पर जीता पहला खिताब

● तन्वी उपविजेता रही

भाषा । आयोवा (अमेरिका)

उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर खिताब जीता। आयुष की इस जीत ने मौजूदा सत्र में विश्व टूर पर भारत के खिताबी सूखे को खत्म किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2023) कांस्य पदक विजेता 20 साल के आयुष ने रविवार को तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एक शानदार सप्ताह का समापन किया जिसमें सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक यादगार जीत भी शामिल है। यांग के खिलाफ यह आयुष की यह तीसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मलेशिया और ताइपे ओपन में भी कनाडा के इस खिलाड़ी को दो बार हराया था। आयुष ने चैंपियन बनने के बाद बीडब्ल्यूएफ से कहा, यह जीत काफी मायने रखता है, यह सीनियर सर्किट पर मेरा पहला खिताब है। मैं काफी खुश हूं।

गौतमबुद्ध नगर के तैराकों ने बाजी मारी

लखनऊ। 39वीं सब.जूनियर और 54वीं जूनियर स्टेट स्विमिंग चैंपियनशिप में गौतमबुद्ध नगर ने बाजी मारी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव खेल मंत्री, राजा जय प्रताप सिंह पूर्व मंत्री रहे। इस अवसर पर अतुल सिन्हा आरएसओए लखनऊ, हरीश शर्मा, पूर्व सचिव, उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन,संदीप मिश्रा सचिव उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन, एसएस दत्ता अध्यक्ष उत्तर प्रदेश ट्रायथलॉन एसोसिएशन भी मौजूद रहे। व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में पुरुष वर्ग के पहले ग्रुप में - वेदांत चंद्रा गौतमबुद्ध नगर, 4 स्वर्ण , महिला . शैला भाटी गौतमबुद्ध नगर 5 स्वर्ण पदक हासिल किया। जबकि दूसरे ग्रुप में पुरुषों में कृष्णा यादव स्पोर्ट्स हॉस्टल लखनऊ 5 स्वर्ण पदक, महिलाओं सिदक कौर गौतमबुद्ध नगर 5 स्वर्ण पदक प्राप्त किया। समूह 3 में पुरुष वर्ग में अंश प्रताप सिंह बहराइच के 3 स्वर्ण पदक, महिलाओं में श्रीजा सिंह गाजियाबाद 5 स्वर्ण पदक हथियाये। टीम चैम्पियनशिप में ग्रुप-1 में गौतमबुद्ध नगर 213 अंक, ग्रुप-2 में गौतमबुद्ध नगर 213 अंक व ग्रुप-3 में लखनऊ 46 अंक लिए।

खिलाड़ियों को मिला बेहतरीन मंच, ग्रीष्मकालीन हैंडबॉल शिविर का समापन

लखनऊ। हैंडबॉल के उभरते हुए खिलाड़ियों के निखार के उद्देश्य आयोजित ग्रीष्मकालीन हैंडबॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को किया गया। जिला हैंडबॉल संघ लखनऊ के तत्वाधान में केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में आयोजित 20 दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय हैंडबॉल कोच मोण्तौहीद व सहायक कोच सोनू कुमार ने 40 खिलाड़ियों को तकनीकी व शारीरिक कौशल का गहन प्रशिक्षण दिया। शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह एवं विशिष्ट अतिथिगण लखनऊ के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी डा.अतुल सिन्हा व जिला हैंडबॉल संघ लखनऊ के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा अन्नू ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डाण्आनन्देश्वर पाण्डेय ने अपने प्रेषित शुभकामना संदेश में शिविर के सफल आयोजन पर बधाई दी और सभी खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करते रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिविर में शामिल अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी लखनऊ की शिवानी को झांसी के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी सुरेश बोनकर ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। आज समारोह में लखनऊ जिला हैंडबॉल संघ के सचिव डॉ सुमंत पांडेयए अमेठी के उपक्रीड़ाधिकारी मुशर्रफ खान, अमेठी जिला पंचायत सदस्य मुकेश यादवए खेल प्रमोटर प्रांजल तिवारी, जौनपुर के टीडी कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डा.शेखर सिंह एवं जिम्नास्टिक कोच रविकांत यादव सहित कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

नरेश कुमार के मार्गदर्शन में पूमसे तकनीक की बुनियाद मजबूत कर रहे खिलाड़ी

लखनऊ। ताइक्वांडो खिलाड़ियों के बेसिक टेक्नीक को मजबूत करने और उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दिशा में एसएनआई सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस लगातार काम कर रही है। इसके अंतर्गत मॉडर्न अकादमी में ताइक्वांडो का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। खासतौर पर पूमसे तकनीक के उन्नत प्रशिक्षण के लिए इन दिनों अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी एवं पूमसे विशेषज्ञ नरेश कुमार मौजूद हैं। हरियाणा के रहने वाले नरेश कुमार अब तक राष्ट्रीय स्तर पर पांच स्वर्ण सहित कुल नौ पदक जीत चुके हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अपने पहले सत्र में पूमसे तकनीक की ट्रेनिंग देने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मेरा उद्देश्य यहां खिलाड़ियों की पूमसे तकनीक की बुनियाद को मजबूत करना और उन्हें एडवांस स्किल्स से परिचित कराना हैए ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। एसएनआई सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस के निदेशक डॉ. आनंद किशोर पांडेय ने बताया कि हमारा मिशन खिलाड़ियों को इस स्तर पर तैयार करना है कि वे देश.विदेश में अपनी प्रतिभा और दमखम साबित कर सकें।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय- 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-69342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, ए-8, सेक्टर 7, जिला- गौतमबुद्ध नगर- उप्र, नोएडा-201301, फोन नंबर 0120 2470700 से मुद्रित। प्रधान सम्पादक: डॉ. देवेन्द्र सिंह । पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।